शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 240 | गुवाहाटी | सोमवार, 27 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

डी-लिस्टिंग में विशाल जनजाति हुंकार — पेज 3
संसद में हुआ मेरी मां का अपमान शहीद के बेटे को कहा गया मीर जाफर — पेज 4
लोकतंत्र को कमजोर करने वाले सत्याग्रह नहीं कर सकते : आदित्यनाथ — पेज 5
कैप्टन अभिमन्यु ने कार्यकर्ताओं को दिया अटकना नहीं, भटकना नहीं का मंत्र — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सीएम ने किया रंगिया में कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

मात्र 25/30 मिनट में रंगिया से गुवाहाटी पहुंचना होगा संभव : मुख्यमंत्री

रंगिया (विभास)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा रविवार को एक दिवसीय दौरे पर रंगिया पहुंचे। उन्होंने *रंगिया के विकास के लिए एक दिन* नामक कार्यक्रम के तहत 504.79 करोड़ रुपए की परियोजना का शिलान्यास और उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री सुबह रंगिया पहुंचे और रंगिया के वार्ड नं 3 स्थित ऐतिहासिक हरदत्त-वीरदत्त भवन प्रांगण में प्रसारित प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे पहले मुख्यमंत्री सुबह 10.45 बजे रंगिया के मुरारा में नवनिर्मित फोरलेन सड़क का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने क्रमश: रंगिया मॉडल अस्पताल के आईसीयू बेड और रंगिया कॉलेज के स्नातकोत्तर भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने रंगिया जिला खेल संघ मैदान में एक आयोजित एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करने के अलावा उन्होंने वरचुअल माध्यम से प्रस्तावित रंगिया महकमा के एकीकृत महकमाधिपति कार्यालय, तोरानी के अरिमत्तो खेल परिसर में फुटबॉल मैदान, गैलारी और इनडोर खेल मैदान के निर्माण, उत्तर पूर्व क्षेत्र के प्रधानमंत्री विकास योजना के तहत विद्यालय को उत्कृष्ट केंद्र में परिवर्तन योजना के तहत रंगिया के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का उन्नतिकरण, रंगिया में 600 आसनयुक्त वातानुकूलित श्रीमंत शंकरदेव सभागार के निर्माण, मुख्यमंत्री उन्नत पक्की सड़क निर्माण योजनांतर्गत एनएच-31 के भातकुची से गरियाकोठ होते हुए द्वारकुची तक सड़क का

उन्नतिकरण, मुख्यमंत्री उन्नत पक्की सड़क निर्माण योजना के तहत सेप्टी-कुलहाटी सड़क का उन्नतिकरण, असम माला के अधीन रंगिया-काऊरवाहा से नागरिजुली तक पक्की सड़क का उन्नतिकरण, बालाबाड़ी में पुथीमारी बांध का पुन: प्रतिष्ठा एवं मरम्मत, पुथीमारी आर/बी बांध पुन: प्रतिष्ठा, बोगोरीबाड़ी और ढोलकुची आर/एस बांध की मरम्मत, शुक्लाई एल/बी बांध और नाथकुची (बुनबाड़ी) आर/एस बांध की मरम्मत, एस डी आर एफ के अधीन नाथकुची (खैराबाड़ी) में सुकलाई नदी आर/बी बांध की मरम्मत के लिए तत्काल कदम उठाने, एस डी आर एफ के अधीन टेंगाझार में शुक्लाई नदी एल/बी पंचायत में बांध की मरम्मत के लिए तत्काल कदम उठाने, बाईहाटा चाराली-गोरेश्वर रोड का उन्नतिकरन, रंगिया एसके-12 रेलवे फाटक पर 50:50 फीसदी लागत साझाकरण के तहत फ्लाइंग ब्रिज का निर्माण, रंगिया के एसके-14 रेलवे फाटक -शेष पृष्ठ दो पर

निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण पर चर्चा के लिए गुवाहाटी पहुंची चुनाव आयोग टीम

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग की टीम आज (रविवार) गुवाहाटी पहुंच गया है। वर्तमान में चल रहे निर्वाचन क्षेत्र पुनर्निर्धारण प्रक्रिया के मद्देनजर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की टीम आज असम के दौरे पर पहुंची है। आयोग की तीन सदस्यीय टीम गुवाहाटी के होटल रेडिसन ब्लू में ठहरी है। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह 09 बजे से दोपहर -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में भूकंप के तेज झटके, अरुणाचल में भी हिली धरती

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। अरुणाचल के चांगलांग में रात 1 बजकर 45 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.5 थी। इस भूकंप से फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं, करीब 30 मिनट बाद राजस्थान की भी धरती हिली। यहां भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। बीकानेर में आए -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में भयंकर हिमपात आफत में पर्यटकों की जान

नई दिल्ली। लगातार हो रही बर्फबारी के कारण कई पर्यटक उत्तरी सिक्किम में फंस गए हैं। करीब 1,400 पर्यटकों को सेना पहले ही बचा चुकी है।

लेकिन रविवार को पूर्वी सिक्किम के डिक्चू जंग वार्ड में एक बड़ा भूस्खलन हुआ। गंगटोक से मोंगन मार्ग पूरी तरह बंद रहा। सूत्रों के मुताबिक सड़क दुर्गम हो गई है। उत्तरी सिक्किम में 11-15 मार्च को अभूतपूर्व हिमपात हुआ। सिक्किम में ऐसी मौसमी बर्फबारी शायद ही पहले -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
चुनौतियां ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है और इसी से आपके जिंदगी का महत्व निर्माण होता है।
– जोशहुआ जे मरीन

न्यूज गैलरी

अदालत के फैसले के खिलाफ आंदोलन कर रही कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के संकल्प सत्याग्रह को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह इसलिए राहुल गांधी पर अदालत के फैसले के खिलाफ आंदोलन कर रही है, ताकि देश के पूरे पिछड़े समुदाय के खिलाफ उनकी टिप्पणी को सही ठहराया जा सके। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के आंदोलन को महात्मा गांधी का अपमान -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : सेमी कंडक्टर की वजह से ईवीएम मशीन बनने में हो रही देरी

नई दिल्ली। देश में आए दिन कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। 2023 में भी नौ राज्यों में चुनाव होने हैं। इसके लिए ईवीएम की जरूरत होती है। मगर एक समस्या सामने आ खड़ी है। चुनाव आयोग के पास ईवीएम मशीन की कमी है। इसका कारण है कोरोना वायरस और लॉकडाउन। 2020 से 2022 तक कोरोना के कारण आयात निर्यात या तो बंद हो रहा या एकदम कमी आ गई। इसके कारण मशीन में उपयोग होने वाली एक डिवाइस -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिमों को आरक्षण संविधान के आधार पर नहीं : अमित शाह

बिदर। कर्नाटक में चुनावों से ठीक पहले भाजपा अपना पूरा जोर लगा रही है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के दावणगेरे पहुंचे थे और रोड शो किया था वहीं आज गृहमंत्री अमित शाह बिदर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण हटाए जाने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधा है। शाह ने कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई भी प्रावधान संविधान में नहीं है। बता दें कि शुक्रवार को यहां पर कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया था और इस आरक्षण को मुस्लिमों के लिए खत्म करके वीरशैव लिंगायत और वोक्कालिगा में बांट

दिया है। इस मीटिंग में एक और फैसला लिया गया था जिसमें तय हुआ था कि जो ओबीसी मुस्लिम हैं उन्हें इकोनोमिकली वीकर सेक्शन यानी ईडब्ल्यूएस में डाल दिया गया है। शाह ने यहां पर गरोटा शहीद स्मारक और सरदार वल्लभभाई पटेल मेमोरियल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने 103 फीट ऊंचे तिरंगा फहराया है। शाह ने यहां पर अपने संबोधन के दौरान कहा कि अल्पसंख्यकों को दिया गया आरक्षण संविधान के आधार पर नहीं था, क्योंकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई प्रावधान नहीं है। शाह ने अपने भाषण में कांग्रेस पर ध्रुवीकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसी की वजह से कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत का गोल्डन चौका, लवलीना भी बनीं वर्ल्ड चैंपियन

नई दिल्ली। भारत की ओलिंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने रविवार को महिला मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप में 75 किलोग्राम भारवर्ग में कैटलीन पारकर को स्पिलिट डिसिजन 5-2 से मात दे गोल्ड मेडल अपने नाम किया। ये भारत का इस विश्व चैंपियनशिप में चौथा गोल्ड मेडल है। उनसे पहले निकहत जरीन, नीतू, स्वीटी बूरा ने भारत को गोल्ड पदक दिलाए थे। नीतू और स्वीटी ने शनिवार को पदक जीते थे तो निकहत ने रविवार को गोल्डन पंच जमाया था। ये मुकाबला काटें की टक्कर का था। पहला राउंड लवलीना ने अपने नाम किया था लेकिन दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दमदार वापसी की और ये राउंड अपने नाम किया। तीसरे राउंड में तो दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर देखी गई और इसलिए मैच का फैसला रिव्यू के बाद निकला।

लवलीना ने आराम से शुरुआत की और अपनी विरोधी को समझने पर ध्यान दिया। इसके बाद लवलीना ने अटैक करने की कोशिश की और कुछ अच्छे पंच लगाए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी धैर्य के साथ खेल रही थीं और उन्होंने संभल कर लवलीना का सामना किया। पहले राउंड के बीच में लवलीना ने जैब और अपरकट के जरिए अंक लिए। इससे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी दबाव में आ गईं। राउंड के आखिरी में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अच्छे डिफेंस किया और लवलीना के पंचों को जाया किया। पहले राउंड लवलीना ने 3-2 से अपने नाम -शेष पृष्ठ दो पर

दलाई लामा ने अमेरिकी मंगोलियाई बच्चे को बनाया सबसे बड़ा धर्मगुरु

नई दिल्ली। बौद्ध धर्म के वरिष्ठ नेता दलाई लामा ने 8 साल के अमेरिकी मंगोलियाई बच्चे को तिब्बती बौद्ध धर्म में तीसरे सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक नेता के रूप में नामित कर चीन की बोलती बंद कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस धार्मिक मौके पर लगभग 600 मंगोलियाई अपने नए आध्यात्मिक नेता का जश्न मनाने के लिए जुटे। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में देखा गया कि 87 वर्षीय दलाई लामा से एक बच्चा लाल वस्त्र और मास्क पहने मिल रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार धर्मगुरू मंगोलियाई बच्चा अगुइदई और अचिल्टाई अल्टानार नाम के जुड़वां बच्चों -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय, असम
असम सचिवालय
ब्लॉक-सी, चौथी मंजिल
दिसपुर-06

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 26 मार्च, 2023

भारत का माननीय निर्वाचन आयोग वर्तमान चल रहे परिसीमन प्रक्रिया के संबंध में हितधारकों के मत जानने के लिए असम भ्रमण करने आए है। इस प्रकार से निर्वाचन आयोग पहली बार आये हैं जबकि, निर्वाचन आयोग हमेशा ऐसे प्रस्ताव का मसौदा प्रकाशन के बाद आते हैं। समाचार पत्रों में मसौदा का प्रस्ताव प्रकाशन के बाद आयोग पुनः एकबार आएगी। अतः इस परिसीमन प्रक्रिया को अधिक समावेशी, सहभागी और पारदर्शी बनाने के लिए हितधारकों को आयोग के साथ बातचीत करने के दो अवसर मिलेंगे।

दिनांक 27/03/2023 को आयोग, हितधारकों के मत लेंगे। इसके अलावा, जो हितधारक/सामान्य जनता आयोग से मिलने न आ पाये उनके परामर्श/सूचनाएं 5 अप्रैल, 2023 तक knbhar@eci.gov.in और brajesh@eci.gov.in पर ई-मेल के द्वारा भेजने की सुविधा प्रदान की गई है।

(नितिन खाड़े, आईएएस)
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम

-- Janasanyog /D/24206/ 22

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम द्वारा प्रचारित
@ceoassam @ceoassam @ceo_assam

कोरोना : 149 दिन बाद देश में सबसे ज्यादा मरीज, सात की मौत

नई दिल्ली। कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। 149 दिन बाद देश में सबसे ज्यादा संक्रमितों की पहचान हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को देशभर में कोरोना के 1890 मामले सामने आए हैं। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 9433 हो गई है। मतलब अब देश में नौ हजार 433 मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। इसके पहले पिछले साल 28 अक्तूबर को एक दिन में सबसे ज्यादा 2208 लोग संक्रमित पाए गए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को देश में सात लोगों की संक्रमण के चलते मौत हो गई। इनमें तीन केरल, दो महाराष्ट्र और एक गुजरात से थे। इसी के साथ कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा देश में पांच लाख तीस हजार 831 हो गया है। देश में कोरोना मरीजों के मिलने का आंकड़ा तेजी से बढ़ने लगा है। डेली और वीकली पॉजिटिविटी रेट में भी वृद्धि दर्ज हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, डेली पॉजिटिविटी रेट 1.56 प्रतिशत हो गया है, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 1.29 प्रतिशत पहुंच गया है। देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कांग्रेस मतलब करप्शन और कमीशन : नड्डा

भोपाल (हि.स.)। कांग्रेस का मतलब है करप्शन, कमीशन और डिवीजन। भाई भतीजावाद, परिवारवाद इनकी पहचान है। हमारी संस्कृति समाजसेवा, समाज के सशक्तिकरण और रिपोर्ट कार्ड की है, जो कहेंगे वो करेंगे और जो कहा है, वो किया है। कांग्रेसियों के भाषण सुनिए, उनमें से वोट बैंक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। हमें कांग्रेस की यह संस्कृति जनता को बताना है। भाजपा की सरकारें देश और प्रदेश को लगातार आगे ब ढ़ा रही हैं, यह जनता को समझाना है और पार्टी को यशस्वी बनाना है। हर बूथ का अध्यक्ष आज यह संकल्प लें कि मेरे बूथ पर सिर्फ जीत ही होगी। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान नर्मदापुरम एवं भोपाल संभागों के बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। नड्डा ने बूथ अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं को पार्टी के नए प्रदेश कार्यालय भवन के भूमिपूजन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जी पार्टी कार्यालय आए थे और उन्होंने यह पूछा था कि कितने जिलों में पार्टी के अपने कार्यालय भवन हैं? हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर जिले में हमारे अपने कार्यालय भवन होंगे। उस संकल्प का ही परिणाम है कि आज देश के 290 जिलों में पार्टी के कार्यालय भवन बन चुके हैं। 115 कार्यालयों का काम चालू है। 123 कार्यालयों के लिए जमीन ले ली गई है और काम चालू होने वाला है। इसी क ्रम में आज पार्टी के नए प्रदेश कार्यालय भवन का भूमिपूजन हुआ है, जो वर्ल्ड क्लास और आधुनिक तकनीक से युक्त होगा। उसमें चार बैठक कक्ष होंगे और 1005 की क्षमता वाला ऑडिटोरियम होगा। इस सबके बावजूद हमारा कार्यालय भवन ऑफिस नहीं होगा, बल्कि वो एक संस्कार केंद्र होगा, जहां आकर कार्यकर्ता अपने नेताओं से सीखते हैं, पढ़ते हैं और पार्टी के लिए जीवन को खपा देने का संकल्प लेते हैं। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि हमने उत्तर पूर्वी राज्यों मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में सरकारें बनाई। महत्वपूर्ण बात यह है कि दोबारा से सरकार बनाई। चुनाव परिणाम के बाद हमारे प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि यह एक त्रिवेणी का प्रभाव है। त्रिवेणी का वो मंत्र है- सरकार का काम, संगठन व सरकार की संस्कृति तथा कार्यकर्ताओं का समर्पित सेवा भाव। मध्यप्रदेश में भी पार्टी कार्यकर्ता और सरकार पूरे सेवा भाव के साथ काम कर रहे हैं। विचारों की यही त्रिवेणी मुझे मध्यप्रदेश में भी दिखाई देती है। कार्यकर्ताओं में जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह आने वाले समय के लिए यह संदेश दे रहा है कि एक बार फिर भाजपा सरकार।

बीटीसी पार्षद मुनमुन ब्रह्म ने बिजीत गौड़ा बसुमतारी के विरूद्ध दर्ज कराई प्राथमिकी

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ पुलिस थाने में बिजीत गौड़ा बसुमतारी के विरुद्ध बीटीसी के पार्षद एवं बीपीएफ नेता मुनमुन ब्रह्म ने प्राथमिकी दर्ज करायी है। बिजीत गौड़ा बासुमतारी पर ब्रह्म के विरूद्ध अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। स्वयं को देबरगांव परिषद निर्वाचन क्षेत्र के यूपीपीएल के ब्लॉक अध्यक्ष बताने वाले बिजीत गौड़ा ने पार्षद मुनमुन ब्रह्म के खिलाफ भद्दी टिप्पणी की थी। जिस पर आज दोपहर कोकराझाड़ सदर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए ब्रह्म ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बिजीत गौड़ा बासुमतारी ने अभद्र टिप्पणी कर मेरे और मेरे परिवार के सभी सदस्यों को मानसिक रूप से परेशान किया है। आज जब कोकराझाड़ पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराने मुनमुन ब्रह्म पहुंचीं तो उनके साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी मौजूद थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्वोत्तर में फ्रेंचाइजी इनसाइडर ने रखा कदम

गुवाहाटी। देश की एक प्रमुख फ्रेंचाइजी सलाहकार फर्म फ्रेंचाइजी इनसाइडर ने पूर्वोत्तर में कदम रखते हुए गुवाहाटी में अपने पहले व्यापार सहयोगी के रूप में सुकांते विश्वास को आधिकारिक तौर पर नियुक्त किया। पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में आज से शुरू हुए दो दिवसीय एंकरेज प्रदर्शनी में फ्रेंचाइजी इनसाइडर के स्टाल का उद्घाटन प्राग चैनल के सीएमडी संजीव नारायण ने किया। फ्रेंचाइजी इनसाइडर ने गुवाहाटी में अपना पहला पूर्वोत्तर का कार्यालय खोला। फ्रेंचाइजी इनसाइडर मुख्य रूप से किसी भी ब्रांड को सफल फ्रेंचाइजी मॉड्यूल बनाने की सलाह देने और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद करता हैं। अब तक उनकी सलाह पर उन्होंने 200+ उद्यमी तैयार किए जा चुके हैं। फ्रेंचाइजी इनसाइडर के पास 10+ साल का अनुभव है और यह एक प्रक्रिया संचालित कंपनी है। हमारे पास दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कनाडा में आउटलेट खोलने में मदद करने वाले ब्रांड हैं। फ्रेंचाइजी इनसाइडर के संस्थापक धिनल बक्सी और सह-संस्थापक समीर देसाई के पास एक विशाल वित्त अनुभव है, उन्होंने सभी ब्रांड की श्रेणियों के लिए फ्रेंचाइजी मॉड्यूल विकसित करने में विशेषज्ञता विकसित की है। फ्रेंचाइजी इनसाइडर के पोर्टफोलियो में खाद्य, खुदरा, शिक्षा, सेवा उद्योग शामिल हैं। पूर्वोत्तर फ्रेंचाइजी व्यवसाय और पूर्वोत्तर में युवाओं के लिए एक दूरदर्शी बाजार है जो कड़ी मेहनत कर उद्यमशीलता के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। पूर्वोत्तर बाजार का विशाल अनुभव और फ्रेंचाइजी व्यवसाय के बारे में विषेश अनुभव रखने वाले सुकांत विश्वास के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी इनसाइडर ने गुवाहाटी में पूर्वोत्तर का अपना पहला कार्यालय का शुभारंभ किया। विश्वास ने कहा की हमारी साझेदारी पूर्वोत्तर और भारत के अन्य हिस्सों के बीच एक पुल होगी। पूर्वोत्तर के ब्रांडों को अब हम पूरे भारत में विस्तार करने में मदद करेंगे। साथ ही फ्रेंचाइजी इनसाइडर का यहां कार्यालय खुलने से इस क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत सारे अवसर, रोजगार पैदा करने में भी मददगार साबित होगा।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चिनाब रेलवे पुल का किया निरीक्षण

गुवाहाटी। भारतीय रेलवे द्वारा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर निर्माणाधीन दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल जल्द ही रेल परिवहन के लिए चालू हो जाएगा। पुल पर पटरियां बिछाने का काम पहले ही पूरा हो चुका है और जल्द ही विद्युतीकरण कार्य शुरू किया जाएगा। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब नदी के ऊपर 359 मीटर (1,178 फीट) की ऊंचाई पर पर फैला है। श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आज आर्च ब्रिज के कार्य का निरीक्षण किया और सभी सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया। जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच का आर्च ब्रिज कटरा से बनिहाल तक एक महत्वपूर्ण लिंक बनाता है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है। यह परियोजना जटिल सुरंगों और प्रमुख पुलों से होकर गुजरती है। माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आने वाली स्थलाकृति की चुनौतियों और ऐसे पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण के अनुभव को पूर्वोत्तर क्षेत्र में चल रही सभी रेल परियोजनाओं में भी साझा किया जा सकता है। महत्वपूर्ण रूप से हिमालयी क्षेत्र में जटिल सुरंगों के लिए उपयोग की जाने वाली हिमालयन टनलिंग विधि का उपयोग पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरंग बनाने के कार्यों के लिए भी किया जा सकता है। दुनिया के सबसे ऊंचे पुल की स्थिरता और सुरक्षा की जांच के लिए चिनाब रेलवे पुल पर सभी प्रकार के परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए हैं। परीक्षणों में उच्च-वेग वायु परीक्षण, अत्यधिक तापमान परीक्षण, भूकंप-प्रवण परीक्षण और जल स्तर में वृद्धि के कारण हाइड्रोलॉजिकल प्रभाव शामिल हैं। इस पुल को पूरा करने के लिए भूकंपीय गतिविधि के विरूद्ध मजबूत बनाने के लिए लगभग 28000 टन स्टील का उपयोग किया गया है। उधमपुर1 श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना जनवरी/फरवरी 2024 तक पूरी हो जाएगी। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल परियोजना के लिए 2014 से पहले बजट आवंटन लगभग 800 करोड़ रुपए प्रति वर्ष था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ाकर 6000 करोड़ रुपए कर दिया गया। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला ट्रेन सेवा से जुड़ने के बाद इस रेल खंड में विशेष रूप से निर्मित वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी।

पृष्ठ एक का शेष

मात्र 25/30 मिनट...

पर 50:50 प्रतिशत लागत बंटवारे के तहत फ्लाईओवर के निर्माण का शिलान्यास किया। दूसरी ओर उन्होंने एसओपीडी 2019-20 के अधीन एनएच-31 से बरौलिया नदी तक पुराने एन टी रोड के चार लेन तक उन्नतिकरन, रंगिया मॉडल अस्पताल में आईसीयू की शुरुआत, असम सरकार की उत्तरन योजना के तहत रंगिया कॉलेज को पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में अपग्रेड, जयंतीपुर से कुमतीबाड़ी बाथाण तक सड़क और बांध, महाबीर लाचित चिलाराय पुल निर्माण योजनांतर्गत गरियाकोट लक्ष्मी मंदिर मार्ग पर पक्के पुल (क्रमांक 2/1) का निर्माण, महाबीर लाचित पुल निर्माण योजनांतर्गत लाची बिष्णुपुर गोपालपुर बाथान मार्ग पर पक्के पुल (क्रमांक 1/1), असम सरकार के उत्तरन योजना के तहत उदियाना बालिसत्र पथ का उन्नतिकरन, रंगिया शहर में सीसी कैमरों की स्थापना का उद्घाटन किया। रंगिया में विकास का एक दिन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुआ, स्थानीय विधायक तथा हाउस फेड के अध्यक्ष व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, सांसद दिलीप शैकिया, भुवनेश्वर कलिता, पवित्र मार्गेरिटा, कमलपुर के विधायक दिगंत कलिता, हाजो विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुमन हरिप्रिया एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि पूरे असम में इस वक्त विकास की लहर है। उन्होंने कहा कि असम के हर हिस्से में विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मात्र 25/30 मिनट में रंगिया से गुवाहाटी पहुंचना संभव हो सकेगा। उन्होंने रंगिया में विकास की एक सूची प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सरकार रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल को 10 करोड़ रुपए की लागत से एक आदर्श विद्यालय में अपग्रेड करने के साथ भविष्य में असम के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक आदर्श विद्यालय की स्थापना करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जयंती एक मार्च को छात्र दिवस के रूप में मनाई जाएगी और इसदिन युवा छात्र-छात्राओं के लिए बहुत सी योजनाओं की घोषणा की जाएगी।

निर्वाचन क्षेत्रों के ...

12 बजे तक प्रदेश के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन आयोग की टीम चर्चा करेगी। दोपहर एक बजे से चार बजे तक प्रदेश के सामाजिक दलों और गणमान्य नागरिकों से चर्चा का कार्यक्रम निर्धारित है। आयोग जिला उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ भी चर्चा करेगा। इस बीच, असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नितिन खाड़े ने कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग की टीम यहां पहुंची है। चुनाव आयोग हमेशा इस तरह के प्रस्ताव के मसौदा प्रकाशन के बाद ही आता है। समाचारों में मसौदा प्रस्ताव प्रकाशित होने के बाद आयोग एक बार फिर आएगा। इसलिए, इस प्रक्रिया में शामिल हितधारकों को आयोग से दो बार मिलने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा जो पुनर्निर्धारण प्रक्रिया को अधिक व्यापक, सहभागी और पारदर्शी बनाएगा। आयोग 27 मार्च को हितधारकों के विचार करेगा, लेकिन जो इसमें शामिल नहीं हो पाएगा वे अपने सुझाव/सूचना आयोग knbhar@eci.gov.in और brajesh@eci.gov.in के जरिए आगामी 5 अप्रैल तक ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं।

राजस्थान में भूकंप के ...

इस भूकंप की तीव्रता 4.2 थी। भूकंप का केंद्र बीकानेर से 516 किलोमीटर पश्चिम में था। यहां भी अभी तक किसी नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि चार दिन पहले दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। 22 तारीख को आए इस भूकंप की तीव्रता 2.7 थी। दोपहर 4.42 बजे यह भूकंप आया था। इसका केंद्र नांगलोई था। इससे एक दिन पहले भी दिल्ली एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 थी और भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था।

सिक्किम में भयंकर...

कभी देखी गई हो। इसके बाद से उत्तरी सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। जितनी बार यातायात सड़कों को साफ किया गया है उतनी बार हिमपात हो रहा है। अब तापमान में अत्यधिक गिरावट के कारण सड़क आने-जाने लायक नहीं रही है। यात्रा के दौरान पर्यटक फंस जाते हैं। सेना के सूत्रों के मुताबिक जवानों ने शनिवार तक 1400 पर्यटकों का रेस्क्यू किया है। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। यह बचाव कार्य करीब 14 से 18 हजार फीट की ऊंचाई पर किया जाता है। इसके अलावा उत्तरी सिक्किम के लोगों और सेना की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए बर्फ हटाने का काम शुरू हो गया है। त्रिशक्ति शेपर्स और बीआरओ की एक संयुक्त पहल से उन्नत तकनीक का उपयोग करके बर्फ की सफाई का काम किया जाता है। लेकिन रविवार को कई जगहों पर फिर से बर्फबारी की खबर आई है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पिछले कुछ हफ्तों में भारत-चीन सीमा पर स्थित हिमालयी राज्य सिक्किम के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी ने भारतीय सेना और सीमा सड़क संगठन को सड़कों को साफ करने का काम किया। सिक्किम में हर साल सर्दियों में भारी बर्फबारी होती है, लेकिन सेना के सूत्रों की मानें तो इस साल बर्फबारी का पैटर्न अजीब रहा है। सिक्किम में इस साल देर से लेकिन बर्फबारी हुई। सेना यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है, साथ ही सड़कें और संचार लाइनें साफ रहें। शनिवार को त्सोमगो झील और उसके आसपास हिमपात हुआ। बर्फबारी के कारण जवाहरलाल नेहरू रोड बर्फ से ढका हुआ था। रिपोर्ट की मानें तो बर्फबारी के कारण, राज्य ने पर्यटकों को केवल 15 मील तक के परमिट जारी किए ताकि वे फंसे न हों। आने वाले दिनों में मौसम के आधार पर त्सोमगो झील और बाबा मंदिर के लिए परमिट जारी किए जाएंगे।

मुस्लिमों को आरक्षण...

आरक्षण दिया था। लेकिन भाजपा ने उस आरक्षण को खत्म किया है और वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों को यह आरक्षण दिया है। शाह ने अपनी जनसभा में यह भी कहा कि कांग्रेस ने राज्य में अपनी राजनीति के दौरान कभी भी यहां के शहीदों को याद नहीं किया। वोट बैंक के लालच में उन्होंने कभी भी हैदराबाद मुक्ति के लिए खुद को बलिदान करने वाले लोगों को कभी भी याद नहीं किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि अगर वे नहीं होते तो हैदराबाद को कभी आजादी नहीं मिलती और बिदर भी हमेशा गुलाम बना रहता। शाह ने यहां के गोरता गांव में क्रूर निजाम के अत्याचार को भी याद किया और कहा कि यहां पर 2.5 फीट के तिरंगे को फहराने के लिए निजाम के सैनिकों ने यहां पर सैकड़ों लोगों को मार डाला था। आज इसी जमीन पर वह बहुत गर्व के साथ तिरंगा फहरा रहे हैं।

भारत का गोल्डन चौका...

किया। दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अटैक करने की रणनीति अपनाई लेकिन ओलिंपिक पदक विजेता ने अपने शानदार डिफेंस का इस्तेमाल किया। वह हालांकि ओपन गार्ड के साथ खेल रही थीं जिसका फायदा उठाने की कोशिश पारकर कर रही थीं। पारकर ने कुछ अच्छे पंच लगाए जो लवलीना पर लगे। दूसरे राउंड में लवलीना पहले राउंड वाला खेल नहीं दिखा पाईं और पारकर उनपर हावी रहीं। लवलीना ऐसे में पारकर से दूरी बनाए रखने की कोशिश कर रही थीं। दूसरा राउंड 4-1 से पारकर के नाम रहा। तीसरे राउंड में लवलीना ने डिफेंसिव होने की रणनीति अपनाई और दूरी बना अपने विरोधी के पंचों को जाया करने की कोशिश की जिसमें वो काफी हद तक सफल रहीं। वहीं पारकर की गलती का इंतजार कर रही थीं। कुछ दफा पारकर ने गलती की, लेकिन लवलीना मौके को भुनाने में सफल नहीं रहीं। इस बीच लवलीना थकी हुईं लगीं। दो बार लवलीना गिर चुकी थीं और रैफरी ने उन्हें चेतावनी भी दी थी। पारकार हावी होती जा रही थीं और लवलीना बैकफुट पर जा रही थीं। तीसरे राउंड के अंत में लवलीना ने कुछ अच्छे पंच जमाए और इसी कारण मुकाबला रिव्यू में गया जहां लवलीना को जीत मिली।

दलाई लामा ने ...

में से एक है, हालांकि, दोनों में से कौन है अभी स्पष्ट नहीं है। इनके माता-पिता का नाम अलतनार चिंचुलुन और मोनखनासन नर्मदख है। बच्चे के पिता अलतनार चिंचुलुन एक विश्वविद्यालय के गणित के प्रोफेसर और एक राष्ट्रीय संसाधन समूह के कार्यकारी हैं। लड़के की दादी मंगोलिया की गरमजाव सेडेन पूर्व सांसद रही हैं। दलाई लामा ने इस बच्चे को 10 वें खलखा जेटसन धम्पा रिनपोछे का पुनर्जन्म बताया है। बता दें कि बौद्ध धर्म में धर्मगुरुओं के पुनर्जन्म को खास महत्व दिया जाता है। धर्मगुरु के पुनर्जन्म का समारोह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित किया गया, जहां 600 मंगोलियाई अपने नए आध्यात्मिक नेता का जश्न मनाने के लिए जुटे थे। यहीं दलाई लामा भी रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार दलाईलामा ने 2 दिन पहले ही कहा था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। बता दें कि तिब्बती धर्म गुरु और 87 साल के दलाई लामा धर्मशाला में निर्वासन में रहते हैं और भारत और चीन के बीच दलाई लामा को लेकर अकसर विवाद होता रहता है। इस समारोह से मंगोलिया के पड़ोसी चीन का गुस्सा और भड़कने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, दलाई लामा ने 2016 में मंगोलिया का दौरा किया था, जिसकी चीन ने कड़ी आलोचना की थी। मंगोलिया में जन्म बच्चे को बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता के पुनर्जन्म के रूप में मान्यता देने के कदमों से चीन नाराज हो सकता है। चीन ने पहले ही जोर देकर कहा है कि वह केवल उन बौद्ध नेताओं को मान्यता देगा, जिन्हें चीनी सरकार से अनुमोदित स्पेशल टीम ने चुना हो। दलाई लामा के इस कदम से मंगोलिया में खुशी और डर दोनों देखा जा रहा है। मंगोलियाई लोगों को डर है कि दलाई लामा के इस फैसले से नाराज चीन उनके देश के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई कर सकता है। मंगोलिया पहले से ही चीनी आक्रामकता का शिकार रहा है, जिसने इनर मंगोलिया के नाम से एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। चीनी सरकार ने कथित तौर पर कहा कि इस यात्रा ने चीन-मंगोलिया संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाला। उलानबटोर छोड़ने से पहले, दलाई लामा ने कहा कि तिब्बती बौद्ध धर्म के तीसरे सबसे महत्वपूर्ण लामा, जेट्सन धम्पा का मंगोलिया में पुनर्जन्म हुआ था। उन्हें कई दिनों से खोजने का प्रयास जारी था।

कोरोना : 149 दिन...

147 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 0.02 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिनका अभी इलाज चल रहा है, जबकि 98.79 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार, अब तक 220.65 करोड़ कोरोना वैक्सीन के डोज लगाए जा चुके हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बना रही है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयां इस मॉकड्रिल में भाग लेंगे। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि 27 मार्च को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में मॉक ड्रिल के सटीक विवरण के बारे में राज्यों को जानकारी दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ राजीव बहल द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि फरवरी के मध्य से देश में कोविड-19 मामलों में क्रमिक लेकिन निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। इस समय, देश में अधिकांश कोरोना मामले केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) जैसे कुछ राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कई हफ्तों में कुछ राज्यों में कोविड-19 की टेस्टिंग में गिरावट आई है। साथ ही यह भी पाया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित मानकों की तुलना में वर्तमान में परीक्षण स्तर अपर्याप्त हैं। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर ने सभी राज्यों को कोरोना जांच में बढ़ावा देने और लक्षणों की जानकारी देने के लिए भी कहा है। इसके अलावा कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मॉकड्रिल में सभी राज्यों को शामिल होने के लिए भी कहा गया है। अप्रैल की 10 और 11 तारीख को होने वाली मॉकड्रिल में आईसीयू बेड, मेडिकल इक्विपमेंट्स, ऑक्सीजन और मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के परामर्श के मुताबिक लोगों को कोविड के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही लोगों से भीड़भाड़ और बंद स्थानों में मास्क पहनने की सलाह दी है। साथ ही इसमें बार-बार साबुन से हाथ धोने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने की सलाह दी गई है।

अदालत के फैसले के ...

करार देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता ने सामाजिक मुद्दों के लिए सत्याग्रह का आयोजन किया था जबकि कांग्रेस निजी कारणों से तथाकथित सत्याग्रह कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मानहानि के एक मामले में गांधी को दोषी ठहराए जाने और अदालत के फैसले के परिणामस्वरूप लोकसभा सांसद के रूप में उन्हें अयोग्य करार दिए जाने के बाद कांग्रेस का आंदोलन उसके अहंकार का खुल्लमखुल्ला प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का सच्चाई के लिए लड़ने से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा नेता ने कहा कि गांधी को सूरत की एक अदालत ने उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद दोषी ठहराया और लोकसभा सांसद के रूप में उन्हें अयोग्य ठहराया जाना संबंधित कानून के तहत स्वत: परिणाम है। भाजपा नेता ने पूछा कि फिर सत्याग्रह किस बात के लिए है? उन्होंने कांग्रेस से स्पष्टीकरण देने को कहा कि जिस तरह से आपने देश के पूरे पिछड़े समुदाय का अपमान किया, क्या उसे सही ठहराने के लिए है, या उस अदालत के खिलाफ जिसने आपको सजा सुनाई है, या उस प्रावधान के खिलाफ जिसके तहत आपको अयोग्य ठहराया गया है।

लोस चुनाव : सेमी ...

नहीं मिल पा रही। यूं तो ईवीएम राजनीतिक कारणों से कई बार सुर्खियों में रही है मगर इस बार कारण दूसरा है। इस साल नौ राज्यों में चुनाव में होने वाले हैं। सभी जगह ईवीएम ही इस्तेमाल होती है। अगले साल पूरे देश में लोकसभा चुनाव है। इसके लिए तैयारियां एक साल पहले से ही शुरू हो जाती हैं मगर ईवीएम में इस्तेमाल होने वाली डिवाइस सेमी-कंडक्टर की आपूर्ति में संकट है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने हाउस पैनल को इसकी जानकारी दी है। ईवीएम की खरीदारी के लिए 1500 करोड़ रुपए चुनाव आयोग को दिए गए थे। लेकिन 31 जनवरी तक इस बजट का महज 16 परसेंट ही खर्च हुआ है। आईआईटी गांधीनगर के डायरेक्टर और ईवीएम टेक्निकल कमिटी के मेंबर प्रोफेसर रजत मूना ने द इंडियन एक्सप्रेस से बात की। इसमें बताया गया कि कोविड-19 और लॉकडाउन जब से शुरू हुआ तो तो उसने इंडस्ट्री को प्रभावित कर दिया था। हालांकि अब स्थिति सामान्य हो रही है। हालांकि कहा गया है कि 31 मार्च तक पूरे बजट का इस्तेमाल किया जाएगा। 2019 लोकसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि लगभग 24 लाख ईवीएम मशीन का उपयोग होगा। उस हिसाब से देखा जाए तो इस बार संख्या और बढ़ेगी ही मगर घटेगी नहीं। सरकार की ओर से हर साल बजट में इजाफा भी किया जाता है। ईवीएम की खरीदारी के लिए 2021-22 में 1000 करोड़, 22-23 में 1500 करोड़ और 2023-24 के लिए 1866 करोड़ का बजट जारी किया गया है। अभी तक इलेक्शन कमीशन ने 2022-23 के लिए आबंटित बजट ही खर्च नहीं हुआ।

स्वर्वेद भाष्य

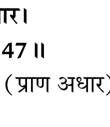

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

शब्द पृथक चिन्तन नहीं, मन वच काया सार।
व्यापक एक स्वरूप है, सन्तन प्राण अधार॥ 47 ॥

शब्दार्थ : (पृथक) अलग (सार) मूल (शब्द) सारशब्द (प्राण अधार) जीवन-आधार।

भाष्य : शब्द से भिन्न किसी दूसरे पदार्थ का चिंतन नहीं होता। मन, वच और काया का मूलतत्व सारशब्द है, उसी व्यापक एक स्वरूप का निरंतर भजन होता ह। संतों का एकमात्र जीवन-आधार शब्द, परमपुरुष है।

दम दम पल पल भजन में, सन्त दशा निस्काम।
मन प्रपञ्च भावे नहीं, प्रभु तजि अवर न काम॥ 48 ॥

शब्दार्थ : (दम दम) श्वांस-प्रश्वांस (पल पल) निमेष, पलक (दशा) अवस्था।

भाष्य : संत की अवस्था सदैव निष्काम होती है, वह प्रत्येक श्वांस और क्षण-क्षण में प्रभु के भजन में संलग्न रहता है। मन के प्रपंच उसे अच्छे नहीं लगते। वह प्रभु-भक्ति के अतिरिक्त दूसरे कार्य में नहीं जाता। प्रभु-भक्ति ही उसके जीवन का एकमात्र लक्ष्य है।

खानापाड़ा में मतांतरितों को जनजाति सूची से बाहर करने की उठी मांग

डी-लिस्टिंग में विशाल जनजाति हुंकार

गुवाहाटी (हि.स.)। जनजाति धर्म-संस्कृति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में रविवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा खेल मैदान पर असम के जनजाति समाज ने हुंकार भरी। मंच ने जनजाति समाज से धर्मांतरित करने वालों के नाम जनजाति की सूची से हटाने की मांग की। मंच का कहना हैकि ऐसे लोगों को जनजाति के आरक्षण सहित किसी भी प्रकार के लाभ ना मिले। मंच के पदाधिकारियों का कहना है कि जनजाति समाज पर हो रहे इस अन्याय के विरोध में बहुत बड़ी संख्या में जनजाति बंधु अब जाग गए हैं। सभा का ऐसा मानना है कि जनजातियों की धर्म संस्कृति पर भी हमला हुआ है। इस जनसभा में विभिन्न जनजातियों ने परंपरागत रूप में अपने ईष्ट देवों की पूजा की। जनजाति धर्म-संस्कृति सुरक्षा मंच के अध्यक्ष जलेश्वर ब्रह्म, बोगीराम बोडो ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच के सचिव बलराम फांगचो सहित बोडो कमेटी की बबीता ब्रह्म, राभा जनजाति के प्रतिनिधि के सुमेश्वर पातर, कार्बी कमेटी से प्रताप तेरंग, मिसींग कमेटी से एमजी एकलव्य गाम समेत अन्य कई नेता

उपस्थित रहे। जनजाति सुरक्षा मंच के केंद्रीय ऑब्जर्वर सत्येंद्र सिंह (जशपुर) से तथा मध्य प्रदेश से प्रकाश सिंह के उईके तथा रवींद्र उईके ने जनसभा में अपने विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय जनजाति सुरक्षा मंच के संगठन मंत्री सूर्य नारायण सुरी के नेतृत्व में आयोजित जनसभा अपनी आवज को उठाने में पूरी तरह से सफल नजर आई। उन्होंने कहा कि इस जनसभा के दौरान लोगों में जो उत्साह देखने को मिला, उससे समाज के जागरण का अनुभव हो रहा था। जनसभा ने भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों ने धर्मांतरण कर लिया है, उन्हें जनजाति की सूची से हटना चाहिए। क्योंकि आज जनजाति समाज के लिए जो लाभ संविधान ने दिए हैं, उसे धर्मांतरित लोग ही ले रहे है। वास्तव में जिन्हें लाभ मिलना चाहिए वे आज भी वंचित है। यह अन्याय अब जनजाति समाज सहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अतीत में कभी कार्तिक उरांव ने यही मांग संसद में उठायी थी और इसके लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति ने भी समर्थन किया था। दुर्भाग्य से आज तक इस विषय की ओर किसी ने भी ध्यान नही दिया। इस अन्याय को अब जनजाति समाज सहन नहीं करेगा। अब धर्मांतरित ईसाई एवं मुस्लिमों के नाम इस सूची से हटवाकर ही मंच दम लेगा। सभा का विनोद कुंबांग ने संचालन किया। नित्यरंजन डोले, विनय ब्रह्म, बाबुल बोडो, जोत्सना पेगु, सहित स्थानीय कई कार्यकर्ताओं ने जनसभा को सफल बनाने के लिए अपना सहयोग दिया। इस जनसभा की एक खास विशेषता यह रही कि गुवाहाटी के 80 हजार नगरवासी परिवारों ने जनसभा में आए जनजाति बंधुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की गयी थी। अरुणाचल से पहुंचे जनजाति सुरक्षा मंच के उत्तर-पूर्वांचल के संयोजक गिचिक ताजा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। जनसभा में लोकनृत्य का भी मंचन हुआ। डि-लीस्टींग के लिए लडाई हो गई शुरु... इस गीत पर मंच के नेताओं सहित सभी महिला-पुरुष झूम उठे।

राहुल गांधी की लोस सदस्यता रद्द होने के विरोध में सत्याग्रह में शामिल हुए 11 विपक्षी दल

गुवाहाटी (हि.स.)। सूरत की एक कोर्ट से दो वर्ष की सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होने के विरोध में कांग्रेस पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने प्रदर्शन किया। रविवार सुबह गुवाहाटी के दिसपुर स्थित मानवेंद्र शर्मा कांप्लेक्स परिसर में एपीसीसी के आह्वान पर कांग्रेस के संकल्प सत्याग्रह में 11 विपक्षी दलों ने भाग लिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने महात्मा गांधी के चित्र के सामने दीप जलाकर सत्याग्रह का शुभारंभ किया। इस सत्याग्रह में कांग्रेस के अलावा आप, राइजर दल व सभी वामपंथी पार्टियों के साथ अन्य दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। वहीं कांग्रेस के इस सत्याग्रह में कई अन्य विपक्षी पार्टियां शामिल नहीं हुई है। सत्याग्रह में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया, उप नेता प्रतिपक्ष रकीबुल हुसैन, विधायक रेकीबुद्दीन अहमद, राणा गोस्वामी, राइजर दल के अध्यक्ष एवं अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई, वामपंथी विचारक हिरेन गोहाईं, प्रदेश कांग्रेस महिला मोर्चा की अध्यक्ष मीरा बोरठाकुर समेत अन्य नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैंसर से पीड़ित ने लगाई सहायता की गुहार

नगरबेड़ा। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा के भखुराड़िया गांव के बादशाह अली नामक एक कैंसर का शिकार लाइलाज बीमारी से पीड़ित हो गया है। बादशाह अली लाइलाज कैंसर के कारण करीब छह महीने से जूझ रहे हैं। गरीब आदमी के इलाज के नाम पर परिवार पहले ही घर की नींव को छोड़कर सब कुछ बेच चुका है। लेकिन बादशाह अली ठीक नहीं हुए हैं। जरूरी इलाज के अभाव में उनकी तबीयत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। व्यक्ति को अब बेहतर इलाज की जरूरत है। इसके लिए बड़ी मात्रा में धन की आवश्यकता होती है। लेकिन गरीब आदमी के इकलौते घर की नींव के अलावा मेडिकल ट्रीटमेंट के नाम पर सब कुछ बेचकर परिवार पहले से ही तबाह है। इलाज के नाम पर सर्वस्वंत बादशाह अली का परिवार अब जनता से आर्थिक मदद मांग रहा है। यदि कोई दयावान है तो आई एफएससी-सीबीआई एनओ 283215 ए/सी नंबर 2329465029 और सेंट्रल बैंक शाखा के अथवा 9707303241नंबर पर फोन पे, गुगल पे के जरिए सहायता दे सकता है।

सांसद चिराग पासवान का विभिन्न संगठनों ने किया नागरिक अभिनंदन

गुवाहाटी। बिहार की जमुई लोकसभा सीट से दूसरी बार सांसद तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का रविवार को गुवाहाटी में नागरिक अभिनंदन किया गया। मालूम हो कि सांसद पासवान एक दिवसीय अपनी निजी दौरे पर रविवार की सुबह गुवाहाटी पहुंचे थे। पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवक समाज व पूर्वोत्तर क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में सांसद चिराग पासवान के सम्मान में नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मंच पर सांसद पासवान के अलावा बिहार लोजपा (रा) प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, प्रदेश महासचिव संजय पासवान, संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडे, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रणव कुमार, युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, राष्ट्रिय संगठन मंत्री ई. रविंद्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह व रमेश कुमार मौजूद थे। मौजूद थे। सम्मान समारोह का शुभारंभ

पूर्वोत्तर क्षत्रिय महासभा की ओर से अध्यक्ष सुबोध सिंह, महामंत्री आरबी सिंह व अभिजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, देवानंद सिंह, अनिल कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह, दिलीप सिंह (बेलतला), केएन सिंह, रणधीर सिंह द्वारा परंपरा अनुसार फुलाम गमछा पुष्पगुच्छ आदि भेंट कर किया गया। इसके पश्चात पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवक समाज व सम्मेलन की ओर से बीके सिंह अनिल चौधरी, टीके झा, देवेंद्र राय, ब्राह्मण समाज की ओर से संजय विजय तिवारी स्वर्ण एकता मंच से सुबोध चौधरी, हिंदीभाषी एकता मंच से जयराम सिंह व बिरजू सिंह, कलवार समाज (अखिल असम कलवार समाज) राम सरोवर चौधरी, भुवनेश्वर जयसवाल, अखिल भारतीय मद्धेशिया वैश्य सभा से दीनदयाल शाह, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पासवान, नागेश्वर कुमार, मनोज सिंह, राजेश जयसवाल, कन्हैया जयसवाल सहित अन्य संगठनों से आए प्रतिनिधियों ने अभिनंदन किया। इस मौके पर सांसद पासवान ने अपने संबोधन में सभी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर के इस प्रांत में रह रहे प्रवासी हिंदीभाषी भाइयों ने जो प्यार व सम्मान दिया है उसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व श्री पासवान शक्तिपीठ कामाख्या धाम, बाबा शुक्रेश्वर व भीमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

शिमलीतोला में 32 गायों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नगरबेड़ा (निसं)। ग्वालपाड़ा जिला के शिमलीतोला के बरपथार में एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाते हुए जरीफ अली नामक एक व्यक्ति के घर से कुल 32 गायों को जब्त करने के साथ 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की मध्य रात्रि को यह अभियान चलाया गया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान जरीफ अली, साईरुद्दीन शेख और आयनल हक के रूप में की गयी है। पुलिस ने बताया है कि साईरुद्दीन शेख लंबे समय से पशु तस्करी के धंधे में शामिल रहा है। पुलिस ने कहा कि गायों को एक स्थानीय बाजार से खरीदा गया था और मेघालय में पहुंचाने के लिए छुपाकर रखा गया था। इस मामले में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जंच कर रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन का उद्घाटन सत्र संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी समाज बहुत ही सशक्त है यह बात हम नहीं कहते बल्कि दुनिया कहती है। मारवाड़ी सम्मेलन एक सोच देकर रास्ता दिखाता है। सम्मेलन का लक्ष्य राष्ट्र की प्रगति है। राष्ट्र की प्रगति तभी होगी जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की प्रगति हो। यह बातें अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने सम्मेलन की कामरूप शाखा के आतिथ्य में आयोजित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोलहवां प्रांतीय अधिवेशन समरसता पर्व के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। उन्होंने आगे कहा कि हम अगर समाज को कुछ देंगे तो समाज हमें भी कुछ देगा। हमें स्वार्थ त्यागकर समाज के बारे में कुछ सोचना होगा। इससे पहले निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित करके अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंच पर स्वागताध्यक्ष संपत मिश्रि, स्वागत मंत्री पवन जाजोदिया, शाखा अध्यक्ष विनोद लोहिया, शाखा मंत्री दिनेश गुप्ता के अलावा विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा एस एस हरलालका, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ,प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल, नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा उपस्थित थे। कामरुप शाखा की महिला सदस्याओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागताध्यक्ष के स्वागत भाषण के पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष ने संबोधन दिया। स्वागत भाषण के पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष ने संबोधन दिया। इस अवसर पर गुवाहाटी के शंकरलाल गोयनका को साहित्य व संस्कृति के क्षेत्र में स्वर्गीय नंदकिशोर माहेश्वरी पुरस्कार, धेमाजी की विनीता चौधरी गाड़ोदिया को शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्गीय धर्मचंद जैन पुरस्कार, शिलांग के श्रवण कुमार झुनझुनवाला को स्वर्गीय हीरालाल पटवारी स्मृति पुरस्कार तथा लखीमपुर के राजेश मालपानी को जन सेवा के क्षेत्र में एवं डिब्रूगढ़ की विश्वनाथ दातव्य औषधालय को सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्था का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर की टेली डायरेक्टरी एवं अधिवेशन स्मारिका समन्वय का विमोचन भी किया गया। नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा को राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने शपथ ग्रहण करवाई। रमेश चांडक ने कार्यक्रम का संचालन किया। इससे पहले प्रातः काल साधना मंदिर में ध्वजारोहण के पश्चात दिवंगत हुए पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों को श्रद्धांजलि दी गई। प्रांतीय कार्यकारिणी सभा के पश्चात मोरान के बिमल अग्रवाल के संचालन मे आप की अदालत नाम से उन्मुक्त सत्र का आयोजन भी किया गया। रात्रि में विभिन्न शाखाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। रविवार को अधिवेशन मे समरसता विचार गोष्ठी के पश्चात समापन सत्र का आयोजन किया गया।

शंकरदेव इलाके में मिला व्यक्ति का शव

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी क्षेत्र के शंकरदेव नगर इलाके से एक व्यक्ति का शव बरामद किए जाने के चलते सनसनी फैल गयी। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक ने रविवार को बताया कि बीती रात शंकरदेव नगर इलाके से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। जिसकी उम्र लगभग 45 वर्ष होगी। मृतक जेक शर्ट और गमछा पहन रखा था। मृतक इलाके में पिछले एक वर्ष से घूम फिर कर अपनी जिंदगी गुजार रहा था। मृत व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव की शिनाख्त के लिए शव को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के शव गृह में 72 घंटे के लिए पोस्मार्टम के लिए रखा जाएगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एक महीने तक चला मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

कोकराझाड़ (हि.स.)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 31वीं बटालियन के सौजन्य से एक महीने तक चलते मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण का समापन आज गोसाइगांव में हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गत 25 फरवरी को आरंभ हुआ। इसमें भारत-भूटान अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती गांवों के 27 युवाओं ने हिस्सा लिया था। एसएसबी सूत्रों ने बताया है कि सीमावर्ती गांवों के 30 पुरुष और महिलाओं के लिए 09 से 23 मार्च तक कृषि के लिए नई तकनीक और कृषि उपकरणों के वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीओ (सिविल) अरण्यक सैकिया, कचुगांव पीएचसी डॉ. पीके दास और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षुओं को मोटर ड्राइविंग प्रमाणपत्र

और खेती के उपकरण वितरित किए। गोसाईगांव स्थित एसएसबी की 31वीं बटालियन के सेकेंड-इन-कमांड पराग चतुर्वेदी ने ग्रामीणों और प्रतिभागियों को एसएसबी द्वारा सीमावर्ती गांवों के युवाओं और किसानों के कल्याण के लिए आयोजित कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जो उन्हें भविष्य में आजीविका में मदद करेगा। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने युवाओं को सीएपीएफ में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सीआरपीएफ 152 बटा ने हर्षोल्लास से मनाया 21वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी (निसं)। आज 152 बटालियन सीआरपीएफ, ग्वालपाड़ा द्वारा 21 वां स्थापना दिवस मुख्यालय में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 24 मार्च, 2003 को बटालियन की स्थापना की गई जिसके उपलक्ष्य में आज स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। वाहिनी द्वारा इस अवसर पर प्रथम चरण में देव शंकर मिश्र, कमांडेंट-152 बटा. व अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी एवं इसके पश्चात बटालियन क्वार्टर गार्ड पर गार्ड द्वारा देव शंकर मिश्र कमांडेंट-152 को सलामी दी गई । सुबह 9 बजे जेटीएस ग्रांउड, ग्वालपाड़ा में मुख्य अतिथि वीवी राकेश रेड्डी, आईपीएस पुलिस अधीक्षक ग्वालपाड़ा द्वारा फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया। मेले में जवानों के मनोरंजन हेतु कई प्रकार की दुकानों को सजावट के साथ लगाया गया जिसमें विभिन्न खेल, हाथ से बने बंबू के सामान व विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन भी शामिल है। इस दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें जवानों, परिवार के सदस्यों एवं बच्चों ने उत्सुकता से भाग लिया। इस अवसर पर ग्वालपाड़ा जिले से दो शहीद परिवार को भेंट प्रदान कर सम्मानित किया गया। सायंकाल में शानदार सांस्कृतिक संध्या एवं बड़े खाने का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुनंद कुमार, डीआईजी, सीआरपीएफ लोअर असम व श्री वी वी राकेश रेड्डी, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक ग्वालपाड़ा सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया एवं संबोधित करते हुए 152 बटालियन को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। इससे पूर्व 152 वाहिनी द्वारा स्थापना दिवस के तत्वाधान में रक्तदान शिविर, सैनिक सम्मेलन एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जोकि बहुत ही सराहनीय रहा है। इस अवसर पर राकेश रंजन तिवारी, द्वितीय कमान अधिकारी, वी नारायणन उप कमां, ईश्वर सिंह सहा. कमां, अधिनस्थ अधिकारी, जवान, स्थानीय नागरिक, परिवार के सदस्य एवं मीडिया बंधु उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विहंगम योग संस्थान की स्वर्वेद यात्रा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय नववर्ष के शुभ अवसर पर पूर्वांचल विहंगम योग संस्थान द्वारा स्वर्वेद यात्रा निकाली गई, जिसमें विहंगम योग संस्थान के साधक साधिकाओं ने बड़े उत्साह से यात्रा में शिरकत की स्वर्वेद जिसका अर्थ ईश्वरीय ज्ञान के द्वारा अपने आप को जानना है, महर्षि सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज ने 17 वर्ष की कठोर तपस्या करने के पश्चात महाभारत काल के पश्चात लुप्त प्राय अवस्था में रहे उस ज्ञान को पुन: अपनी समाधि अवस्था में प्रकट किया और स्वामी जी ने उद्घोष किया ईश्वर है मिलाऊंगा आज हमारी पूजा हमारी भक्ति मन के द्वारा इंद्रियों के द्वारा शरीर के द्वारा हो रही है लेकिन हमारे शास्त्र कहते हैं ईश्वर मन, बुद्धि व इंद्रियों से परे है, इनके द्वारा कर्म होता है भक्ति तो आत्मा का विषय है आत्मा के आधार पर हम कब भक्ति करेंगे मानव जीवन का लक्ष्य क्या है कैसे उसकी प्राप्ति होगी यह ज्ञान हमें विहंगम योग में मिलता है, विहंगम योग का अर्थ प्रकृति के प्रवाह के विपरीत गमन करना है हमारी चेतना मन के द्वारा प्रकृति में जा रही है उसी चेतना को हम कैसे उल्टे कैसे परमात्मा में लगाएं यह विहंगम योग बतलाता है, स्वामी ने जिस ज्ञान को अपने समाधि अवस्था में प्रकट किया वह ज्ञान मानव मात्र को सहज रूप में उपलब्ध हो इसके लिए

उन्होंने महान आदित्य सदग्रंथ स्वर्वेद की रचना की स्वर्वेद का एक-एक मंत्र महामंत्र है जिसे श्रवण मात्र से ही आत्मिक चेतना उर्ध्व होने लगती है, भारतीय नववर्ष के अवसर पर विश्व भर में विहंगम योग संस्थान द्वारा स्वर्वेद यात्रा निकाली गई, जिसका एकमात्र मकसद हमारी सोई हुई चेतना को जगाना है हमें हमारे कर्तव्य का बोध कराना है की मनुष्य जीवन प्राप्त करने के पश्चात इंद्रियों को तृप्त करना ही हमारा मकसद नहीं है वरण भोगो से वैराग्य ले ध्यान साधना के द्वारा अपनी चेतना को स्थिर कर प्रभु प्राप्ति में लगाना और अंत में शरीर में जहां से हमने प्रवेश किया वहां से निकल जाना है, समय बीत रहा है समय का सदुपयोग आत्मिक आधार से भक्ति ही सत्कर्म है जिसके द्वारा हमें अपने अस्तित्व का बोध होता है और हम आवागमन से मुक्ति के लिए प्रयास करते हैं विश्व के महान आदित्य सदग्रंथ कि महिमा को जन जन तक पहुंचाने के लिए स्वर्वेद यात्रा पूर्वांचल विहंगम योग संस्थान द्वारा गुवाहाटी गोशाला से आरंभ होकर पूर्वांचल विहंगम योग प्रचार केंद्र फटाशील आमबाड़ी मे संपन्न हुई, सभी साधक साधिकाओं ने उत्साह पूर्वक इस यात्रा में अपना योगदान दिया और अपने आत्मिक कल्याण के लिए सद्गुरु प्रभु के पावन चरणों में प्रार्थना की यात्रा के समापन के पश्चात ध्यान साधना शिविर एवं सत्संग हुआ तत्पश्चात सभी ने महाप्रसाद ग्रहण कर जयकारा लगाते हुए अपने अपने गंतव्य को प्रस्थान किए, आज के इस आयोजन में मुख्य रूप से उपस्थित रहे हिंदी भाषी काउंसिल के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे संस्थान के अध्यक्ष किशन लाल प्रजापति अरुण सिंघल दीपक शर्मा, देवेंद्र शर्मा, श्याम सुंदर अग्रवाल, महेंद्र प्रजापति, राकेश गुप्ता, एडवोकेट राम लाल यादव, जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर मनोज शर्मा, हवन प्रभारी मनोज ठाकुर, पंकज अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल, लक्ष्मीपत प्रजापति विशेष तोर पर उपस्थित रहे।

चार साल में दो सौ से अधिक होगी हवाईअड्डों की संख्या : सिंधिया

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कहा कि सरकार देश में मौजूदा 148 हवाईअड्डों की संख्या अगले तीन से चार साल के भीतर 200 से अधिक करने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इंडिगो एयरलाइन की दिल्ली-धर्मशाला-दिल्ली की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि बड़े मेट्रो हवाईअड्डों के साथ-साथ दूर-दराज के हवाईअड्डों को भी समान महत्व देते हैं, जो अंतिम छोर तक संपर्क प्रदान करते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में इंडिगो कनेक्टिविटी की सुविधा के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय को धन्यवाद दिया और कहा कि इंडिगो पहाड़ी राज्य में उड़ान भरे बिना सही मायने में राष्ट्रीय एयरलाइन नहीं बन सकती थी।

केंद्र पर गरजीं प्रियंका गांधी, कहा-

संसद में हुआ मेरी मां का अपमान शहीद के बेटे को कहा गया मीर जाफर

नई दिल्ली। दिल्ली के राजघाट पर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने के विरोध में सत्याग्रह चल रहा है। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने परिवारवाद को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने भाजपा को घेरते हुए कहा कि आप परिवारवाद कहते हैं, तो भगवान राम कौन थे? क्या वे परिवारवादी थे? क्या पांडव परिवारवादी थे? और क्या हमें शर्म आनी चाहिए कि हमारे परिवार के सदस्य इस देश के शहीद हुए हैं। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे परिवार ने इस देश के लोकतंत्र को अपने खून से सींचा है। संसद में मेरे शहीद पिता का अपमान संसद में किया जाता है। शहीद के बेटे का अपमान किया जाता है, उन्हें मीर जाफर कहा जाता है। मेरी मां का अपमान किया जाता है। आपके (भाजपा) मंत्री कहते हैं कि इनके पिता कौन हैं? आपके प्रधानमंत्री गांधी परिवार के लिए कहते हैं कि ये नेहरू उपनाम का इस्तेमाल क्यों नहीं करते? आप पर तो कोई केस नहीं होता, आपकी सदस्यता रद्द नहीं होती। प्रियंका गांधी ने अपने पिता राजीव गांधी के अंतिम संस्कार का किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि साल 1991 में मेरे पिता का शव तीन मूर्ति से निकल कर जा रहा था, उस दौरान मैं अपनी मां और भाई के साथ गाड़ी में बैठी थी, क्योंकि सुरक्षा का मुद्दा था। सामने से भारतीय सेना का एक ट्रक फूलो से लदा हुआ आगे बढ़ रहा था, जिसमें मेरे पिता का शव रखा हुआ था। उन्होंने बताया कि काफिला कुछ दूर ही गया तभी राहुल कहने लगे कि उनको पैदल इस यात्रा में जाना है, तब मां ने उन्हें रोका क्योंकि सुरक्षा का मामला था, लेकिन वो नहीं माने औक सेना के पीछे चलने लगे थे। कड़ी धूप में भी वो पैदल चलते रहे और 500 गज तक चलने के बाद उनके शहीद पिता का अंतिम संस्कार किया गया था। इस किस्से को सुनाते हुए उन्होंने कहा कि एक पिता के चले जाने के बाद उनका बेटा ही उनकी पगड़ी पहनता है और परंपरा को आगे बढ़ाता है। ऐसे में आप परिवार वाद बोलकर इसका अपमान करते हैं, लेकिन आप पर कोई मुकदमा दर्ज क्यों नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अहंकारी, तानाशाह जब जवाब नहीं दे पाते, तो पूरी सत्ता को लेकर जनता को दबाने की कोशिश करते हैं। आपने कभी सोचा है ये पूरी सरकार एक आदमी को बचाने की इतनी कोशिश क्यों कर रही है? इस अदाणी में है क्या कि आप इसे देश की सारी संपत्ति दे रहे हैं। ये अडानी है कौन कि इनका नाम सुनते ही आप बौखला जाते हैं?

केंद्र ने बढ़ाई मनरेगा कार्यों में मजदूरी 1 अप्रैल से होंगी नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम यानि मनरेगा के तहत मजदूरी दरों में बढ़ोतरी के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार के अधीन आने वाले केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 24 मार्च को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी दरों में बदलाव के लिए अधिसूचना जारी की है। मालूम हो कि अभी हरियाणा में सबसे अधिक मनरेगा में हर दिन मजदूरी 357 रुपए, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे कम है 221 रुपए मिलते हैं। वहीं सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक अधिसूचना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की धारा 6 (1) के तहत जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि केंद्र अधिसूचना द्वारा मनरेगा लाभार्थियों के लिए मजदूरी दरें तय कर सकता है। वहीं मजदूरी में बढ़ोतरी 7 रुपए से लेकर 26 रुपए तक की गई है जो 1 अप्रैल से लागू होगी। पिछले वर्ष की दरों की तुलना में राजस्थान में मजदूरी में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्थान के लिए संशोधित वेतन 255 रुपए प्रति दिन है, जो 2022-23 में 231 रुपए था। बिहार और झारखंड ने पिछले साल की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल, इन दोनों राज्यों में एक मनरेगा कार्यकर्ता के लिए दैनिक मजदूरी 210 रुपए थी। अब इसे संशोधित कर 228 रुपए कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लिए, जहां सबसे कम दैनिक मजदूरी 221 रुपए है, पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि 17 दर्ज की गई थी। 2022-23 में, दोनों राज्यों में दैनिक वेतन 204 रुपए था। राज्यों के लिए मजदूरी में वृद्धि दो से 10 प्रतिशत के बीच है। सबसे कम प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने वाले राज्यों में कर्नाटक, गोवा, मेघालय और मणिपुर शामिल हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों की गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करना है, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं।

सत्ता में आए तो मुसलमानों का चार फीसदी आरक्षण करेंगे बहाल : कांग्रेस

बेंगलुरु। कांग्रेस ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची में श्रेणी 2बी के तहत मुस्लिमों को मिला आरक्षण खत्म करने के फैसले के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि पार्टी के राज्य में सत्ता में आने पर चार प्रतिशत आरक्षण बहाल किया जाएगा। कांग्रेस ने रविवार को घोषणा की कि वह राज्य में पार्टी के सत्ता में आने पर अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आरक्षण बहाल करेगी। कर्नाटक में मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को फैसला किया था कि वह मुस्लिम समुदाय को 2बी आरक्षण सूची से हटाए जाने के बाद नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दिए गए उक्त चार प्रतिशत आरक्षण को वोक्कालिगा और वीरशैव लिंगायत समुदायों में दो-दो प्रतिशत बांट देगी। सरकार ने मुसलमानों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण में स्थानांतरित कर दिया। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने कदम को *असंवैधानिक* करार दिया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि वे (सरकार) सोचते हैं कि आरक्षण को संपत्ति की तरह वितरित किया जा सकता है। यह संपत्ति नहीं है। यह (अल्पसंख्यकों का) अधिकार है। शिवकुमार ने कहा कि हम नहीं चाहते कि उनके चार प्रतिशत (आरक्षण) को खत्म किया जाए और किसी भी प्रमुख समुदाय को दिया जाए। वे (अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य) हमारे भाई और परिवार के सदस्य हैं। शिवकुमार ने दावा किया कि पूरा वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदाय इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी *अगले 45 दिन* में सत्ता में आ जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसे निरस्त कर देंगे। शिवकुमार ने कहा कि मुसलमानों को ओबीसी सूची से हटाने का कोई आधार नहीं है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग आवाजाही के लिए फिर खुला

जम्मू (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को वाहनों की आवाजाही के लिए दोनों ओर से खोल दिया गया है। रविवार सुबह से छोटे वाहनों को राजमार्ग के दोनों ओर से आने जाने की अनुमति दी गई है। वहीं भारी वाहनों को केवल श्रीनगर से जम्मू जाने की ही इजाजत दी गई है। बता दें कि जम्मू- श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार को भूस्खलन के चलते बंद कर दिया गया था। भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित कैफेटेरिया मोड़ के पास भूस्खलन हुआ था। सीमा सड़क संगठन की मशीनों तथा कर्मचारियों की सहायता से राजमार्ग पर से मलबा साफ करने के बाद रविवार को एक बार फिर आवाजाही के लिए खोल दिया गया। दूसरी ओर राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड अभी भी बर्फबारी के चलते बंद है।

जी-20: पर्यावरण और जलवायु स्थिरता-कार्य समूह की दूसरी बैठक गांधीनगर में आज

गांधीनगर (हि.स.)। भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में सोमवार (27 मार्च) से शुरू होगी। तीन दिवसीय इस बैठक में पर्यावरण, मौसम, आपदा प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण समेत कई मुद्दों पर विचार-विर्मश किया जाएगा। केंद्रीय कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश और भारत की जी-20 समिट के शेरपा अमिताभ कांत इस बैठक का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय जल संसाधन विभाग की विशेष सचिव देबाश्री मुखर्जी के मुताबिक इस बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ और अधिकारी शामिल होंगे, जिसमें विशेष तौर पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की सचिव लीना नंदन, जल शक्ति मंत्रालय की विशेष सचिव देबाश्री, वन समेत कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। बैठक में जल प्रबंधन में श्रेष्ठ प्रेक्टिसेज पर प्रस्तुति दी जाएगी। विद्युत चालित बस में प्रतिनिधिमंडल को अडालज की वाव, साबरमती केनाल साइफन एवं एस्केप स्ट्रक्चर, साबरमती रिवरफ्रंट दिखाया जाएगा। इससे पूर्व, जी-20 ईसीएसडब्ल्यूजी की पहली बैठक विगत 09 से 11 फरवरी तक बेंगलुरू में आयोजित की गई थी। इसमें जी-20 समूह के सभी देशों ने भू-क्षरण को रोकने, ईकोसिस्टम की बहाली में तेजी लाने और समृद्ध करने के तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैव विविधता; एक सतत और जलवायु अनुकूल नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और संसाधन दक्षता तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य की दिशा में रचनात्मक रूप से काम करने के प्रति रुचि एवं प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। गांधीनगर में होने वाली दूसरी ईसीएसडब्ल्यूजी बैठक इन्हीं मायनों में बेहद अहम समझी जा रही है। इसमें पर्यावरण, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन समेत भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही इस बैठक में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन पर फोकस किया जाएगा। इस बैठक में वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों के अलावा भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

मन की बात : देश के विकास में है महिलाओं की अहम भूमिका

नई दिल्ल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 26 मार्च को *मन की बात* के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नारी शक्ति को सराहा। पीएम मोदी ने नारी शक्ति, सौराष्ट्र तमिल संगमम और सियाचीन में तैनात पहली महिला कैप्टन शिवा चौहान का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण की सरहाना करते हुए कहा कि आज, भारत का जो सामर्थ्य नए सिरे से निखरकर सामने आ रहा है, उसमें बहुत बड़ी भूमिका हमारी नारी शक्ति की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने सोशल मीडिया पर, एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव जी को जरुर देखा होगा। सुरेखा जी, एक और कीर्तिमान बनाते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस की भी ...पहली महिला लोको पायलट बन गई हैं। वहीं, पीएम ने यह भी कहा कि इसी महीने, प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा और निर्देशक कार्तिकी गोंजाल्विस उनकी डक्यूमेंट्री *एलिफेंट वीस्पर्स* ने ऑस्कर्स जीतकर देश का नाम रोशन किया है। वहीं पीएम ने नारी शक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि देश ने एक और उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर की साइंटिस्ट ज्योतिर्मयी मोहंती की भी तारीफ की और बताया कि उन्हें रसायन और रसायन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आईयूपीएसी का विशेष अवार्ड मिला है। पीएम ने मन की बात एपिसोड में यह भी कहा कि इस साल की शुरुआत में भारत की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया था। तो वहीं राजनीति में महिलाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति को देखें तो नगालैंड में एक नई शुरुआत हुई है। नगालैंड में 75 साल में पहली बार दो महिला विधायक अपनी जीत के साथ विधानसभा पहुंची हैं।

बिल न चुकाने पर बिजली कर्मचारियों ने बुजुर्ग महिला के कपड़ों का किया बुरा हाल

सागर। सागर में बिजली विभाग की नई कारगुजारी सामने आई है जहां बिल न चुकाए जाने पर बिजली कर्मी बुजुर्ग महिला उपभोक्ता के घर से सामान उठाने पहुंच गए। मामला नगर के कौशल किशोर वार्ड का है जहां कुर्की के आदेश पर अमल करते हुए बिजली कर्मी बुजुर्ग महिला के घर से सामान उठाने आ गए। ऐसे में महिला ने बिजली कर्मियों को ऐसा करने से रोका और बदहवास हालत में जद्दोजहद करती नजर आई। इस दौरान उसके वस्त्र भी अस्त-व्यस्त हो गए। हालांकि, बिजली कर्मचारी भी महिला के आगे सकपका गए और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, बुजुर्ग महिला की बहू रेखा अहिरवार के नाम से बिजली का कनेक्शन है। जिसका बिल करीब 19,473 बकाया है। बिजली विभाग ने कुछ दिन पहले नोटिस भेजा था। जिसके हाज बिजली विभाग ने कुर्की के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल होने पर सभी की संवेदनाएं बुजुर्ग बदहवास महिला की ओर हो गई। कार्रवाई का वीडियो सामने आने पर क्षेत्रीय विधायक हर्ष यादव ने घटना की निंदा की है और इसे बेहद शर्मनाक बताया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने बिजली विभाग के इस कार्रवाई और वीडियो को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्विटर पर ट्वीट कर उन्होंने लिखा कि वसूली के लिए जो इतनी गिर जाए! वो भाजपा बनाम एमपी सरकार निकम्मी है। चौहान शिवराज जी, जंगलराज जैसा वसूली अभियान अराजकता की निशानी है। बेलगाम तंत्र अब महिलाओं का अपमान कर रहा है। नौटंकीबाज बिजली मंत्री से अब तो इस्तीफा ले लीजिए या, खुद थोड़ी शर्म कीजिए। अंधेर नगरी मामा राजा। वहीं बिजली विभाग के अधिकारी मंदीप डिमहा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान बुजुर्ग महिला द्वारा बताया गया कि महिला का बेटा और बहू उसे छोड़कर चले गए है। जबकि बिजली कनेक्शन बहू के नाम पर है। इसलिए महिला का सामान मौके पर ही लौटा दिया गया।

रामसेतु : एससी में एक और याचिका दायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर रामसेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने की मांग की गई है। अधिवक्ता अशोक पांडे द्वारा दायर जनहित याचिका में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मौके पर एक दीवार बनाने की भी मांग की गई है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 20 मार्च को कहा था कि वह रामसेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका को जल्द से जल्द सूचीबद्ध करेगी। दरअसल, रामसेतु भारत के तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पंबन द्वीप से श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट मन्नार द्वीप के बीच तक मौजूद हैं। राज्यसभा के पूर्व सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा कई साल पहले जनहित याचिका दायर की गई थी। उन्होंने रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की है। सुब्रमण्यम स्वामी ने यूपीए-1 सरकार द्वारा शुरू की गई विवादास्पद सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था। हालांकि, 2007 में मामला शीर्ष अदालत में पहुंचा तो रामसेतु पर परियोजना को रोक दिया था। केंद्र ने बाद में कहा था कि उसने परियोजना के सामाजिक-आर्थिक नुकसान पर विचार किया था और राम सेतु को नुकसान पहुंचाए बिना शिपिंग चैनल परियोजना के लिए अन्य मार्ग तलाश करने को तैयार था।

नड्डा ने विधि-विधान से पार्टी के नए भाजपा कार्यालय का किया भूमिपूजन

भोपाल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवरात्रि के पांचवें दिन रविवार को भोपाल में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर पार्टी के नवीन आधुनिक प्रदेश कार्यालय के निर्माण का भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। पूजा में जेपी नड्डा एवं उनकी धर्मपत्नी मल्लिका नड्डा, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान व उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा व उनकी पत्नी स्तुति शर्मा शामिल हुईं। नड्डा ने पांच गेती चलाकर नवीन कार्यालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश सह प्रभारी व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण जटिया, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार खटीक, प्रहलाद पटेल, महाराष्ट्र के प्रभारी जयभान सिंह पवैया, पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, वरिष्ठ नेता प्रभात झा, सांसद राकेश सिंह, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष माखन सिंह चौहान, प्रदेश शासन के मंत्रीगण सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, जिले के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अश्विनी वैष्णव ने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का किया निरीक्षण

जम्मू (हि.स.)। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत चिनाब दरिया पर बन रहे विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री ने पुल पर बिछाई गई पटरी पर ट्रॉली ट्रायल रन का भी रियासी में सफल परीक्षण किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर-जनवरी तक इन पटरियों पर ट्रेनें दौड़ना शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि रेल के माध्यम से देश के अन्य हिस्सों को कश्मीर घाटी के साथ जोड़ने में पुल अहम भूमिका अदा करेगा। इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने चिनाब ब्रिज पर भूमि पूजन भी किया। पुल के निरीक्षण दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि आज एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि चिनाब पुल पर ट्रॉली चलाई गई और कई सुरंगों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। 2014 से पहले ऐसी परियोजनाओं के लिए 700-800 करोड़ रुपए आवंटित किए जाते थे, लेकिन आज इस परियोजना के लिए 6,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उधमपुर-श्रीनगर बारामुला रेल लिंक कुल 272 किलोमीटर लम्बा है। कटड़ा से बनिहाल की दूरी 111 किलोमीटर है। पुल बनाने का काम वर्ष 2004 में शुरू हुआ था। पुल की ऊंचाई दरिया चिनाब से कुल 359 मीटर है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ज्यादा है। पुल की कुल लंबाई 1.3 किलोमीटर है, जिस पर ट्रेन गुजरेगी। अधिकारियों के अनुसार पुल का निर्माण सभी प्रकार की भौगोलिक और तकनीकी परिस्थितियों को ध्यान में रख कर किया जा रहा है। इस पर चलने वाली तेज हवाएं भी असर नहीं करेगी। अत्यधिक तापमान और भूकंप से भी इस पर कोई असर नहीं होगा। रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में परियोजना को प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2014 से इसे बनाने के लिए बजट को छह गुना बढ़ाया गया है।

लोकतंत्र को कमजोर करने वाले सत्याग्रह नहीं कर सकते : आदित्यनाथ

कांग्रेस के सत्याग्रह पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कसा तंज

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया है। योगी ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के सत्याग्रह कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले सत्याग्रह नहीं कर सकते हैं। देश को भाषावाद, क्षेत्रवाद जैसे तमाम वादों में बांटने वाले भी सत्याग्रह नहीं कर सकते। मौन जीवों की बात तो दूर मनुष्य के प्रति भी जिनकी संवेदना न हो, उन्हें सत्याग्रह का अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि गांधीजी ने अपने जीवन में सदैव सत्य, अहिंसा को स्थान दिया था। उनका इस बात के लिए आग्रह था। उनका आग्रह ही

सत्याग्रह कहलाया। उन्होंने कहा कि देश के अंदर बहुत सारे लोगों को शासन करने का अवसर प्राप्त हुआ था, लेकिन मौन जीवों की बात तो दूर मनुष्य के प्रति भी जिनके अंदर भाव न हो, वे क्या सत्याग्रह करेंगे। असत्य के मार्ग पर चलने वाला सत्याग्रह की बात नहीं कर सकता। आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए लोग सत्याग्रह नहीं सकते हैं। योगी ने कांग्रेस नेताओं को उनके आचार और व्यवहार पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिसके आचरण और व्यवहार, आचार और विचार, कथनी और करनी में फर्क होता है, वह सत्याग्रह नहीं कर सकता। अपने देश की निंदा करने वाला, भारत को कटघरे में खड़ा करने वाला और जिसमें देश के बहादुर जवानों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव न हो, वह सत्याग्रह की बात करे तो यह बड़ी विडंबना है।

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे ने वाराणसी के एक होटल में की खुदकुशी

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सारनाथ थाना क्षेत्र के एक होटल में भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय आकांक्षा दुबे एक फिल्म की शूटिंग के लिए पिछले दिनों वाराणसी पहुंचीं थीं। यहां के सारनाथ थाना क्षेत्र के सोमेंद्र होटल में वह ठहरी हुई थीं। तीन-चार दिनों से फिल्म की शूटिंग चल रही थी। रविवार को उन्होंने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। होटल कर्मचारियों की सूचना के बाद पहुंची पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकार सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

माफिया डॉन मुख्तार के बेटे अब्बास और बहू निखत के फाइनेंसर शाहबाज आलम गिरफ्तार

चित्रकूट (हिंस)। मनी लॉड्रिंग मामले में बुंदेलखंड के चित्रकूट जिला कारागार में बंद रहे पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे एवं मऊ से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो से अनधिकृत मुलाकात के मामले में पुलिस ने एक और गुर्गे को गिरफ्तार किया है। वाराणसी जिले से पकड़े गये शाहबाज आलम ने अब्बास-निखत अंसारी को चित्रकूट कारागार में वीवीआईपी सुख-सुविधाएं मुहैया कराने के बदले में जेल अधिकारियों-कर्मचारियों एवं अन्य सहयोगियों को लग्जरी गाड़ियां, आभूषण एवं नगद धनराशि आदि मुहैया कराने के नाम पर छह माह की अवधि में 179 लाख का ट्रांजेक्शन किया है। रविवार को डीआईजी बांदा डॉ. विपिन मिश्रा एवं एसपी चित्रकूट वृंदा शुक्ला ने पत्रकार वार्ता में बताया कि चित्रकूट जिला कारागार में बंद रहे अब्बास अंसारी और उसकी पत्नी निखत बानो की गैर कानूनी मुलाकात मामले की विवेचना के दौरान यह प्रकाश में आया कि

कैंटीन ठेकेदार नवनीत सचान के खाते में अब्बास अंसारी के कहने पर जो रुपए डाले गए थे, उसमें शाहबाज आलम पुत्र शाहिद आलम निवासी अर्दली बाजार थाना कैंट वाराणसी की भूमिका अहम रहीं है। एसपी के अनुसार अब्बास अंसारी का यह गुर्गा वाराणसी में एक सीए के कार्यालय में काम करता है और उसके द्वारा दो बैनामी खाते संचालित किए जा रहे थे। जांच में यह भी पता चला कि नवनीत सचान के खाते में दो लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ। इस मामले में अहम भूमिका पाए जाने पर कर्वी कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र कुमार सिंह, उप निरीक्षक राधेश्याम सिंह, आरक्षी रोहित सिंह और पीयूष शरण श्रीवास्तव ने इसे बनारस से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि इस पूरे मामले में मनी लांड्रिंग का भी मामला सामने आ रहा है। रुपए के लेनदेन में शेल कंपनियों का भी रोल रहा है। एसपी ने बताया कि इन बैनामी खाते के अतिरिक्त कुछ शेल कंपनियां भी पाई गई हैं।

माफिया अतीक का करीबी 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

फतेहपुर (हिंस)। जनपद में शनिवार की आधी रात को पुलिस ने मुठभेड़ में माफिया अतीक अहमद के करीबी 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगने पर पुलिस ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाश से राइफल व जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। खखरेरू थाना पुलिस एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बीती रात 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद दबोचा लिया। वह प्रयागराज के माफिया अतीक अहमद का करीबी बताया जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शातिर अभियुक्त जर्रार कुल्ली गांव के पास मजार में मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए अभियुक्त को पकड़ने की कोशिश की तो उसने रायफल से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में जर्रार के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। जर्रार के खिलाफ हत्या, लूट और डकैती समेत तमाम संगीन धाराओं में 12 से अधिक अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके पास से एनपी बोर की रायफल और कुछ कारतूस भी बरामद की गयी है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में घायल बदमाश जर्रार अहमद, उसके बड़े भाई व उसके पिता का अतीक अहमद के घर आना-जाना था। खखरेरु पुलिस व स्वाट टीम ने आज जिले के खखरेरू थाना क्षेत्र के कुल्ली गांव के जंगल में हुई मुठभेड़ के दौरान जर्रार अहमद को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार करने में कामयाब रही। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले जर्रार अहमद के मकान को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया था, तभी से जर्रार अहमद फरार चल रहा था। पुलिस की कई टीमें लगातार जर्रार की तलाश में छापेमारी कर रही थीं। अब पुलिस ने उसे दबोच लिया है।

खूंटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का संकल्प सत्याग्रह

खूंटी (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को समाहरणालय के समक्ष सत्याग्रह किया और धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि जब तक राहुल गांधी को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक सभी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। इस मौके पर तोरपा विधानसभा प्रभारी नमीता बा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोर्ट ने सजा दी है, राहुल गांधी शहीद होने की कोशिश न करें : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व उत्तर प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने रविवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने उन्हें सजा दी है और राहुल शहीद होने की कोशिश न करें। जनता उन्हें शहीद नहीं मानेगी। भारत की न्यायपालिका स्वतंत्र है। कोर्ट के फैसले के विरुद्ध अपील करने का अधिकार है। सड़क पर क्यों बोल रहे हैं, अपील कर दें। हम भी स्वीकार करेंगे और सरकार भी मानेगी। शहर में आए राज्यसभा सांसद ने नई सड़क गीता मंदिर के पास पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रेडियो पर प्रसारित प्रधानमंत्री मोदी के *मन की बात* कार्यक्रम को सुना। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत भी की। राहुल गांधी से जुड़े सवालों पर वाजपेई ने कहा कि वे आदतन गलती करने के अभ्यासी हैं। राहुल गांधी चंद्रमा पर थूक रहे हैं, कहां गिरेगा, उन्हें पता नहीं है। विदेश

की धरती पर बैठकर उन्होंने भारत माता के प्रति जो विचार प्रकट किया, शायद इससे बड़ा पाप और राष्ट्रविरोधी काम कोई और नहीं हो सकता। वाजपेई ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं किया है, बल्कि देश की पिछड़ी जाति का अपमान करने का कार्य किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान को लेकर पूछे गये सवाल पर कि सांसद ने कहा कि उन्हें भी अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है। शायद उन्हें अपना किया हुआ कोई कर्म याद आ गया है। इस वजह से डर रहे होंगे। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी पार्टियों की एकजुटता के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने विकास कार्यों और देश की जनता पर भरोसा है। ये लोग कितने भी एक हो जाएं, अंत में बिखर जाएंगे। भाजपा का कोई नुकसान होने वाला नहीं है। हम 2024 में बहुमत से सरकार बनाएंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा ने इमरजेंसी लगाकर न्यायपालिका का गला घोटने का काम नहीं किया। य ह काम इंदिरा गांधी ने किया था।

साबरमती जेल से अतीक को लेकर रवाना हुई यूपी पुलिस

प्रयागराज (हिंस)। साबरमती जेल में बंद माफिया अतीक अहमद को लेकर पुलिस उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गई है। उम्मीद यह जताई जा रही है कि सोमवार की रात्रि तक अतीक यूपी आ जाएगा। 28 मार्च को पुलिस अतीक को कोर्ट के समक्ष पेश करेगी। उमेश पाल हत्याकांड में पूछताछ के लिए ही प्रयागराज पुलिस प्रोडक्शन वारंट लेकर रविवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे साबरमती जेल पहुंची। पुलिस ने प्रयागराज कोर्ट का वारंट जमा किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस अतीक को लेकर उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गई है। अतीक को सड़क मार्ग से लाया जा रहा है। 1435 किलोमीटर का सफर तय करना होगा। इसके लिए प्रयागराज लाने का रूट प्लान कर लिया गया है। साबरमती जेल से अतीक को लेकर अहमदाबाद से माउंट आबू, कोटा और ग्वालियर होते हुए प्रयागराज लाया जाएगा। अतीक को लाने के लिए पुलिस की 45 सदस्यीय टीम शामिल है, जिसमें एक आईपीएस तीन डिप्टी एसपी और 40 सिपाही हैं। सुरक्षा में मुस्तैद मात्र पांच अफसरों के पास ही मोबाइल रहेगा बाकि लोगों के मोबाइल जमा कराए गए। साबरमती जेल से लाये जा रहे अतीक को लेकर लोगों को यह डर सता रहा है कि कहीं कानपुर विकरू कांड के मुख्य आरोपित विकास दूबे की तरह अतीक का भी वाहन न पलट जाए। इसको लेकर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक देवेंद्र सिंह चौहान ने बड़ा जवाब दिया है। डीजीपी ने कहा कि हमारी गाड़ियां नहीं पलटतीं केवल अपराधी पलटता है। माफिया अतीक अहमद को गुजरात से यूपी इस लिए लाया जा रहा है क्योंकि उसको एक पुराने मामले में कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि आरोपी को हमें कब और कैसे गिरफ्तार करना है यह हमारी रणनीति का हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में 24 फरवरी को सरेराह उमेश पाल और दो सरकारी गनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना में अतीक अहमद और बरेली जेल में बंद उसके भाई अशरफ के साथ ही पत्नी शाइस्ता परवीन को भी आरोपित बनाया गया है। वहीं, इस हत्याकांड में उसके बेटे असद समेत पांच शूटरों पर पांच लाख का इनाम घोषित है।

सारस के साथ तस्वीर खिंचवाने की तकलीफ है उन्हें : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय पर रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर आरिफ और सारस पक्षी मामले को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा। मैं सारस से मिलने क्यों चला गया, मैंने सारस के साथ तस्वीर क्यों

खिंचवा ली, इस बात की उन्हें (सरकार) तकलीफ है?' अखिलेश यादव ने कहा कि अपने प्रिय जानवर को सभी लोग दाना खिलाते हैं। योगी सरकार जान बचाने वाले को डराना चाहती है। कानून सिर्फ सारस के लिए नहीं, अन्य के लिए भी है। सारस को बचाने वाले आरिफ को सरकार को सम्मानित करना चाहिए था। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य कई मुद्दों पर भी योगी सरकार को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी दल नहीं, न जाने कैसा संगठन है। देश के पढ़े-लिखे जागरूक लोग अगर झूठ को सच मानने लगें, उससे बड़ा खतरा लोकतंत्र के लिए कुछ नहीं। आप(भाजपा सरकार) कहते हो प्रदेश की बेरोजगारी दर 4.2 प्रतिशत है। इसका मतलब सबको नौकरी, रोजगार मिल गया। इतने बड़े पैमाने पर आरक्षण से खिलवाड़ किसी सरकार ने नहीं किया होगा। कानपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति विनय पाठक को बचाने को लेकर क्या-क्या किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बिना जातीय जनगणना के सबका विकास, सबका साथ और सबका विश्वास जीतना बहुत मुश्किल है। इसीलिए समाजवादी पार्टी लगातार जातीय जनगणना की ओर अपना काम करती रहेगी।

राहुल गांधी को देश के पिछड़े वर्ग से माफी मांगनी चाहिए : सुशील मोदी

पटना (हिंस)। भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि राहुल गांधी को पिछड़े वर्ग से माफी मांगना चाहिए। करोड़ों पिछड़ों का अपमान करने वाले लोग सत्याग्रह का नाटक कर रहे हैं। पिछड़ों का अपमान करके सत्याग्रह करने से उनका पाप धुलने वाला नहीं है। उन्होंने रविवार को पटना में प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी को हुई सजा को अधिक बताए जाने पर कहा कि वे कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकते हैं लेकिन ये लोग जज की मंशा पर संदेह पैदा कर रहे हैं। जब यह चुनाव हारते हैं तो ईवीएम को गलत ठहराते हैं, अब सजा को गलत ठहरा रहे। राहुल गांधी को विपक्षी नेताओं के समर्थन पर मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और केजरीवाल जैसे नेताओं ने अगर राहुल गांधी के समर्थन में बयान दिया है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि संपूर्ण विपक्ष एकजुट हो गया है और वे नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर पाएंगे। सुशील मोदी ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी बंगाल दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे? जिस दिन क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस को स्वीकार करेंगी उस दिन उनकी अपनी जमीन खिसक जाएगी। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने प्रेस कांफ्रेंस में जिस तरीके से एक पत्रकार का अपमान किया है, वैसे में पत्रकारों को भी राहुल गांधी का बहिष्कार करना चाहिए।

नाखून कटा कर शहीद हो रही कांग्रेस : गिरिराज

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नाखून कटा कर कांग्रेस शहीद हो रही है। राहुल गांधी ने अहंकार में न्यायालय का अपमान किया है। कांग्रेस नेता सत्याग्रह इसलिए कर हैं कि पिछड़ों को गाली देने का अधिकार मिले। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सिख दंगा के सबसे बड़े दोषी जगदीश टाइटलर दिल्ली में सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे हैं। गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बन गया है। यह राहुल गांधी को अखर रहा है। राहुल गांधी को सावरकर बनने में कई जन्म लग जाएंगे। इस सत्याग्रह से कांग्रेस किसकी सहानुभूति पाना चाहता है? क्या अतिपिछड़ों को गाली देने का सहानुभूति लेंगे या सिखों की हत्या करने का? गिरिराज ने राहुल गांधी के ट्विटर बायो में डिस-क्वालिफाई एमपी लिखे जाने पर कहा कि *मोदी सरनेम* में टिप्पणी किए जाने पर आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराया गया। इसके बाद संसद सदस्य के रूप में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले राहुल ने खुद कहा था कि दुर्भाग्य से वे सांसद हैं। जब वो खुद ही बोल रहे हैं तो हम क्या बोलें। राहुल गांधी के मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी पर भी गिरिराज ने कहा कि नीतीश कुमार अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी नहीं मारेंगे। वह तो खुश हो रहे हैं कि राहुल के जाने के बाद प्रधानमंत्री के पद के लिए उनका मौका आएगा।

उप्र में 15 आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण

लखनऊ (हिंस)। राज्य सरकार ने रविवार को उत्तर प्रदेश में 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। एन रविन्दर अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय बनाए गए हैं। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी किए गए तबादले के क्रम में अमित चंद्रा अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक पीएसी पश्चिमी जोन मुरादाबाद से हटाकर अपर पुलिस महानिदेशक पीटीएस मुरादाबाद बनाया गया है। रामलाल वर्मा को पुलिस महानिरीक्षक ईओडब्ल्यू पश्चिमी के पद पर तैनाती दी गई है। इससे पहले वह पीएसी अनुभाग कानपुर नगर में तैनात थे। अनिल कुमार को पुलिस महानिरीक्षक पीएसी अनुभाग के पद से स्थानांतरण करते हुए पुलिस महानिरीक्षक पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज भेजा गया है। राम कृष्ण भारद्वाज को पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती, जे रविन्दर गौड़ को पुलिस महानिरीक्षक गोरखपुर परिक्षेत्र गोरखपुर सुभाष चन्द्र दुबे को पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं सड़क सुरक्षा उप्र बनाया गया है। अखिलेश कुमार को पुलिस महानिरीक्षक आजमगढ़ परिक्षेत्र आजमगढ़ के पद पर नियुक्ति दी गई है। इसी तरह केशव कुमार चौधरी को अपर पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट आगरा भेजा गया है। अनीस अहमद अंसारी को पुलिस उपमहानिरीक्षक मुख्यालय उप्र बनाया गया है।

चैती छठ का संध्या अर्घ्य आज तथा सुबह अर्घ्य होगा संपन्न : पं. तरुण झा

सहरसा (हिंस)। बिहार में नवरात्र के साथ रामनवी और चैती छठ का महापर्व चल रहा है। इस दौरान चैती छठ के अर्घ्य का समय बताते हुए शहर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा ने आज कहा कि कल 27 मार्च सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके अगले दिन 28 मार्च मंगलवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर यह छठ पर्व संपन्न होगा। हिंदू पंचांग के अनुसार छठ महापर्व साल में दो बार पहला चैत्र और कार्तिक माह में मनाया जाता है। लोक आस्था का महा पर्व छठ मुख्यतौर पर बिहार एवं अन्य प्रांतो में धूमधाम से मनाया जाता है। चैती छठ चार दिन तक चलने वाला त्योहार है। चैती छठ में सूर्य की उपासना की जाती है। यह पर्व चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होता है और सप्तमी को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद समाप्त होता है। संतान के स्वास्थ्य, अच्छे भविष्य और उसकी रक्षा के लिए, महिलाएं चैती छठ पर व्रत रखती है।

लोजपा ने किया कार्यकर्ता सम्मेलन

किशनगंज (हिंस)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष के अध्यक्षता में बहादुरगंज डाक बंगला में कार्यकर्ता सम्मेलन सह बैठक का आयोजन किया गया। सम्मेलन में दर्जनों लोगो ने भाजपा को छोड़ कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिन्हे लोजपा जिलाध्यक्ष हबीबुर रहमान ने माला पहनाकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष हबीबुर रहमान ने बताया की राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के मिशन से प्रभावित होकर सभी लोगो ने पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया है। वही उन्होंने बताया की आगमी तीन महीने तक पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें 1 लाख 75 हजार लोगो को

सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा की जिले के सभी प्रखंडों और वार्ड में सदस्यता अभियान चला कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। मौके पर दलित सेना के जिलाध्यक्ष सोहन लाल दास, युवा जिलाध्यक्ष नीरज सिंह, जिला उपाध्यक्ष तबरेज आलम, वरिष्ठ नेता मुजफ्फर आलम एवं मीडिया प्रभारी मुर्तजा अली कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौरैया दिवस के उपलक्ष्य में घोंसला वितरण कार्यक्रम संपन्न

बगहा (हिंस)। नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वाधान में उसके प्रधान कार्यालय सनफ्लावर चिल्ड्रेंस एकेडमी में गौरैया दिवस के उपलक्ष्य में घोंसला वितरण कार्यक्रम का समापन रविवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार द्वितीय कमान अधिकारी 21 वीं और विशिष्ट अतिथि के रूप में उप कमांडेंट श्री टि.एन.मेनन उपस्थित रहें। मौके पर विश्व में वर्तमान परिपेक्ष में राम और रामायण की क्या भूमिका है, के लिए पत्रकार सह प्रोफेसर अरविंद नाथ तिवारी, को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात उपस्थित पौधा प्रेमियों और गौरैया प्रेमी माधवेंद्र पांडेय, जयप्रकाश वर्मा, संजीव तिवारी, पंचानन सिंह, नीरज मिश्र, अमन यादव, प्रसुन पुष्कर

जैसे लोगों को अंग वस्त्र व घोंसला तथा पौधा देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वितीय कमान अधिकारी अश्विनी कुमार ने कहा कि कंक्रीट के जंगल गौरैया और पक्षियों के लिए घातक है। इसमें टावर के रेडियशन भी बहुत कारगर है। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरक्षण के लिए हमें आगे आना चाहिए और खुले नल को बंद करना चाहिए। पक्षियों को बचाने का उपाय करना चाहिए। अपने से 3 लोगों को प्रेरित करने से यह जन जागरूकता पूरे भारत में फैल जाएगी। बच्चों ने अपने द्वारा गौरैया का संरक्षण बनाकर गौरैया संरक्षण की सीख दिए। उन्हें मेडल देकर के पुरस्कृत किया गया। मौके पर जनार्दन शुक्ल, मनोज पाठक, प्रमोद पाठक, शशिकांत पाठक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नंदलाल प्रसाद, पारसनाथ जयसवाल महिला कार्यक्रम पदाधिकारी, शशि पांडेय और विद्यालय के प्राचार्य आरके पाठक मौजूद रहें।

संपादकीय

गरिमा के साथ मौत!

मौत की सजा पर अमल का सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मंगलवार को इस सवाल पर चर्चा कराने को कहकर ऐसी बहस शुरू कर दी, जिसकी सभ्य समाज में हमेशा जरूरत रहती है। वैसे, यह एक जटिल मसला इस तरह से भी है कि मौत की सजा का तरीका तय करना न्यायपालिका की नहीं विधायिका की जवाबदेही मानी जाती है। शायद, इसीलिए शीर्ष अदालत ने भी साफ किया कि वह इस मामले में कोई आदेश नहीं जारी करने जा रही कि मौत की सजा का कौन सा तरीका तय किया जाए। लेकिन यह सवाल उसके सामने आ गया है, इसलिए यह देखना जरूरी है कि मौत की सजा देने का मौजूदा तरीका कानून और संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं। गले से लटकाकर फांसी देने के मौजूदा तरीके को सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार 1983 में सही बताया था, लेकिन तब से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी प्रगति हो चुकी है, उसके मद्देनजर इस सवाल पर फिर से विचार करना बनता है। दुनिया के अन्य देशों की स्थिति पर नजर डालें तो उधर से भी इस जरूरत की पुष्टि होती है। बल्कि, बहस तो इस बात पर भी है कि मौत की सजा होनी ही क्यों चाहिए। दुनिया के ज्यादातर देश इससे तौबा कर चुके हैं। तर्क यह है कि सजा का मकसद अपराधी को तकलीफ देना नहीं, सुधार का मौका मुहैया कराना होना चाहिए। अगर किसी अपराधी में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही हो और उसके समाज में रहने से अन्य लोगों को खतरा हो तो उसे उसकी जिंदगी के अंतिम पल तक कैद में रखा जा सकता है। बहरहाल, हर देश और समाज अपने हिसाब से तय करता है कि मौत की सजा रखी जाए या नहीं। अपने देश में भी यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही दी जाती है। लेकिन जिन मामलों में भी सजा दी जाए, उनमें इस तरह से दी जाए कि मानवीय गरिमा का किसी भी रूप में उल्लंघन न हो। सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल ने हमारे न्यायतंत्र में निहित इस कसौटी की अनिवार्यता को एक बार फिर रेखांकित किया है। इसका नतीजा चाहे जो भी हो- तमाम पहलुओं से अध्ययन के बाद फांसी की मौजूदा प्रक्रिया को सबसे कम तकलीफदेह माना जाए या फिर किसी अन्य उपाय को- मृत्यु की गरिमा के सिद्धांत की पुष्टि होनी तय है। अगर किसी अन्य उपाय को बेहतर पाया जाता है तो मौजूदा तरीका असंवैधानिक घोषित हो जाएगा। उसके बाद विधायिका नए तरीके की पुष्टि कर सकती है। आज के दौर में जब अपने देश में, कई कारणों से, अपराधियों का सीधे एनकाउंटर कर देने का विमर्श जोर पकड़ता दिख रहा है, उम्मीद की जाए कि शीर्ष अदालत की यह पहल हमें इंसाफ की कसौटियों को लेकर ज्यादा जागरूक बनाएगी।

गले से लटकाकर फांसी देने के मौजूदा तरीके को सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार 1983 में सही बताया था, लेकिन तब से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी प्रगति हो चुकी है, उसके मद्देनजर इस सवाल पर फिर से विचार करना बनता है। दुनिया के अन्य देशों की स्थिति पर नजर डालें तो उधर से भी इस जरूरत की पुष्टि होती है। बल्कि, बहस तो इस बात पर भी है कि मौत की सजा होनी ही क्यों चाहिए। दुनिया के ज्यादातर देश इससे तौबा कर चुके हैं। तर्क यह है कि सजा का मकसद अपराधी को तकलीफ देना नहीं, सुधार का मौका मुहैया कराना होना चाहिए। अगर किसी अपराधी में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही हो और उसके समाज में रहने से अन्य लोगों को खतरा हो तो उसे उसकी जिंदगी के अंतिम पल तक कैद में रखा जा सकता है। बहरहाल, हर देश और समाज अपने हिसाब से तय करता है कि मौत की सजा रखी जाए या नहीं। अपने देश में भी यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही दी जाती है। लेकिन जिन मामलों में भी सजा दी जाए, उनमें इस तरह से दी जाए कि मानवीय गरिमा का किसी भी रूप में उल्लंघन न हो। सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल ने हमारे न्यायतंत्र में निहित इस कसौटी की अनिवार्यता को एक बार फिर रेखांकित किया है।

कुछ अलग

कांग्रेस को कोई समझाये कि राहुल गांधी को सजा मोदी सरकार ने नहीं अदालत ने सुनाई है

क्या आपने कभी देखा है कि अदालत अगर किसी व्यक्ति को किसी मामले में दोषी पाते हुए उसे सजा सुना दे तो दोषी व्यक्ति या उसका समुदाय सड़कों पर हंगामा करने लगे, क्या आपने कभी देखा है कि यदि कोई जाँच एजेंसी या पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाये या जाँच एजेंसी किसी के पास पूछताछ के लिए जाये तो वह व्यक्ति या उसका परिवार सड़क पर हंगामा करने लगता है? नहीं ना। जब देश का आम व्यक्ति कानून का पालन करता है। नोटिस मिलने पर जांच एजेंसी के समक्ष हाजिर होता है। सजा सुनाये जाने पर जेल जाता है या उस फैसले को चुनौती देता है तो वीआईपी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं करता? देश में दशकों तक राज करने वाले गांधी परिवार के राजनीतिक वारिस राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि के मामले में अदालत ने सजा सुनाई तो कांग्रेस देशभर में सड़कों पर हंगामा कर रही है। कांग्रेस को समझ क्यों नहीं आ रहा है कि सजा मोदी सरकार ने नहीं सूरत की एक कोर्ट ने सुनाई है। यही नहीं, जब नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को पटियाला हाउस कोर्ट जाना पड़ा था तब भी कांग्रेस ने ड्रामा कर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह समेत पार्टी के आला नेताओं का सड़कों पर मार्च करा दिया था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया तो कांग्रेसियों ने सड़कों पर जमकर हंगामा काटा। आज जिस तरह से कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेता मार्च निकालते हुए विजय चौक तक पहुँचे और राष्ट्रपति से मुलाकात तथा आगामी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रमों का ऐलान करते हुए मोदी सरकार को कोसा उससे सवाल उठता है कि क्यों कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को देश के कानून से ऊपर मानते हैं। जब दो साल की सजा सुनाये जाने पर कई अन्य सांसदों और विधायकों को संबंधित सदनों की सदस्यता गंवानी पड़ी तो राहुल गांधी को क्यों छूट मिलनी चाहिए? दूसरी ओर, मोदी उपनाम के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को अदालत ने सजा सुनाई तो कांग्रेस ने कह दिया कि हमें पहले से पता था यही होगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी की आवाज दबाने की साजिश हो रही है। क्या कांग्रेस को पता नहीं है कि अदालतों में साजिश नहीं होती बल्कि सुबूतों के आधार पर फैसला सुनाया जाता है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी मामले में जो जांच कमेटी बनाई है वह क्लीन चिट कमेटी है। क्या कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट पर भी विश्वास नहीं है? कांग्रेस नेता जिस तरह भारत के लोकतंत्र, भारत की संसद, जांच एजेंसियों, न्यायपालिका, संवैधानिक संस्थानों और मीडिया पर सवाल उठा कर उन्हें संदेह के घेरे में लाना चाह रहे हैं वह गांधी परिवार की सत्ता लोलुपता को दर्शाता है। लोकसभा चुनाव महज एक साल दूर है इसलिए विपक्ष की बेसब्री बढ़ती जा रही है। कुछ विदेशी एजेंसियों की भारत विरोधी रिपोर्टों को हवा देकर भारत में भुखमरी या हालात खराब होने की बात को प्रचारित किया जा रहा है, विदेशी मीडिया में भारत विरोधी खबरें छपवाई जा रही हैं, विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें की जा रही हैं। यही नहीं, अब तो विपक्ष एक बार फिर ईवीएम के खिलाफ आवाज बुलंद करने जा रहा है। इस क्रम में शरद पवार के घर पर विपक्ष की बैठक में आगे की रणनीति बनी। देखा जाये तो देश में एक चलन-सा बनता जा रहा है कि चुनाव हार जाओ तो ईवीएम पर ठीकरा फोड़ दो जबकि जो भी दल ईवीएम पर सवाल उठाते हैं वह ईवीएम के जरिये ही चुनाव जीतते रहे हैं। विपक्ष को चाहिए कि अपनी नाकामियों के लिए वह देश के तंत्र को दोषी ठहराने की बजाय अपनी कमियों को ईमानदारी से ढूँढ़े और आगे बढ़े। कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को यह भी समझना होगा कि सत्ता के लिए शॉर्टकट रास्ता सफलता नहीं दिलायेगा बल्कि सत्ता से और दूर ले जायेगा।

पाकिस्तान समर्थित इन खालिस्तान समूहों ने भारत के खिलाफ षड़यंत्र तेज कर दिया

खालिस्तान समर्थकों पर आक्रामकता जरूरी

- डॉ. अनिल कुमार निगम

खालिस्तानी समर्थक अपना खुद का झंडा हाथ में लिए हैं। वे राष्ट्रीय ध्वज लिए लोगों पर हमला कर तिरंगा का अपमान भी करते हैं। ध्यातत्व है कि पहले भी ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों का उत्पात देखने को मिल चुका है। ऑस्ट्रेलिया में एक पखवाड़े के अंदर तीन बार हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। खालिस्तानियों ने इन मंदिरों को निशाना बनाकर तोड़-फोड़ की और उनकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे। ऐसी घटनाएं भारत के लिए तो चिंताजनक हैं ही, आस्ट्रेलिया की सरकार के लिए भी एक चुनौती है जिसने कुछ दिन पहले खालिस्तानी तत्वों को काबू करने को लेकर एक अहम सुरक्षा बैठक की थी। ऑस्ट्रेलिया में काफी समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों को समर्थन मिल रहा है।

सात समंदर पार खालिस्तान समर्थित समूहों की बढ़ती गतिविधियां भारत की एकता, अखंडता और शांति व्यवस्था के लिए संकट बनती जा रही हैं। अमेरिका, ब्रिटेन के बाद कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान समर्थित इन खालिस्तान समूहों ने भारत के खिलाफ षड़यंत्र तेज कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरीके से खालिस्तान समर्थकों ने भारतीयों पर हमला और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया, वह हर भारतीय की आन, बान और शान पर न केवल हमला है बल्कि यह भारत की अस्मिता पर आघात है। हालांकि दिल्ली में सिख फॉर जस्टिस रेफरेंडम-2020 और खालिस्तान के देश विरोधी स्लोगन लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ संदिग्धों की पहचान की है। लेकिन सुरसा की मुंह की तरह बढ़ रही इस समस्या के प्रति केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक गंभीर और आक्रामक होने की आवश्यकता है।

विदित है कि ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। खालिस्तान समर्थक समूहों द्वारा ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में राष्ट्रीय ध्वज लेकर जा रहे भारतीयों पर हमला करने का एक वीडियो सामने आ चुका है। खालिस्तानी समर्थक अपना खुद का झंडा हाथ में लिए हैं। वे राष्ट्रीय ध्वज लिए लोगों पर हमला कर तिरंगा का अपमान भी करते हैं। ध्यातत्व है कि पहले भी ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों का उत्पात देखने को मिल चुका है। ऑस्ट्रेलिया में एक पखवाड़े के अंदर तीन बार हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। खालिस्तानियों ने इन मंदिरों को निशाना बनाकर तोड़-फोड़ की और उनकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे। ऐसी घटनाएं भारत के लिए तो चिंताजनक हैं ही, आस्ट्रेलिया की सरकार के लिए भी एक चुनौती है जिसने कुछ दिन पहले खालिस्तानी तत्वों को काबू करने को लेकर एक अहम सुरक्षा बैठक की थी। ऑस्ट्रेलिया में काफी समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों को समर्थन मिल रहा है।

सोशल मीडिया पर उनकी असामाजिक गतिविधियां जोरों पर चल रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित पोस्टर सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से प्रसारित हो रहे हैं। इस तरह के पोस्टर पर सतवंत सिंह और केहर सिंह की तस्वीरें

लगी हैं। सतवंत सिंह वही सुरक्षा कर्मी था जिसने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की थी। केहर सिंह को उनकी हत्या की साजिश के आरोप में फांसी की सजा दी गई थी। कनाडा में भी भारत विरोधी गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय और कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने इन घटनाओं को कनाडा प्रशासन के सामने उठाया और उनसे इन अपराधों में उचित कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों को अब तक समुचित सजा नहीं मिली है। यही कारण है कि विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के लिए एक एडवाइजरी भी जारी की। इसमें कनाडा में रहने वाले भारतीयों को वहां बढ़ रही सांप्रदायिक हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चेताया गया। यही नहीं, अमेरिका में पाकिस्तान समर्थित खालिस्तानी अलगाववादी समूहों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियां चल रही हैं जिस पर भारत ने भी चिंता व्यक्त की है। भारत के हिंदू नेताओं और बड़े राजनेताओं की टारगेट किलिंग की साजिश की खबरें भी आई हैं। खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस तरह की साजिश में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। ज्ञात हुआ है कि आईएसआई ने खालिस्तानी आतंकियों और पंजाब से फरार होकर विदेश में बैठे अपराधी तत्वों के जरिए पंजाब में हिंदू नेताओं को मारने की साजिश रची है।

वास्तविकता तो यह है कि लगभग एक साल से खालिस्तान आंदोलन फिर से चर्चा में आ गया है। पंजाब ने आतंकवाद का अत्यंत डरावना और काला दौर देखा है। वर्ष 1980 और 90 के दशक में पंजाब का प्रशासन और आम जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया था। सुबह घर से निकला व्यक्ति शाम को घर वापस आएगा भी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। पंजाब केसरी अखबार के संपादक लाला जगत नारायण और उनके पुत्र रमेश समेत हजारों लोगों की हत्या कर दी गई थी। सरकार बहुत ही मशक्कत के बाद पंजाब को आतंकवाद से मुक्त करा सकी थी। दिल्ली में सिख फॉर जस्टिस रेफरेंडम 2020 और खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ संदिग्धों की पहचान की है। सुरक्षा एजेंसियों को इस बात की आशंका है कि दिल्ली से जिन संदिग्धों की पहचान हुई है वे सभी स्लीपर सेल हो सकते हैं।

इसी वर्ष जनवरी में दिल्ली के जनकपुरी, तिलक नगर, पश्चिम विहार समेत 12 स्थानों पर खालिस्तान के समर्थन में दीवारों पर लगाए पोस्टर विदेशी साजिश का हिस्सा हैं। पोस्टर लगाने के ही मामले में दिल्ली पुलिस ने हाल में ही एफआईआर दर्ज की थी और कुछ लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस जांच में यह पता चला है कि विदेश में बैठे गुरपंत सिंह पन्नू के इशारे पर दिल्ली में खालिस्तान की एंट्री हुई थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक दोनों को देश की राजधानी दिल्ली में देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई थी। वर्ष 2020-21 किसान आंदोलन के दौरान खालिस्तान समर्थक समूहों द्वारा विदेशी फंडिंग की बात पहले ही साबित हो चुकी है। पिछले एक वर्ष में खालिस्तान को समर्थन देने के मामले में विदेश की धरती पर जिस तरीके से साजिश रची जा रही है, वह अत्यंत गंभीर मामला है।

हालांकि भारत सरकार इसको लेकर आस्ट्रेलिया और कनाडा वार्ता कर रही है पर सरकार को इस मुद्दे को लेकर अधिक आक्रामक होने की आवश्यकता है। जी-20 के माध्यम और अमेरिका सहित यूरोपीय देशों के समक्ष पाकिस्तान को और अधिक एक्पोज करने की आवश्यकता है। भारत कनाडा और आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के साथ ऐसे समझौता करे कि वे अपनी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किसी भी कीमत पर न होने दें। इसके अलावा भारत सरकार पंजाब सहित देश के युवाओं को अधिक से अधिक जागरूक करे कि वे देश की मुख्यधारा के साथ चलें और दिग्भ्रमित होने से बचें। इसी में उनका और देश हित निहित है।

राहुल गांधी के लिए आपदा या अवसर

राहुल गांधी के पास भी आज मौका है, वह विपक्ष को साथ लेकर जनता के बीच जाने की कोशिश कर सकते हैं। उन्हें सीखना चाहिए, आपातकाल के बाद किस तरह विपक्ष एकजुट हुआ था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने बखूबी आंदोलन किया था। ज्यादातर विपक्षी दल उनके साथ खड़े हो गए थे। किसी भी आंदोलन में नागरिक समाज या सिविल सोसायटी का शामिल होना जरूरी होता है। छात्र संगठन, सामाजिक संगठन, बुद्धिजीवी समाज, सभी को साथ लेकर लोकनायक ने बिगुल फूंक दिया था। आठ विपक्षी पार्टियों ने मिलकर जनता पार्टी की रूपरेखा तैयार की थी और कांग्रेस को बुरी तरह से हराकर चुनाव जीतने के बाद ही मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे किया गया था। विपक्ष को एकजुट करने का यही काम बाद में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया था। बोफोर्स मामले पर वह विपक्ष को एकजुट करके जनता के बीच गए थे।

कई बार सियासी आपदा या समस्या ही अवसर में बदल जाती है। क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता का खत्म होना ऐसा ही एक अवसर है? सूरत की अदालत ने मानहानि के एक मामले में दो साल की जो सजा सुनाई है, उसकी वजह से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की संसद सदस्यता का जाना गुरुवार को ही लगभग तय माना जा रहा था। अब कांग्रेस के सामने चुनौती खड़ी हो गई है, लेकिन क्या वह सियासी लाभ के साथ उबर पाएगी? अगर देश के राजनीतिक इतिहास में झांकें, तो ऐसे हालात पहले भी बने हैं। ऐसे मौके आए हैं, जब खुद पर आई राजनीतिक आपदा को नेताओं ने अपने हित में पूरा इस्तेमाल किया। इंदिरा गांधी के समय भी ऐसा हुआ था। अक्तूबर 1977 में उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस पहुंच गई थी। इंदिरा गांधी ने मीडिया के पहुंचने तक पुलिस को उलझाए रखा। खूब राजनीतिक ड्रामा हुआ था। पुलिस जब उन्हें पकड़कर ले गई, तब हरियाणा सीमा पर फिर हंगामा हुआ। इंदिरा गांधी ने सवाल उठा दिए कि दिल्ली में गिरफ्तार किया है, तो हरियाणा नहीं ले जा सकते, दिल्ली में ही रखिए। विवाद करते शाम हो गई। कहने का मतलब है, विषम हालात में भी इंदिरा गांधी ने सियासी लाभ का मौका हाथ से नहीं जाने दिया था। वह प्रधानमंत्री नहीं थीं, तो लोगों ने उन्हें सामाजिक समारोहों में भी बुलाना छोड़ दिया था। वह चिकमगलूर से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। जैसे आज राहुल गांधी की सदस्यता चली गई है, ठीक वैसे ही तब इंदिरा गांधी की सदस्यता भी चली गई थी। मगर विषम हालात में भी इंदिरा गांधी के सियासी तेवर में कमी नहीं आई थी। तब नारा लगता था, एक शेरनी सौ लंगूर, चिकमगलूर चिकमगलूर। जब लोकसभा से उनको निष्कासित किया गया, तब वह भागी नहीं, जनता के बीच गईं। राहुल गांधी के पास भी आज मौका है, वह विपक्ष को साथ लेकर जनता के बीच जाने की कोशिश कर सकते हैं। उन्हें सीखना चाहिए, आपातकाल के बाद किस तरह विपक्ष एकजुट हुआ था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने बखूबी आंदोलन किया था। ज्यादातर विपक्षी दल उनके साथ खड़े हो गए थे। किसी भी आंदोलन में नागरिक समाज या सिविल सोसायटी का शामिल होना जरूरी होता है। छात्र संगठन, सामाजिक संगठन, बुद्धिजीवी समाज, सभी को साथ लेकर लोकनायक ने बिगुल फूंक दिया था। आठ विपक्षी पार्टियों ने मिलकर जनता पार्टी की रूपरेखा तैयार की थी और कांग्रेस को बुरी तरह से हराकर चुनाव जीतने के बाद ही मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे किया गया था। विपक्ष को एकजुट करने का यही काम बाद में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया था। बोफोर्स मामले पर वह विपक्ष को एकजुट करके जनता के बीच गए थे। बोफोर्स पर उन्होंने राजीव गांधी की सरकार को बुरी तरह से निशाने पर ले लिया था। राजीव गांधी के पास 410 सांसद थे, पर जुलाई 1989 में लोकसभा से 12 दलों के 106 सदस्यों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया था। एक तरह से पूरा विपक्ष बोफोर्स मामले में एकजुट हो गया था, तब राजीव गांधी को तीन महीने बाद चुनाव कराने की घोषणा करनी पड़ी थी। लोकसभा चुनाव में अभी साल भर का समय है। क्या कांग्रेस विपक्ष को एकजुट कर सकती है? भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है, विपक्ष क्या इसमें सेंध लगा सकता है? फिलहाल, हकीकत यही है कि विपक्ष ताकतवर नहीं दिखाई पड़ रहा है। बेशक, कांग्रेस अगर अतीत से सीखते हुए प्रयास करती है, तो एक नई स्थिति पैदा होगी। आपातकाल के समय, बोफोर्स के समय और लोकपाल के समय ऐसा हो चुका है। इतना समझ लेना चाहिए कि तमाम आंदोलन नागरिक समाज को साथ लेकर ही हुए हैं, तभी राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव संभव हो सका है।

राहुल गांधी का जो अभी तक नैरेटिव है, उसमें उनका लोगों के पास जाना जरूरी है। लंदन के लोग वोट देने के लिए भारत नहीं आएंगे। विदेश में कुछ भी छपता रहे, भारत की आंतरिक राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? राहुल गांधी को मौका मिला है, पर वह विपक्ष को कैसे एक मंच पर लाएंगे? जब दिल्ली में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई थी, तब कांग्रेस कमोबेश चुप रही थी, लेकिन जब राहुल गांधी को निशाने पर लिया गया है, तब अरविंद केजरीवाल खुलकर कांग्रेस के समर्थन में सामने आ गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे छह दशक से राजनीति में हैं, संसद के दोनों सदनों में नेता रह चुके हैं। सभी दलों के नेताओं के साथ उनका उठना-बैठना है। कांग्रेस चाहे, तो उनका सदुपयोग कर सकती है। चंद्रशेखर राव, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल इत्यादि तमाम विपक्षी नेताओं को साथ लेना चाहिए। विपक्ष मिलकर नहीं चलेगा, इस चुनौती को अस्तित्व की लड़ाई नहीं बनाएगा, तो कामयाबी नहीं मिलेगी। विगत वर्षों में कांग्रेस को अनेक नेता छोड़ गए हैं, उनको भी साथ लेने से राहुल गांधी को मजबूती मिल सकती है। आज राहुल गांधी को लेकर कानूनी बातें भी बहुत हो रही हैं। यह विमर्श का अलग क्षेत्र बना रहेगा। कुल मिलाकर, अगर हम ईमानदारी से देखें, तो राजनीति में आज जो संवाद का स्तर गिरा है, उसके लिए किसी एक व्यक्ति को दोषी ठहराना सही नहीं है। बहुत से ऐसे नारे विगत वर्षों में लगे हैं, जो आपत्तिजनक हैं, पर अदालत या किसी ने उनका संज्ञान नहीं लिया। आज खराब भाषा के लिए व्यक्ति विशेष को दोषी ठहराना अटपटा लगता है। फिर भी ध्यान रहे, कानून उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही काम करता है। जरूरी नहीं कि आगे अदालतों में राहुल गांधी को राहत मिले और उनकी सदस्यता फिर बहाल हो जाए। हम लालू यादव, आजम खान के मामले में देख चुके हैं। ये सब नेता इसी तरह अयोग्य करार दिए गए थे, पर उच्च अदालतों में उन्हें राहत नहीं मिली। आज भले किसी को अच्छा न लगे, पर एक समय इसी देश में नारा लगा था, गली-गली में शोर है, राजीव गांधी चोर है! यह नारा बिना प्रमाण उचित नहीं था, पर तब विपक्ष में ऐसे लोग थे, जो नारा लगा रहे थे। भारतीय राजनीति के लिए यह नया नहीं है। यहां लोग भावनाओं की गिरफ्त में आसानी से आ जाते हैं, लेकिन अंततः लोगों के बीच ही हर नेता, हर पार्टी को जाना पड़ता है।

देश दुनीया से

भारत ने दिखाया भ्रष्टाचार कम करने का रास्ता

दुनिया भर की सरकारों के लिए भ्रष्टाचार व्यापक मुद्दा रहा है। यह ऐसा मसला है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था से अरबों डॉलर निकल जाते हैं। इससे आर्थिक विकास की दर में कमी आती है। लोगों का प्रशासन पर भरोसा घटता है, गरीबी भी बढ़ती है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर कई पहल हुई हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने इसे खत्म करने के वादे भी किए। फिर भी यह समस्या बढ़ती ही जा रही है, लेकिन इधर एक उम्मीद जगी है। एक नई रिसर्च से इसे कम करने का सस्ता उपाय सामने आया है। अगर इसे अपनाया जाए तो कोई देश करोड़ों या अरबों डॉलर की बचत कर सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि भ्रष्टाचार मुश्किल चुनौती है। एक तरफ तो जो अधिकारी रिश्वत लेता है, उसकी आमदनी बढ़ती है। दूसरी तरफ, जो रिश्वत देता है, उसका काम तेजी से होता है या उसे बेहतर सेवा मिलती है। दुनिया भर के नेताओं ने 2016 से 2030 के बीच सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (SDGs) के तहत भ्रष्टाचार में अच्छी-खासी कमी लाने का वादा किया है। इन लक्ष्यों के तहत जो पहल की गई हैं, उसे कई देशों ने मंजूर भी किया है। अफसोस की बात यह है कि भ्रष्टाचार कम करने के वादे ये नेता पूरे नहीं कर रहे हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनैशनल के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर पिछले 10 वर्षों में इस मामले में जरा भी प्रगति नहीं हुई है। यह इंडेक्स 2012 में बना था। तब दुनिया में जितना भ्रष्टाचार था, उतना ही 2021 में भी रहा। अगर यही हाल रहा तो 2030 तक या आगे आने वाले किसी भी वक्त में भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। लोग इससे अनजान नहीं हैं कि भ्रष्टाचार कई रूपों में सामने आता है। इनमें से एक तब होता है, जब सरकार कोई चीज खरीदती है। दुनिया भर में सरकारें 11 लाख करोड़ डॉलर की खरीदारी करती हैं, जो वैश्विक GDP का 12 फीसदी बैठता है। हैरानी की बात यह है कि जहां दुनिया की 50 फीसदी कम समृद्ध आबादी रहती है, उन देशों में सरकारों के कुल खर्च का 50 फीसदी हिस्सा इसी मद में जाता है। सरकार की ओर से खरीद प्रक्रिया को बेहतर बनाने और भ्रष्टाचार कम करने के लिए इंटरनेट की मदद लेनी चाहिए। अगर इस पूरी व्यवस्था को ऑनलाइन कर दिया जाए तो पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार में कमी आएगी। जब खरीदारी की प्रक्रिया ऑनलाइन होती है तो इसके बारे में अधिक कंपनियों को पता चलता है। लिहाजा सरकार को अधिक बोलियां मिलती हैं और अधिक पैसा बर्बाद नहीं होता। इसे भारत के तजुर्बे से समझा जा सकता है। यहां 2016 में सरकार ने ई-मार्केट प्लेस (GeM) की शुरुआत की। इस ऑनलाइन प्लैटफॉर्म को इसलिए लाया गया ताकि इसके जरिये सरकार और पब्लिक सेक्टर की कंपनियां जरूरी वस्तुओं और सेवाओं की खरीदारी कर सकें। GeM का इरादा पारदर्शिता बढ़ाना और सरकारी खरीद प्रक्रिया को समावेशी बनाना है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि 1 फरवरी 2023 तक वित्त वर्ष 2023 में GeM पर हुआ लेन-देन (ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू) 1.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया था, जो कमाल की बात है। वहीं, अगर लॉन्च के बाद से देखें तो इस प्लैटफॉर्म पर हुआ लेन-देन 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इस मंच के जरिये 13 करोड़ से अधिक सौदे हुए हैं, जिनमें 66 हजार सरकारी संस्थानों ने खरीदारी की है और 58 लाख विक्रेताओं और सेवाएं देने वाली कंपनियों की भागीदारी रही है। GeM पर 11,000 तरह की चीजों की कैटिगरी है, जिनमें 29 लाख वस्तुएं शामिल हैं। सेवाओं के मामले में यह संख्या 270 है, जिनके जरिये 2.5 लाख सेवाएं दी जाती हैं। भारत की इस शानदार कामयाबी के बावजूद 40 फीसदी निम्न और निम्न-मध्यमवर्गीय देशों में सरकारी खरीदारी की प्रक्रिया को ऑनलाइन नहीं किया गया है। शोधकर्ताओं ने अलग-अलग दर्जे के देशों में 11 सरकारी ऑनलाइन खरीदारी पहल पर आने वाले खर्च और उसके फायदों का पता लगाया।

एक नई रिसर्च से इसे कम करने का सस्ता उपाय सामने आया है। अगर इसे अपनाया जाए तो कोई देश करोड़ों या अरबों डॉलर की बचत कर सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि भ्रष्टाचार मुश्किल चुनौती है। एक तरफ तो जो अधिकारी रिश्वत लेता है, उसकी आमदनी बढ़ती है। दूसरी तरफ, जो रिश्वत देता है, उसका काम तेजी से होता है या उसे बेहतर सेवा मिलती है। दुनिया भर के नेताओं ने 2016 से 2030 के बीच सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्सके तहत भ्रष्टाचार में अच्छी-खासी कमी लाने का वादा किया है।

नागरिक बोध

अंधविश्वासी सत्य की सीमा से निकलकर असत्य के क्षेत्र में चला जाता है

भारत की जनता ने अनेकों अंधविश्वास पाल रखे है।अंधविश्वास के कारण बनते बनते काम बिगड़ जाते है।मनुष्य इच्छाओं का दास बन गया है। उसकी इच्छाए, कामनाएं, वासनाएं उस पर इतनी अधिक हावी हो गई है कि उनकी पूर्ति के लिए समय, श्रम एवं धन का अपव्यय करने लगा है। इन अंधविश्वासों के चलते देश और समाज का भी भला नही हो सकता है। अंधविश्वास से देश के विकास में व्यक्ति समय, धन और अपनी बुद्धिचातुर्य का योगदान नही कर सकता है।टोन टोटके में उलझकर समय नष्ठ कर देता है। अंधविश्वासों से दूर रहना चाहिए। जब जब समाज का आध्यात्मिक चिंतन कमजोर होता है, तब तब अंधविश्वासो को बल मिलता है। लोग सत्य का पथ भूलकर अंधविश्वास के गहरे गर्त में गिरते चले जाते है। उन्हें धर्माधर्म का बोध नही रह पाता। जिनका मन मजबूत होता है, संकल्पवान है, वह दुविधा की स्थिति में नही रहते है।जो संदेह करते है, वे ही इधर उधर भटकते हुए अपना जीवन नष्ट कर देते है।अंधविश्वास की धूल समाप्त कर जीवन को खुशियों से भरना चाहिए। आज का युग विज्ञान का युग है आज विज्ञान तो हर बात को ज्ञान की कसौटी पर कसकर अपना निर्णय देता है। तब टोने टोटके में अपना जीवन और समय बर्बाद करने की जरूरत नही है। विज्ञान भी अंधविश्वासों को मूर्खतापूर्ण कार्य मानता है। अंधविश्वास को छोड़कर श्रद्धा को डगमगाने नही दे। जब जब हमारी श्रद्धा डगमगाई है, तब तब जीवन मे अनेक प्रकार की विकृतियों में पड़ाव डाला है और मानव का जीवन पूर्णरूप से संकटग्रस्त हो गया है। पढ़े लिखे लोगो की बजाय अनपढ़ लोगो को अंधविश्वास ने बड़ी मजबूती से कस रखा है। कुत्ता कान फड़फड़ाये तो लोग अपशुकन समझ लेते है। बिल्ली रास्ता काट जाये तो लोग अपनी यात्रा स्थगित कर देते है। अंधविश्वास के कारण धर्म का स्वरूप विकृत हो गया है। महर्षि दयानंद सरस्वती अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए कहा है-अज्ञानी लोग सन्निपात, ज्वरादि और उन्मादादि मानसिक रोगों का नाम भूत प्रेतादि रखते है।

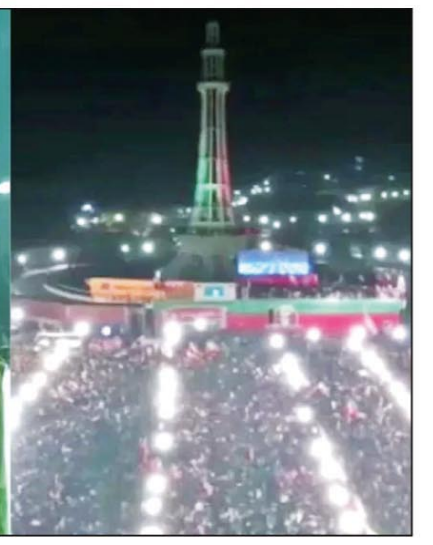

इमरान खान बोले- मैं आतंकवादी नहीं हूं: लाहौर रैली में कहा- शाहबाज सरकार खुद मुजरिमों से भरी, लेकिन मुझ पर आतंक के 40 केस लगाए

लाहौर।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को लाहौर में मीनार-ए-पाकिस्तान पर एक एक बड़ी रैली की। इस दौरान इमरान के हजारों समर्थक जमा हुए। खान ने रैली को एक बुलेट प्रूफ शीशे के पीछे से संबोधित किया। उन्होंने कहा- चुनाव में बराबर मौके का मतलब इमरान खान के हाथ बांधना नहीं है। हमारी पार्टी पर करीब 150 केस लगा दिए गए हैं। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की सरकार हमें दरकिनार करने के लिए ऐसा कर रही है। रैली को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा- ये कैसा लोकतंत्र है जहां पहले मुझे और मेरी पार्टी को साजिश के तहत सत्ता से बाहर निकाल दिया और अब मुझ पर बेवजह टेररिजम के 40 केस लगा दिए गए हैं। नई सरकार मुजरिमों से भरी हुई है। हमें आजादी तभी मिलेगी जब देश में कानून का राज होगा।

जीवन में पहली बार फिलिस्तीनी जैसा महसूस किया - रैली के दौरान इमरान खान ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार वही महसूस किया जो फिलिस्तीन के लोग महसूस करते हैं। इमरान खान ने सवाल पूछते हुए कहा- पुलिस ने मेरे घर पर हमला किया क्योंकि वे मुझे झूठे मामलों में गिरफ्तार करना चाहती थी। पुलिस के साथ झड़प के दौरान लोगों ने मेरा साथ दिया क्योंकि वे जानते थे कि मैं सही हूं। उन्होंने मुझ पर आतंकवाद के 40 मामले दर्ज किए हैं। क्या देश स्वीकार करेगा कि इमरान खान आतंकवादी है

इमरान ने समर्थकों का धन्यवाद किया - इमरान ने रैली में आए अपने समर्थकों और पीटीआई कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा- ये रैली रोकने के लिए सरकार ने हरसंभव कोशिश की। रास्तों पर कंटेनर लगा दिए, जिससे लोग मीनार-ए-पाकिस्तान नहीं पहुंच पाए। लेकिन ये सत्ता में मौजूद लोगों के लिए एक सबक है कि जब देशवासी वास्तव में आजादी चाहते हैं तब कंटेनर भी उन्हें नहीं रोक सकते। पाकिस्तान में चल रहे आर्थिक संकट पर इमरान ने कहा- भारत के मुकाबले हमारी महंगाई दर 5 गुना है। सरकार देश को इस संकट से नहीं बचा सकती और न ही बचाना चाहती है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल की बच्ची की हत्या के दोषी को 100 साल की जेल, झगड़े में चलायी थी गोली

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक 35 वर्षीय व्यक्ति को भारतीय मूल की बच्ची की हत्या के अपराध में 100 साल की सजा सुनाई गई है।

बता दें कि आरोपी ने साल 2021 में अमेरिका के लुइसियाना प्रांत में एक झगड़े के दौरान गोली चलाई थी, जो नजदीक के होटल में खेल रही बच्ची के सिर में जा लगी थी। गोली लगने से बच्ची की मौत हो गई थी, जिस पर अब अदालत ने दोषी को 100 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। भारतीय मूल की बच्ची की हत्या के दोषी जोसफ ली स्मिथ को जनवरी में पांच साल की माया पटेल की मौत का दोषी ठहराया गया था। बता दें कि घटना के वक्त माया पटेल एक होटल के कमरे में खेल रही थी, उसी दौरान एक गोली उसके सिर में आकर लगी। गोली लगने से घायल हुई बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच लड़ने के बाद 23 मार्च 2021 को माया की मौत हो गई। दरअसल होटल सुपर 8 मोटेल की पार्किंग में ही आरोपी जोसफ ली स्मिथ एक अन्य व्यक्ति के साथ झगड़ रहा था। इसी झगड़े में स्मिथ ने गोली चला दी जो उससे झगड़ा करने वाले व्यक्ति को तो नहीं लगी लेकिन पास के ही कमरे में खेल रही माया के सिर में जा लगी। बता दें कि माया के माता-पिता विमल और स्नेहल पटेल ही इस होटल के मालिक हैं और उनका परिवार मोटल के ही ग्राउंड फ्लोर पर रहता है। जिला जज जॉन डी मोसेले ने बच्ची की हत्या के दोषी स्मिथ को 60 साल कड़े श्रम की सजा दी, साथ ही इस दौरान अपराधी को जमानत या पैरोल की सुविधा नहीं मिलेगी। इसके अलावा न्याय को बाधित करने और एक अन्य मामले में 20-20 साल की सजा सुनाई। इस तरह स्मिथ को कुल 100 साल की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका में मालगाड़ी में दम घुटने से दो की मौत: दर्जनों घायलों को फ्लाइट से अस्पताल ले जाया गया, पुलिस को मानव तस्करी की आशंका

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में मालगाड़ी में फंसकर दम घुटने से दो प्रवासियों की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हैं। ये सभी लोग गैर कानूनी तरीके से टेक्सास के उल्वेड इलाके से अमेरिका में एंट्री करने की कोशिश कर रहे थे। घायल लोगों को फ्लाइट से सैन एंटोनिओ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उल्वेड के मेयर डॉन मैकलोफलिन ने बताया कि ट्रेन में कुल 17 लोग फंसे हुए थे। शाम को करीब 4 बजे किसी ने पुलिस को कॉल कर जानकारी दी की ट्रेन की एक बॉगी में कई प्रवासी फंसे हुए हैं। जिसके बाद अमेरिका के बॉर्डर पेट्रोल ने ट्रेन को बीच रास्ते में ही रुकवा लिया। घटना को लेकर पुलिस ने कहा कि हम पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। इसकी जांच की जा रही है कि ट्रेन में प्रवासियों को कहां ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि तत्काल एक्शन लेते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। वहीं, हेलीकॉप्टर उतारने के लिए अमेरिकी राजमार्ग 90 को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि मानव तस्करी की संभावना लग रही है, इसी पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। अमेरिका में इससे पहले भी मानव तस्करी से जुड़े मामले आ चुके हैं। पिछले साल सैन एंटोनियो के बाहरी इलाके में एक ट्रक के जरिये मानव तस्कारी की जा रही थी। ट्रक के पीछे हिस्से में सैकड़ों प्रवासियों को रखा गया था। जिसके बाद ट्रक में दम घुटने से 53 प्रवासियों की मौत हो गई थी। इस मामले में दो लोगों को दोषी ठहराया गया था। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर मौत की सजा सुनाई जाती है।

फ्रांस में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी ब्रिटेन के महाराजा की राजकीय यात्रा स्थगित

पेरिस। फ्रांस में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने के खिलाफ शुक्रवार को भी अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन जारी रहा, जिसके कारण ट्रेन यातायात मंद पड़ गया और मार्सिले के वाणिज्यिक बंदरगाह तक ट्रकों की कतारें लग गईं। प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों ने ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की प्रस्तावित राजकीय यात्रा स्थगित कर दी। वहीं, बृहस्पतिवार को देश में हुए व्यापक प्रदर्शन के कारण मची तबाही सड़कों पर शनिवार को भी नजर आई। पेरिस में और आसपास से बृहस्पतिवार को 450 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने गत दिवस बताया कि मार्च के दौरान हिंसा होने से करीब 441 पुलिस कर्मी व अन्य अधिकारी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले हुए प्रदर्शन में फ्रांस की राजधानी में एक हजार कूड़ेदान में आग लगा दी गई थी।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों के प्रदर्शन पर भारत सख्त

दिल्ली में हाई कमिश्नर तलब, पूछा- पुलिस थी तो मिशन तक कैसे पहुंचे प्रदर्शनकारी

ओटावा।
कनाडा में इंडियन कॉन्स्यूलेट के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के प्रदर्शन पर भारत सरकार ने नई दिल्ली में मौजूद कनाडाई हाई कमिशनर को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने उनसे पूछा- अगर वहां सिक्योरिटी मौजूद थी तो प्रदर्शनकारी मिशन की बिल्डिंग तक कैसे पहुंचे इस लापरवाही पर भारत को सख्त ऐतराज है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- भारत सरकार ने कनाडा से जवाब मांगा है। हमने पूछा है कि पुलिस के मौजूद होते हुए भी खालिस्तानी समर्थक हमारे डिप्लोमैटिक मिशन और कॉन्स्यूलेट तक कैसे पहुंच गए। हमें उम्मीद है कि कनाडा सरकार हमारे डिप्लोमैट्स और मिशन की सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाएगी।

भारत ने कनाडा को याद दिलाया वियना कन्वेंशन - बागची ने कहा- हमने कनाडा की सरकार को वियना कन्वेंशन के तहत उनकी जिम्मेदारियां याद दिलाई हैं। हमने उन्हें ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार करने और उन पर मुकदमा चलाने को कहा है जो पहले से ही ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उम्मीद है कि कनाडा सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी।

19 मार्च को कैंसिल हुआ था इवेंट - दरअसल, 19 मार्च को कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय मिशन के बाहर प्रदर्शन किया था। इसकी वजह से भारतीय हाई कमीशन को अपना एक इवेंट कैंसिल करना पड़ा था। यह कार्यक्रम सरे में ताज पार्क कन्वेंशन सेंटर में कनाडा में भारतीय दूत संजय कुमार वर्मा को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा था। प्रदर्शन के दौरान खालिस्तानी समर्थकों ने एक भारतीय मूल के पत्रकार पर भी हमला किया था।

वॉशिंगटन में प्रदर्शन के दौरान पत्रकार से बदसलूकी - वॉशिंगटन में खालिस्तानी समर्थकों का प्रदर्शन कवर कर रहे एक भारतीय जर्नलिस्ट ललित झा के साथ बदतमीजी की गई। झा ने ट्विटर पर पूरी घटना का विडियो भी शेयर किया, जिसमें खालिस्तानी समर्थक भारत सरकार को गाली देते नजर आ रहे हैं। झा ने बताया कि खालिस्तान समर्थकों ने उनके बाएं कान पर दो छड़ी भी मारीं।

कनाडाई विदेश मंत्री बोलीं- हमारी पंजाब के घटनाक्रम पर नजर - कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा था- हम पंजाब के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स में एक सवाल का जवाब देते हुए मेलानी के कहा- हमें उम्मीद है कि जल्दी ही सब सामान्य हो जाएगा। कनाडा सरकार हमेशा अपने नागरिकों और हर समुदाय के हितों के लिए काम करती रहेगी।

अब जानिए लंदन में क्या हुआ था - खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस कार्रवाई कर रही है। 19 मार्च को इसका विरोध लंदन में मौजूद कुछ खालिस्तान समर्थकों ने किया। खालिस्तानी लंदन में भारतीय हाई कमीशन पहुंचे। पहले तोड़फोड़ की और बाद में यहां लगा तिरंगा उतार दिया। भारत ने इस पर सख्त एतराज जताया। दिल्ली में ब्रिटिश हाई कमिश्नर को तलब किया गया। इस बीच, हाई कमीशन पर अब पहले से ज्यादा बड़ा तिरंगा लगा दिया गया। लंदन में भारत के हाई कमीशन पहुंचे लोगों के हाथ में खालिस्तानी झंडा और अमृतपाल सिंह के पोस्टर थे। पोस्टर्स पर लिखा, फ्री अमृतपाल सिंह (अमृतपाल सिंह को आजाद करो), वी वॉन्ट जस्टिस (हमें न्याय चाहिए) और वी स्टैंड विथ अमृतपाल सिंह (हम अमृतपाल के साथ हैं)। इंडियन डिप्लोमैट्स ने हमले के कुछ ही देर बाद पहले से ज्यादा बड़ा तिरंगा हाई कमीशन पर लगा दिया था। लंदन स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर तिरंगे का अपमान करने वाले खालिस्तानी समर्थक अवतार सिंह खंडा को ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया। खंडा प्रतिबंधित ग्रुप बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सदस्य है। वहीं पंजाब में चल रही जांच में भी सामने आ रहा है कि खंडा ही अमृतपाल का हैंडलर है। रविवार को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में इंडियन कॉन्स्यूलेट के बाहर प्रदर्शन करते खालिस्तान समर्थक।

यूएस में भी इंडियन कॉन्स्यूलेट पर हमला - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन के बाद अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भी इंडियन कॉन्स्यूलेट पर हमला किया गया था। 19 मार्च को यहां भी खालिस्तान समर्थक जुटे। इन लोगों ने स्प्रे पेंट्स से अमृतपाल को रिहा करो.. लिख दिया। इन लोगों ने कॉन्स्यूलेट के गेट तोड़ दिए। वहां खालिस्तान के झंडे लगा दिए। भारतीय अमेरिकियों ने हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इंडियन हाई कमीशन पर विशाल तिरंगा फहराया गया - इससे पहले 22 मार्च को लंदन में इंडियन हाई कमीशन के बाहर फिर 2 हजार से ज्यादा खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था। हालांकि, इस बार लंदन की मेट्रो पुलिस ने यहां सिक्योरिटी के सख्त इंतजाम किए थे। इंडियन हाई-कमीशन की इमारत पर बुधवार को पहले से बड़ा तिरंगा फहराया गया।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने खुद के खिलाफ हो रही जांच की तुलना रूसी हॉरर शो से की, कही ये बात

वॉशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद के खिलाफ हो रही जांच की तुलना रूस के हॉरर शो से की है। ट्रंप ने वाको, टेक्सास में अपनी पहली चुनावी रैली में उनके खिलाफ जांच कर रहे अभियोजक पर हमला किया। कहा कि अगले साल होने वाले राष्ट्रपति के मद्देनजर उनके खिलाफ षडयंत्र किया जा रहा है। ट्रंप ने शनिवार को वाको के हवाईअड्डे पर जुटे अपने समर्थकों से कहा कि उनके चारों ओर घूम रही जांच स्टालिनिस्ट रूस हॉरर शो का हिस्सा लग रहा है। शुरुआत से एक के बाद एक हास्यास्पद जांच करवाई जा रही है। ट्रंप पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, उन्होंने ये बयान दिया। कहा कि साजिश के तहत उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। ट्रम्प ने वैको में शाखा डेविडियंस धार्मिक संप्रदाय पर संघीय एजेंटो द्वारा की गई छापेमारी की 30वीं वर्षगांठ पर ये सम्मेलन आयोजित किया। छापेमारी के दौरान 86 लोग मारे गए थे। इसे दक्षिणपंथी लोगों पर हमला बताया गया था। दरअसल, पोर्न स्टार स्टॉर्मी का आरोप है कि ट्रंप ने नेवादा में एक सेलेब्रिटी गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान उन्हें अपने होटल रूम में बुलाया था। ट्रंप ने स्टॉर्मी को टीवी स्टार बनाने का वादा किया था। स्टॉर्मी के मुताबिक, ट्रंप और उनके बीच यौन संबंध बने थे। हालांकि ट्रंप इस बात से इनकार करते रहे हैं कि उन्होंने स्टॉर्मी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। उनका कहना है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। जुलाई 2007 में स्टॉर्मी डेनियल जब ट्रंप से मिली थीं, तब उनकी उम्र 27 साल थी और ट्रंप की 60 साल। इस मामले पर फेडरल इलेक्शन कमीशन और फेडरल न्यूयॉर्क प्रोसिक्यूटर, दोनों ही गौर कर चुके हैं। हालांकि दोनों ने ही ट्रंप पर कोई एक्शन नहीं लिया था। अब मैनहट्टन की अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से मुख्य गवाह कोहेन होंगे। कोहेन अगस्त 2018 में ही अपना यह अपराध कबूल कर चुके हैं कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उन्होंने फाइनैंशियल गड़बड़ी की थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देने में उन्होंने मदद की थी। यही नहीं, उन्होंने प्लेबॉय की एक पूर्व मॉडल को पैसे देने की बात भी कबूली थी ताकि ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में मदद ली जा सके। कोहेन ने कहा था कि यह सब उन्होंने ट्रंप के कहने पर किया था।

अमेरिका में टॉरनेडो से 26 लोगों की मौत: गोल्फ बॉल जितने बड़े ओले पड़े, फिर तूफान आने की आशंका

मिसिसिपी।
अमेरिका के मिसिसिपी में शुक्रवार देर रात आए टॉरनेडो की चपेट में आने से 26 लोगों की मौत हो गई। इलाके में तेज बारिश के बीच गोल्फ बॉल जितने बड़े ओले गिरे। हजारों लोगों के घरों की बिजली चली गई। शनिवार को इमरजेंसी सर्विसेज ने मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया। हालांकि, टॉरनेडो से तबाह हुई इमारतों में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अधिकारियों से बात करके जल्द से जल्द मदद पहुंचाने के आदेश दिए। इमरजेंसी सर्विसेज ने बताया है कि खतरनाक तूफान के चलते दर्जनों लोग घायल हुए हैं और कई लोग लापता हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। रात को यहां फिर तूफान आने की आशंका है, जिससे करीब 20 लाख लोग खतरे में हैं।

30 हजार फीट तक उड़ा मलबा

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक टॉरनेडो की रफ्तार इतनी तेज थी कि इसकी वजह से मची तबाही में फैला मलबा 30 हजार फीट ऊपर तक उड़ा। टॉरनेडो जमीन पर करीब 1 घंटे तक रहा। मिसिसिपी के मेयर टेट रिव्ज ने बताया कि प्रभावित इलाके मे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सबसे ज्यादा तबाही मिसिसिपी के रोलिंग फॉर्क कस्बे में मची है। यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि टोरनोडे की रफ्तार इतनी तेज थी कि इससे घर की सारी खिड़िकियां टूट गई। आधे से ज्यादा कस्बा पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

लोगों को 2011 के खतरनाक तूफान की याद दिलाई

अमेरिका की इमेरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि तूफान ने 160 किलोमीटर के इलाके में ज्यादा तबाही मचाई है। टॉरनेडो आने से पहले ही कई लोगों ने अपने परिवार को अमेरिका के दूसरे राज्यों में रिश्तेदारों के घर भेज दिया था। इमरजेंसी सर्विसेज ने भी कई लोगों को इलाके से बाहर निकाला था। वहीं, शुक्रवार को आए टॉरनेडो ने लोगों को 2011 के तूफान की याद दिलाई जिसमें 161 लोगों की मौत हो गई थी।

राहुल गांधी का समर्थन कर घिरे अमेरिकी सांसद रो खन्ना, बोले- मेरे दादा की छवि खराब मत करिए

वॉशिंगटन।
भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना राहुल गांधी का समर्थन कर सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। बता दें कि रो खन्ना के राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने पर चिंता जाहिर की थी और कहा था कि यह गांधीवादी विचारधारा और भारतीय मूल्यों से धोखा है। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने रो खन्ना को निशाने पर ले लिया है। बता दें कि रो खन्ना के दादा अमरनाथ विद्यालानकर कांग्रेसी नेता थे और इंदिरा गांधी की सरकार में मंत्री भी रहे। इसे लेकर रो खन्ना को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।

सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आए रो खन्ना - एक यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ऐसा लगता है कि रो खन्ना भूल गए हैं कि अमरनाथ विद्यालानकर (उनके

दादा) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता थे और इंदिरा गांधी सरकार ने जब देश में इमरजेंसी लगाई थी, उस वक्त वह सरकार का हिस्सा थे। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान की गईं ज्यादतियों का विरोध नहीं किया था। फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा कि क्या आपके दादा ने इंदिरा गांधी का इमरजेंसी पर समर्थन नहीं किया था वह हमेशा फासीवादी फैसले के समर्थन में नहीं रहे सोशल मीडिया पर घिरने के बाद रो खन्ना ने सफाई देते हुए ट्वीट किया कि यह दुखद है कि लोग मेरे दादा की छवि को खराब कर रहे हैं, जिन्होंने लाला लाजपत राय के साथ काम किया। वह 31-32 और 41-45 तक जेल में रहे। इंदिरा गांधी के इमरजेंसी के फैसले का विरोध करते हुए उन्हें दो पत्र लिखे और इस फैसले के तुरंत बाद संसद छोड़ दी थी। मुझ पर हमला कर सकते हैं लेकिन भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले नेताओं को निशाना मत बनाइए और तथ्य अहम होते हैं।

रो खन्ना ने किया था राहुल गांधी का समर्थन - बता दें कि साल 2019 के एक मामले में सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि का दोषी मानते हुए बीते गुरुवार को दो साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद जनप्रतिनिधि कानून के तहत दो साल या दो साल से ज्यादा सजा पाए जनप्रतिनिधियों की संसद सदस्यता रद्द होने का प्रावधान है और राहुल गांधी भी इस कानून के चलते अपनी संसद सदस्यता गंवा बैठे।

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

पुतिन बोले- अमेरिका के न्यूक्लियर वेपन कई देशों में मौजूद, अब हम भी यही कर रहे

मॉस्को।
रूस-यूक्रेन जंग के बीच शनिवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा ऐलान किया है। पुतिन ने कहा कि वो बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन तैनात करेंगे। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच पुतिन ने यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने को लेकर वॉर्निंग दी। पुतिन ने कहा- मेरा ये फैसला न्यूक्लियर ट्रीटी का उल्लंघन नहीं करता है। अमेरिका ने भी की देशों में अपने न्यूक्लियर वेपन तैनात कर रखे हैं और हम भी अब ऐसा ही करेंगे।

वहीं अमेरिका ने पुतिन के इस फैसले पर कहा कि फिलहाल इसके कोई संकेत नहीं हैं कि रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेगा। अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी ने कहा- हमें परमाणु हथियार से जुड़ी अपने रणनीति को बदलने का कोई कारण नहीं दिख रहा है। रूस के न्यूक्लियर वेपन इस्तेमाल की भी कोई आशंका नहीं है। हम एक साथ मिलकर रक्षा के लिए खड़े रहेंगे।

रूस ने बेलारूस में तैनात किया इस्कंदर मिसाइल सिस्टम - पुतिन ने कहा- बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने के लिए रूस यहां एक स्पेशल स्टोरेज फैलिसिटी बना रहा है। ये काम जुलाई की शुरुआत तक पूरा होगा। हम पहले ही बेलारूस में कई इस्कंदर मिसाइल सिस्टम भेज चुके हैं, जिसमें न्यूक्लियर वॉरहेड लगाए जा सकते हैं। हम बेलारूस को इन हथियारों का कंट्रोल नहीं देंगे। ये सिर्फ वहां तैनात रहेंगे। हमने बेलारूस के 10 एयरक्राफ्ट को टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन ले जाने के लिए सक्षम बना दिया है। अब अगले महीने से हम पायलट की ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

पुतिन ने कहा- अमेरिका-ब्रिटेन का रवैया देख लिया फैसला - यूक्रेन को हथियार भेज रहे अमेरिका और ब्रिटेन की निंदा करते हुए पुतिन ने कहा- ब्रिटेन जो बारूद-गोले भेज रहा है उसमें

यूरेनियम मौजूद है। इससे पहले उन्होंने मार्च में यूक्रेन को चैलेंजर-2 बैटल टैंक देने की घोषणा की थी। पश्चिम और युरोपीय देश लगातार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहे हैं। उनके इन्हीं फैसलों के चलते मैंने ये कदम उठाया है।

1990 के बाद अब दूसरे देश में परमाणु हथियार भेज रहा रूस - 1990 के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है जब रूस किसी और देश में अपने परमाणु हथियार तैनात करेगा। पुतिन के इस फैसले पर बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा- हमने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इस्कंदर मिसाइल सिस्टम तैनात कर दिए हैं। ये रूस ने करीब 6 महीने पहले बेलारूस को सौंपा था।

क्या होता है टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन - टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन वो हथियार होते हैं जो खास जगहों पर वार करने में सक्षम होते हैं। इनमें कई शहरों को एक साथ उड़ाने की ताकत नहीं होती है। टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन में कम रेंज की मिसाइल, आर्टिलरी शेल्स, जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल और न्यूक्लियर वॉरहेड वाले टॉरपीडो जैसे कई हथियार शामिल होते हैं।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के दोषी को मौत की सजा: कोर्ट ने 12 लाख का जुर्माना भी लगाया, वॉट्सऐप ग्रुप में मैसेज किया था

लाहौर। पाकिस्तान में एक एंटी टेररिज्म कोर्ट ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में ईशनिंदा से जुड़ा कमेंट डालने के आरोप में मुस्लिम शख्स को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 12 लाख (1.2 मिलियन) का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा कि ईशनिंदा मुस्लिम बहुल पाकिस्तान में बेहद संवेदनशील मुद्दा है, जिससे हिंसा भड़क सकती है। सैयद मुहम्मद जीशान को शुक्रवार को पेशावर की कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम और आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दोषी ठहराया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सैयद जकाउल्ला के बेटे सैयद मुहम्मद जीशान को दोषी पाया गया है। उसे मौत की सजा सुनाई गई है, साथ ही उस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। जीशान के वकील इबरार हुसैन ने बताया कि मेरे मुवक्किल पंजाब प्रांत के तालागंग में रहते हैं। उन्होंने दो साल पहले संघीय जांच एजेंसी में एक आवेदन दिया था, जिसमें जीशान पर एक व्हाट्सएप ग्रुप में ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट पोस्ट करने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद जीशान का फोन भी जब्त कर लिया था।

कैप्टन अभिमन्यु ने कार्यकर्ताओं को दिया *अटकना नहीं, भटकना नहीं* का मंत्र

कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर भाजपा बनी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की नीति व रीति से देश का जन-जन वाकिफ है। अपनी रीति व नीति तथा कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर भाजपा आज देश की ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कैप्टन अभिमन्यु नारनौंद विधानसभा क्षेत्र के गांव लोहारी में रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता देशहित में भाजपा के साथ मन से जुड़ा हुआ है और कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि भाजपा केंद्र व हरियाणा में सरकार चला रही है। दूसरी तरफ विपक्षी पार्टियां है, जिनके पास न रीति है और न ही नीति। ये विपक्षी पार्टियां परिवारवाद, जातपात, क्षेत्रवाद की राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रही है, ऐसी पार्टियां देश के विकास के लिए काम कैसे कर सकती है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद ही देश व हरियाणा के पिछड़पेन का मुख्य कारण रहा है लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने इस धारणा को न केवल बदला बल्कि देश को विकास की पटरी पर आगे बढ़ाया। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता देशहित में पूर्ण जिम्मेवारी के साथ जुड़ा है। जब बात देशहित की हो तो भाजपा का कार्यकर्ता एक सैनिक की भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव अभी दूर है लेकिन हमें अपनी मजबूती रखनी है और इस बात पर फोक्स रखना है कि नारनौंद में कमल खिले। भाजपा बड़ा दल है और कार्यकर्ता ये न देखें कि चुनाव कौन लड़ रहा है, सब एकजुट होकर कमल के निशान को विजयी बनाने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां अपना संगठन नहीं बना पा रही है वहीं भारतीय जनता पार्टी मंडल, बूथ व पन्ने तक मजबूत है। ऐसी स्थिति में लगता नहीं कि कोई विपक्षी पार्टी भाजपा का मुकाबला कर पाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को *अटकना नहीं-भटकना नहीं* का मंत्र देते हुए कहा कि इस बात पर गौर करके कार्यकर्ता आगे बढ़ें और यह याद रखें कि हमारी मंजिल केंद्र व हरियाणा में फिर से भाजपा की सरकार बनाने का है।

अमृतपाल प्रकरण : गिरफ्तार 353 लोगों में से 197 को किया रिहा

डीजीपी बोले- किसी बेगुनाह को गिरफ्तार नहीं करेंगे

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने 18 मार्च को *वारिस पंजाब दे* के मुखिया अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई से उपजे हालात के बीच अब तक, शांति भंग और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते गिरफ्तार 353 लोगों में से 197 को रिहा कर दिया है। यह फैसला गिरफ्तार लोगों के मामलों की जांच करने के बाद लिया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान के स्पष्ट निर्देश के बाद डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि राज्य के सभी एसएसपी और पुलिस कमिश्नरों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को परेशान या गिरफ्तार न किया जाए। जांच अधिकारियों और उनके पर्यवेक्षण अधिकारियों को पहले से उपलब्ध सबूतों की जांच करनी चाहिए और गिरफ्तारी से पहले स्वयं की संतुष्टि सुनिश्चित करनी चाहिए। डीजीपी ने कहा कि निवारक धाराओं के तहत गिरफ्तार 353 लोगों के अलावा 40 लोगों को गंभीर आपराधिक गतिविधियों संबंधी धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। सात लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी उपलब्ध सबूतों की जांच कर ठोस आपराधिक अपराधों के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों की स्थिति की समीक्षा करेंगे। डीजीपी ने सभी पंजाबियों से राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने और फर्जी खबरों और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और पूरी तरह से स्थिर है। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह और फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, पंजाब पुलिस ने रविवार को भी फ्लैग मार्च, नाकाबंदी, गश्त और बाजारों व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर उपस्थिति बनाए रखी।

सत्याग्रह पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मधुमक्खियों का हमला

बीकानेर (हिंस)। कांग्रेस के आह्वान पर स्थानीय गांधी पार्क में सत्याग्रह पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इससे वहां भगदड़ मच गई। मधुमखमक्खियों के काटने से कई लोग घायल हुए हैं। रविवार को सत्याग्रह पर राज्य के ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे थे। यह कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द करने के विरोध में सत्याग्रह कर रहे थे। इसी दौरान पास ही पेड़ पर लगा मधुमक्खियों का छत्ता टूट गया और मधुमक्खियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। इस दौरान मधुमक्खियों ने कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं कार्यकर्ताओं को काट लिया, जिससे चलते कई लोग दर्द से कराहते दिखे।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में अंगदान के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

जोधपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 99 वें मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को संबोधित किया और इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य रूप से अंगदान के प्रति जागरूकता लाने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए जोधपुर में महापौर कार्यालय में विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें भाजपा शहर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेचा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कमलेश गोयल, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष शशि प्रकाश, उपमहापौर किशन लड्ढा सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को सुना। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेचा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम के जरिए आमजन को संबोधित करते हैं और विभिन्न समसामयिक विषय पर वह प्रकाश डालते हैं। आज उन्होंने जिस तरह से अंगदान और महिला सशक्तिकरण को लेकर संदेश दिया है उससे कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है और इसके माध्यम से लोगों में जागरूकता भी आई है। महापौर दक्षिण वनीता सेठ ने मन की बात कार्यक्रम को प्रेरणास्पद बताते हुए कहा कि देश के प्रधान सेवक मन की बात कार्यक्रम के हर एपिसोड में एक ज्वलंत विषय पर चर्चा करते हैं और उस के माध्यम से लोगों को का ध्यान भी आकर्षित होता है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के कई उदाहरण पेश किए हैं इससे महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा।इस अवसर पर प्रतिपक्ष नेता लक्ष्मीनारायण सोलंकी, पार्षद अनिल प्रजापत, नरेश सुराणा मीडिया प्रभारी जगदीश धनाडिया सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस से नहीं मिलते विचार, लेकिन राहुल पर एक्शन लोकतंत्र का कत्ल : सुखबीर बादल

अमृतसर (पंजाब)। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एक्शन लोकतंत्र का कत्ल है। कांग्रेस से उनके विचार नहीं मिलते। कांग्रेस ने पंजाबियों पर कई जुल्म किए हैं, बावजूद इसके राहुल गांधी पर की गई कार्रवाई लोकतंत्र के खिलाफ है। इससे जनता में गलत संदेश गया है। सुखबीर बादल अपनी पत्नी सांसद हरसिमरत कौर बादल के साथ रविवार को श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेकने पहुंचे थे। बादल परिवार की ओर से परिवार की सुखशांति के लिए श्री अखंड पाठ साहिब के पाठ की श्रृंखला श्री हरमंदिर साहिब में शुरू की गई है। जिनके पाठ के भोग में वह हिस्सा लेने पहुंचे थे। सुखबीर बादल ने कहा कि ऑपरेशन अमृतपाल के दौरान भगवंत मान सरकार द्वारा पकड़े गए पंजाब के युवाओं के लगभग 100 परिवारों ने कानूनी मदद के लिए अकाली दल की कानूनी टीम से संपर्क किया है। करीब 50 युवाओं को छुढ़ाया भी गया है। मलोट, अजनाला, बरनाला और बाबा बकाला से युवाओं को छुड़वाया गया है। सुखबीर बादल ने कहा कि अगर किसी ने कोई पोस्ट भी साझा की है तो उसे भी अंदर डाला जा रहा है। इस समय माहौल शांत बनाने की जरूरत है। पंजाब पहले ही बहुत बड़े दुख से निकल कर आया है लेकिन बीते छह साल से ऐसा लग रहा है... जैसे पंजाब फिर पीछे की ओर जा रहा है। सुखबीर बादल ने कहा कि भगवंत मान को सरकार चलाना नहीं आ रहा। स्टेज पर परफॉर्मेंस देना और सरकार चलाना अलग-अलग बाते हैं। आम आदमी पार्टी को लगता है कि सरकार बना ली और अब कुछ करने की जरूरत नहीं है। इनके विधायक भी कोई परवाह नहीं करते। फसल खराब होने के बाद मैं प्रदेश में कई स्थानों का दौरा कर चुका हूं लेकिन एक भी आप विधायक किसानों से नहीं मिला। सुखबीर बादल ने कहा कि बीते दिनों पंजाब में तूफान और बवंडर से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। किसानों की 50 से 60 प्रतिशत फसल खराब हो गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान को कम से कम 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए। पहले भी नरमे और धान की फसल खराब हो चुकी है। उनका मुआवजा भी नहीं मिला। भगवंत मान घोषणा कर देते हैं लेकिन पैसे किसानों को नहीं मिलते हैं। सुखबीर ने कहा कि किसानों के पास अब पैसे नहीं हैं। मुआवजे के बाद ही वे अपनी अगली फसल बीज सकेंगे। सरकार को केंद्र से बात करके इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करके फंड लाना चाहिए।

भाजपा के नए अध्यक्ष जोशी संभालेंगे पदभार

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेशााध्यक्ष सांसद सीपी जोशी सोमवार दोपहर 12.15 प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पदभार ग्रहण करेंगे। पदभार ग्रहण समारोह में पार्टी के कई बड़े नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़. सहित पार्टी के अन्य नेताओं को आमंत्रित किया गया है। सांसद सीपी जोशी सुबह 11:30 बजे प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंच जाएंगे और उसके बाद 12:15 बजे विधि विधान से पदभार ग्रहण करेंगे। भाजपा के नए अध्यक्ष सीपी जोशी का दिल्ली से लेकर जयपुर तक कई स्थानों पर कई जगह स्वागत होगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि सीपी जोशी सुबह 7 बजे सड़क मार्ग से दिल्ली से रवाना होंगे, इस दौरान राजस्थान सीमा में प्रवेश करने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से शाहजहांपुर बॉर्डर,

नीमराणा, बहरोड, कोटपूतली, विराट नगर, पावटा, शाहपुरा, चंदवाजी, आमेर और जयपुर शहर में उनके भव्य स्वागत के कार्यक्रम रखे गए हैं। पदभार ग्रहण करने से पहले सीपी जोशी खोले के हनुमान जी, गोविंद देव जी मंदिर और मोती डूंगरी गणेश मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों पर भी जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। उल्लेखनीय है कि भाजपा के नए अध्यक्ष सीपी जोशी भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही वह लगातार दूसरी बार से चित्तौड़गढ़ से लोकसभा के सांसद चुने गए हैं। उन्होंने 2014 में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता गिरिजा व्यास को चुनाव हराया था। उसके बाद 2019 में उन्होंने चित्तौड़गढ़ से लोकसभा का चुनाव जीता। सीपी जोशी को प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष बनाए जाने के पीछे ब्राह्मण मतदाताओं को साधने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। हाल ही में जयपुर में हुए ब्राह्मण महाकुंभ में सांसद सीपी जोशी भी शामिल हुए थे। दिलचस्प बात तो यह है कि भाजपा के अब तक 15 अध्यक्ष रहे हैं जिनमें से 7 ब्राह्मण अध्यक्ष रहे हैं। इनमें हरिशंकर भाभड़ा, भंवरलाल शर्मा, ललित किशोर चतुर्वेदी, महेश शर्मा, रघुवीर कौशल और अरुण चतुर्वेदी प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बने थे।

रेलवे मंत्री ने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का किया निरीक्षण

जम्मू (हिंस)। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत चिनाब दरिया पर बन रहे विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री ने पुल पर बिछाई गई पटरी पर ट्रॉली ट्रायल रन का भी रियासी में सफल परीक्षण किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर-जनवरी तक इन पटरियों पर ट्रेनें दौड़ना शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि रेल के माध्यम से देश के अन्य हिस्सों को कश्मीर घाटी के साथ जोड़ने में पुल अहम भूमिका अदा करेगा। इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने चिनाब ब्रिज पर भूमि पूजन भी किया। पुल के निरीक्षण दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि आज एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि चिनाब पुल पर ट्रॉली चलाई गई और कई सुरंगों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। 2014 से पहले ऐसी परियोजनाओं के लिए 700-800 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते थे, लेकिन आज इस परियोजना के लिए 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उधमपुर-श्रीनगर बारामुला रेल लिंक कुल 272 किलोमीटर लम्बा है। कटड़ा से बनिहाल की दूरी 111 किलोमीटर है। पुल बनाने का काम वर्ष 2004 में शुरू हुआ था। पुल की ऊंचाई दरिया चिनाब से कुल 359 मीटर है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ज्यादा है। पुल की कुल लंबाई 1.3 किलोमीटर है, जिस पर ट्रेन गुजरेगी। अधिकारियों के अनुसार पुल का निर्माण सभी प्रकार की भौगोलिक और तकनीकी परिस्थितियों को ध्यान में रख कर किया जा रहा है। इस पर चलने वाली तेज हवाएं भी असर नहीं करेगी। अत्यधिक तापमान और भूकंप से भी इस पर कोई असर नहीं होगा। रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में परियोजना को प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2014 से इसे बनाने के लिए बजट को छह गुना बढ़ाया गया है।

कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार का प्राइवेट लिमिटेड सिस्टम : अम्मू

सोनीपत (हिंस)। करणी सेना नेता सूरजपाल अम्मू ने रविवार को मोतीलाल नेहरू स्कूल राई में आयोजित सीनियर और जूनियर नेशनल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता राई में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि कांग्रेस पार्टी का सत्याग्रह पर बोले कि कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार का एक प्राइवेट लिमिटेड सिस्टम है, देश के संविधान का मखौल उड़ाते हैं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री के टाइम में कांग्रेस पार्टी थी। अब कांग्रेस पार्टी नहीं बल्कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वाड्रा के परिवार का एक सिस्टम है। ये किसी के लिए हितकारी नहीं हैं। देश और देश के प्रधानमंत्री का अपमान करते हैं। विदेशों में जाकर हिंदुस्तान के बारे में राहुल गांधी किस प्रकार की टिप्पणी करते हैं, लोकतंत्र में ऐसे लोगों की सदस्यता बहुत पहले रद्द की जानी चाहिए थी। अम्मु ने कहा हम कोर्ट का सम्मान करते हैं। प्रदेश भर में सबसे मजबूत संगठन बीजेपी पार्टी का है प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रत्येक 90 विधानसभा में एक समान विकास करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरपंचों को ईटेंडरिंग का सम्मान करना चाहिए इससे तो पारदर्शिता आएगी, ईटेंडरिंग को लेकर शोर मचाने के पीछे उनका स्वार्थ हो सकता है। राई स्पोर्ट्स स्कूल के प्रिंसिपल अशोक मोर व डॉक्टर पायल ने कहा कि सीनियर और जूनियर नेशनल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता राई में हो रही है।

राहुल की सदस्यता रद्द करने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सत्याग्रह

चंडीगढ़ (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के विरोध में रविवार को नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत कांग्रेस के कई नेता सत्याग्रह पर बैठे। कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस नेताओं ने सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक सत्याग्रह किया गया। इस मौके पर पार्टी के तमाम विधायक, पूर्व विधायक एवं पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे और सभी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रजातंत्र में प्रतिशोध की कोई जगह नहीं होती। भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति कर रही है, लेकिन कांग्रेस इसके खिलाफ सत्याग्रह के रास्ते पर संघर्ष करने के लिए तैयार है। हुड्डा ने कहा कि भाजपा-जजपा जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने में लगी है, जबकि उसे आज प्रदेश के हालात पर ध्यान देते हुए जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। आज किसान मंडियों में पोर्टल नहीं चलने और सरसों की खरीद नहीं होने के चलते परेशान हैं। किसान लगातार मौसम की मार झेल रहे हैं।

मूसेवाला के पिता को मिली जान से मारने की धमकी

मानसा (पंजाब)। दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को एक बार फिर ई-मेल से जान मारने की धमकी मिली है। उन्होंने पुलिस को सूचित कर दिया है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्जकर लिया है। बलकौर सिंह ने रविवार को बताया कि राजस्थान से फिर धमकी भरी ई-मेल आई है। इसमें लिखा है कि लॉरेंस का नाम अपने भाषणों में लेना बंद कर दे, अन्यथा जल्द मार दिया जाएगा। इससे पहले भी बलकौर सिंह को धमकी मिल चुकी है। पहले दी गई धमकी में कहा गया था कि उसे 25 अप्रैल से पहले मार दिया जाएगा। बलकौर सिंह ने कहा कि वह क्या गलत कर रहे हैं? क्या उन्हे अपने बेटे का केस नहीं लड़ना चाहिए? उन्होंने कहा कि उन्हें 18, 24 और 27 फरवरी को धमकी दी गई और कहा कि 25 अप्रैल से पहले मार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी सुरक्षा वापस ले और वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। सात मार्च को बलकौर सिंह ने पंजाब विधानसभा के बाहर धरना दिया था और अपने बेटे की हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि विगत 10 महीने में वह कई बार पुलिस और प्रशासन से मिले।

हरियाणा के तीन पूर्व विधायकों समेत कई भाजपा-जजपा नेता कांग्रेस में

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के तीन पूर्व विधायकों समेत दर्जनों की संख्या में भाजपा-जजपा नेताओं ने रविवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। चंडीगढ़ स्थित पार्टी मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान की मौजूदगी में इन नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। रविवार को पार्टी मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक व सोनीपत जेजेपी अध्यक्ष पदम सिंह दहिया, पूर्व विधायक, मंत्री व आम आदमी पार्टी नेता बिजेंद्र कादियान उर्फ बिल्लू और पूर्व विधायक व जेजेपी नेता मूलाराम गुर्जर के साथ रिटायर्ड सेशन जज राकेश यादव, जेजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित बंसल, संजीव बुआना (भाजपा प्रत्याशी 2014, जुलाना), डॉ. कपूर सिंह (संयोजक, उत्तरी जोन, एससी सेल, आप), करतार सिंह सैनी (पूर्व मेंबर, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग) अरविंद शर्मा (पूर्व जिला अध्यक्ष, भाजपा युवा मोर्चा, हिसार), बलबीर सिंह पहल (प्रदेश उपाध्यक्ष, खेल प्रकोष्ठ, जेजेपी), चरण सिंह (इनेलो जिला प्रधान, यमुनानगर), दिलबाग संडिल (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा), मंजू चौधरी (महिला प्रदेश महासचिव, जेजेपी), भाजपा नेता कमलेश सैनी (पूर्व चेयरमैन, मार्केट कमेटी, अटेली), अभय सिंह चौधरी (युवा जिला प्रधान, जेजेपी, महेंद्रगढ़), राजकुमार यादव (पूर्व जिला पार्षद) समेत कई नेता कांग्रेस में शामिल हुए। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा, चौधरी उदयभान और सांसद दीपेंद्र ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। चौधरी उदयभान ने कहा कि प्रदेश का सियासी मौसम बदल चुका है। कांग्रेस के पक्ष में चल रही हवा अब आंधी का रूप ले चुकी है और चुनाव आने तक यह तूफान में तब्दील हो जाएगी। कांग्रेस में शामिल हुए नेताओं का स्वागत करते हुए नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज भाजपा और जजपा में भगदड़ मच चुकी है।

सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का माध्यम बनें कार्यकर्ता : बिप्लब देब

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रदेश प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का माध्यम बनें। उन्होंने पार्टी की योजनाओं तथा सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्य पर भी ध्यान फोकस करने के लिए कहा है। प्रदेश प्रभारी बिपल्ब देब रविवार को हरियाणा निवास पर जिला परिषद का चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर जिला परिषदों का चुनाव लड़ चुके उम्मीदवार शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी देब ने कहा कि चुनाव जीतना और हारना राजनीति में चलता रहता है। हमें लोगों के सुख-दुख में शामिल होकर उनका सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर उन्हें उनका लाभ दिलाने में सहयोग करना चाहिए। हम सबका एक ही लक्ष्य है कि हमें पार्टी के लक्ष्य को प्राप्त करना है, जिसमें जनता की सेवा का भाव निहितार्थ है। बिप्लब देब ने कहा कि हमें अपने बारे में सोचना छोड़कर पहले देश, समाज और फिर पार्टी के बारे में सोचना चाहिए। अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए समाज के प्रथम और अंतिम व्यक्ति के बीच के अंतर को समाप्त करना है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की की राह पर है। भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण हम विश्व की सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के अच्छे कार्यों को आप लोग जनता के बीच लेकर जाएं। प्रदेश प्रभारी बिप्लब ने हरियाणा भवन में पंजाब यूनीवर्सिटी व अन्य कालेजों से आए छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने छात्रों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश प्रथम है। वे सदा समाज और देश के हित के लिए ही सोचते हैं और जो भी काम करते हैं, वह देश हित के लिए करते हैं। युवाओं को प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेते हुए देश और समाज के हित में काम करना चाहिए।

ईसरो ने लॉन्च किए ब्रिटेन के 36 सैटेलाइट: इनका वजन 5805 किलो, इस प्रोजेक्ट में अमेरिका, जापान समेत 6 देशों की कंपनियां

नई दिल्ली।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को ब्रिटेन के 36 सैटेलाइट एक साथ लॉन्च किए। भेजे गए सभी सैटेलाइट का कुल वजन 5805 किलोग्राम है। इस मिशन को वनवेब इंडिया-2 नाम दिया गया है। इनकी लॉन्चिंग सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा के स्पेसपोर्ट से सुबह 9.00 बजे की गई। इसमें ईसरो के 43.5 मीटर लंबे रॉकेट का इस्तेमाल किया गया। ये ईसरो का सबसे भारी रॉकेट है। इसने दूसरे लॉन्चपैड से उड़ान भरी। इस लॉन्च पैड से चंद्रयान-2 मिशन समेत पांच सफल लॉन्चिंग हो चुकी हैं। चंद्रयान-2 मिशन समेत लगातार पांच सफल मिशन लॉन्च किए जा चुके हैं। यह इसकी छठी सफल उड़ान है।

अमेरिका, जापान समेत 6 कंपनियों की हिस्सेदारी - वनवेब के लिए ईसरो की कमर्शियल यूनिट न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड का ये दूसरा मिशन रहा। नेटवर्क एक्सिस एसोसिएटेड लिमिटेड यानी वनवेब संचार कंपनी है। इसमें ब्रिटिश सरकार, भारत की भारती इंटरप्राइजेज, फ्रांस की यूटेलसैट, जापान का सॉफ्टबैंक, अमेरिका के ह्यूज्स नेटवर्क्स और दक्षिण कोरियाई डिफेंस कंपनी हनव्हा की हिस्सेदारी है। ये सैटेलाइट आधारित सेवा मुहैया कराने वाली संचार कंपनी है। इसका मुख्यालय लंदन में है।

कामयाब हुआ तो, हर कोने में स्पेस आधारित ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस होगी - ईसरो ने सोमवार को ट्वीट कर वनवेब इंडिया-2 मिशन की लॉन्चिंग की जानकारी दी थी। वनवेब के 36 सेटेलाइट्स फ्लोरिडा से 16 फरवरी को ही भारत आ गए थे। यह लॉन्चिंग अगर कामयाब होती है, तो वनवेब इंडिया-2 स्पेस में 600 से ज्यादा लोअर अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट्स के कान्स्टलेशन को पूरा कर लेगी। इससे दुनिया के हर कोने में स्पेस आधारित ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस मुहैया कराने की योजना में मदद मिलेगी।

पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा होती है लो अर्थ ऑर्बिट - लो अर्थ ऑर्बिट पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा होती है। इसकी ऊंचाई पृथ्वी के चारों ओर 1600 किमी से 2000 किमी के बीच है। इस ऑर्बिट में किसी ऑब्जेक्ट की गति 27 हजार किलोमीटर प्रति घंटा होती है। यही वजह है कि लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद सैटेलाइट तेजी से मूव करता है और इसे टारगेट करना आसान नहीं होता है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र सरकार ने तय की पान-मसाला और सिगरेट पर जीएसटी सेस की अधिकतम दर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पान मसाला, सिगरेट और तंबाकू के अन्य उत्पादों पर जीएसटी कंपनसेशन सेस की अधिकतम सीमा को तय कर दिया है। इसे अधिकम खदरा मूल्य से भी जोड़ दिया गया है। सेस की अधिकतम दर फाइनेंस बिल 2023 में लाए गए संशोधनों के तहत हुआ है, जिसे लोकसभा में शुक्रवार को पास किया गया है। संशोधन के अनुसार, अब पान मसाला पर अधिकतम जीएसटी कंपनसेशन सेस खुदरा बाजार मूल्य का 51 प्रतिशत होगा। मौजूदा समय में सेस यथामूल्य पर 135 प्रतिशत लगाया जाता है। तंबाकू की दर 4,170 रुपये प्रति हजार स्टिक और 290 प्रतिशत यथामूल्य या प्रति यूनिट खुदरा बिक्री मूल्य का 100 प्रतिशत तय की गई है। अब तक, उच्चतम दर 4,170 रुपये प्रति हजार स्टिक और 290 प्रतिशत यथामूल्य थी। उपकर 28 प्रतिशत की उच्चतम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर के ऊपर और ऊपर लगाया जाता है।

बीएस6-2 इंजन के साथ जल्द लॉन्च होगी महिंद्रा थार: ई-20 फ्यूल पर भी चलेगी यह एसयूवी, डिटेल्स हुईं लीक

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा नए इंजन के साथ थार को भारतीय मार्केट में पेश करने वाली है।

जिसमें कंपनी रियल ड्राइविंग इमिशन नॉर्म्स और फेज-टू के तहत इंजन को अपडेट करेगी। लेकिन, लॉन्च से पहले ही इसकी डिटेल्स लीक हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें फेज-टू मॉडल में नॉर्म्स के तहत पेट्रोल और डीजल वाला इंजन होगा। इसके अलावा कंपनी अपने मौजूदा पोर्टफोलियो को भी अपडेट करने का प्लान बना रही है। जिसमें एसयूवी 300, एसयूवी 700, स्कॉर्पियो, बोलेरो, बोलेरो नियो और मराजो एमपीवी शामिल है। दरअसल 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नए फाइनेंशियल ईयर से देशभर में रियल ड्राइविंग इमिशन नॉर्म्स लागू होने जा रहा है। जिसकी वजह से ऑटोमोबाइल कंपनियां गाड़ियों के इंजन को अपडेट कर रही हैं। इस नॉर्म्स को लागू करने के पीछे सरकार का उद्देश्य गाड़ियों से होने वाले पॉल्युशन को कम करना है। इससे पहले इसी साल जनवरी महीने में कंपनी ने थार एसयूवी के किफायती वैरिएंट को 9.99 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया था। हालांकि अब इसकी कीमत में 50 हजार रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। मौजूदा थार 4×4 मॉडल 2.2 लीटर डीजल इंजन और 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है। जबकि रियर व्हील ड्राइव वैरिएंट थार 1.5 लीटर डीजल इंजन के साथ आती है, जो 117 की पावर और 300 का टॉर्क जेनरेट करती है। हाल ही में कंपनी ने महिंद्रा थार 4वीडी वैरिएंट में दो नए कलर ऑप्शन पेश किए हैं, जो एवरेस्ट व्हाइट और ब्लेजिंग ब्रॉन्ज हैं। यह कलर ऑप्शन अभी तक केवल 2वीडी मॉडल में अवेलेबल थे। अब इस ऑफ-रोडर को 6 कलर ऑप्शन- एवरेस्ट व्हाइट, ब्लेजिंग ब्रोंज, एक्वा मरीन, रेड रेज, नेपोली ब्लैक और गैलेक्सी ग्रे में खरीद सकते हैं।

गैस की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने की तैयारी, सरकार तय कर सकती है अधिकतम कीमत

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतों की सीमा तय करने पर जल्द विचार कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि इसका उद्देश्य सीएनजी और उर्वरक कंपनियों के लिए इनपुट कॉस्ट को नियंत्रण में रखना है। सरकार की ओर से साल में दो बार देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के दाम तय किए जाते हैं, जिसे बाद में गाड़ियों में उपयोग के लिए सीएनजी और घरों एवं उर्वरक कंपनियों में उपयोग होने वाली पीएनजी और एलएनजी में परिवर्तित किया जाता है। केंद्र सरकार द्वारा प्राकृतिक गैस के दाम दो फॉर्मूला से तय किए जाते हैं। पुराने गैस फील्ड जहां से गैस निकालना काफी आसान है, उससे निकलने वाली गैस के दाम अलग होते हैं। वहीं, नए गैस फील्ड जहां से गैस निकालना कठिन है तो उसके दाम अलग तरीके से तय किए जाते हैं। मौजूदा समय में बात करें तो पुराने गैस फील्ड्स से निकलने वाली गैस का दाम 8.57 डॉलर प्रति और नए गैस फील्ड्स से निकलने वाली गैस का दाम 12.46 डॉलर प्रति है।

सोने ने 5 साल में पैसा किया डबल

1 अप्रैल से हॉलमार्किंग जरूरी, 4 तरीकों से निवेश करके कमा सकते हैं मुनाफा

नई दिल्ली।
सोना 5 सालों में 31 हजार से 60 हजार पर पहुंच गया है, यानी इसने पैसे को डबल कर दिया। भोपाल में प्रिंटिंग का बिजनेस करने वाले राहुल सक्सेना ने 5 साल पहले धनतेरस पर सोना खरीदा था। हाल ही में उन्हें पैसों की जरूरत पड़ी तो वो इसे बेचने पहुंच गए। उन्हें वहां पता चला कि जो सोना उनके पास है वो 15 कैरेट की शुद्धता वाला है। जबकि सुनार ने उन्हें 19 कैरेट का कहकर बेचा था। ऐसे में राहुल को नुकसान उठाना पड़ा। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। 1 अप्रैल 23 से हॉलमार्किंग अनिवार्य होने वाली है, यानी ज्वैलर्स सिर्फ हॉलमार्क वाला सोना ही बेच सकेंगे। अब सोने पर 6 अंकों का अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्क कोड लिखा होगा। इससे पता चलेगा कि आप जो सोना खरीद रहे हैं, वह शुद्ध है या नहीं। इसे ट्रेस करना भी आसान होगा। हम आपको बता रहे हैं कि अगर आपको भी सोने में निवेश करना पसंद है तो फिजिकल गोल्ड जैसे ज्वैलरी या सोने के बिस्किट-सिक्कों के अलावा भी कई अन्य तरीकों से आप इसमें पैसा लगा सकते हैं। इसमें आपका पैसा भी पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और पैसों की जरूरत पड़ने पर आप इस पर लोन या इसे आसानी से बेच भी सकेंगे।

■ गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स

सोने को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को गोल्ड ईटीसी कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि गोल्ड ईटीसी का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं, आप इसे सोने की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं। गोल्ड ईटीसी खरीदने के लिए आपके पास एक ट्रेडिंग डीमैट खाता होना चाहिए। इसमें निवेश के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी: खरीदने के लिए आपको डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसमें उपलब्ध गोल्ड ईटीसी के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी।

■ पेमेंट ऐप से भी सोने में निवेश

अब आप अपने स्मार्टफोन से ही डिजिटल गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च करने की भी जरूरत नहीं होती है। आप अपनी सुविधानुसार जितनी कीमत का चाहें, सोना खरीद सकते हैं। यहां तक कि 1 रुपए का भी। यह सुविधा अमेजन-पे, गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और मोबिक्विक जैसे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं। आप 1 रुपए से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसके जरिए आप शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। ज्वेलरी मेकिंग का खर्च नहीं आता है। इससे भी पैसों की बचत होती है। इसे फिजिकल गोल्ड की तरह सुरक्षित रखने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है।

■ सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी अच्छा ऑप्शन

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपए या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड 1 ग्राम सोने का है, तो 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50प्रतिशत का निश्चित ब्याज मिलता है। इसमें निवेश के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी होता है। इसे खरीदना है आसान: गोल्ड बॉन्ड खरीदने के लिए आपको किसी ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसमें एनएसई पर उपलब्ध गोल्ड बॉन्ड के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। इसमें ऑफलाइन भी निवेश किया जा सकता है।

■ फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश यानी ज्वैलरी या सोने के बिस्किट-सिक्के खरीदना। एक्सपर्ट्स ज्वैलरी खरीदने को सोने में निवेश करने का सही तरीका नहीं मानते हैं, क्योंकि इस पर जीएसटी और मेकिंग चार्ज देना पड़ता है। इसीलिए इसमें आपको पहले ही ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। वहीं ज्वैलरी बनवाने पर आप 24 कैरेट सोने में निवेश नहीं करते हैं, क्योंकि 24 कैरेट शुद्धता सोने की ज्वैलरी नहीं बनती है। हालांकि आप सोने के बिस्किट या सिक्के में निवेश कर सकते हैं।

10 सालों में दोगुने से ज्यादा हुई सोने की कीमत - बीते 10 सालों की बात करें तो सोने ने 100प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। मार्च 2013 में सोना 29 हजार रुपए पर था, जो अब 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी मार्च 2022 में इस समय सोना 52 हजार रुपए पर था। यानी सोने ने बीते 1 साल में करीब 15प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोने में सीमित निवेश फायदेमंद - आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि भले ही आपको सोने में निवेश करना पसंद हो तब भी आपको इसमें सीमित निवेश ही करना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार कुल पोर्टफोलियो का सिर्फ 10 से 15प्रतिशत ही सोने में निवेश करना चाहिए।

सॉफ्ट ड्रिंक के बाद होमकेयर सेगमेंट में छिड़ेगा प्राइस वॉर

रिलायंस के प्रोडक्ट 30-35प्रतिशत सस्ते, एचयूएल जैसी कंपनियों को टक्कर देने की तैयारी

मुंबई।
सॉफ्ट ड्रिंक सेगमेंट में प्राइस वॉर छेड़ने के बाद, अब रिलायंस पर्सनल और होमकेयर सेगमेंट में प्राइस वॉर छेड़ने को तैयार है। वो इस सेगमेंट में 30-35प्रतिशत के डिस्काउंट पर प्रोडक्ट ऑफर कर रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रिलायंस की एफएमसीजी के पर्सनल और होम केयर सेगमेंट में एंट्री से इस सेगमेंट में भी प्रोडक्ट्स के प्राइस कम करने की होड़ शुरू हो सकती है।

कम दाम वाले प्रोडक्ट से लोग होंगे अट्रैक्ट - एक्सपर्ट के मुताबिक, कम दाम के कारण रिलायंस के प्रोडक्ट्स लोगों को अट्रैक्ट करेंगे। ये प्रोडक्ट्स अभी सिर्फ चुनिंदा बाजारों में ही अवेलेबल हैं, लेकिन कंपनी पैन-इंडिया बेसिस पर अपना डीलर नेटवर्क बना रही है। 110 बिलियन डॉलर के (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) सेगमेंट में रिलायंस एक बड़ा प्लेयर बनना चाहती है। अभी इस सेगमेंट में हिंदुस्तान यूनिलीवर रेकिट और नेस्ले जैसे बड़े प्लेयर्स अपनी धाक जमाए हुए हैं।

रिलायंस के साबुन की कीमत 25 रुपए - रिलायंस ने अपने ग्लिमर ब्यूटी सोप, गेट रियल नेचुरल सोप और प्यूरिक हाइजीन सोप की कीमत 25 रुपए रखी है, जो लक्स (100 ग्राम-35), डेटॉल (75 ग्राम-40) और संतूर (100 ग्राम-34) जैसे बड़े ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स की तुलना में बहुत कम है। वहीं एन्जो 2 लीटर फ्रंट लोड और टॉप लोड लिक्विड डिटर्जेंट की कीमत 250 रखी है। यह 325 की कीमत वाले सर्फ एक्सेल मैटिक के 2-लीटर पैक की तुलना में काफी कम है।

डिश वॉश सेगमेंट में बार पेश किए - रिलायंस ने डिश वॉश सेगमेंट में 5, 10 और 15 के बार (साबुन) के साथ शुरुआत की है। इसके अलावा कंपनी ने लिक्विड जेल पैक्स भी लॉन्च किए हैं, जिनकी कीमत 10, 30 और 45 रखी है। रिलायंस डिश वॉश सेगमेंट में एचयूएल के विम, ज्योति लैब के एक्सो और प्रिल के साथ कॉम्पिट कर रही है। कंपनी ने इस कैटेगरी में 1 का लिक्विड जेल पाउच भी पेश किया है।

इन्फोसिस और टीसीएस ने कराया निवेशकों का 46 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान, इन कंपनियों में हुआ फायदा

नई दिल्ली।
भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता नुकसान वाला रहा। टॉप 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 86, 447.12 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया। इसमें से सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस और टीसीएस को हुआ है। इस दौरान बाजार में भी गिरावट का ट्रेंड देखा गया। बीएसई के सूचकांक सेंसेक्स में 462.8 अंकों या 0.79 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली और इस कारण सेंसेक्स 57,527. 10 अंक पर बंद हुआ। इन्फोसिस और टीसीएस के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नुकसान हुआ है। आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, आईटीसी, एचडीएफसी और भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में इजाफा हुआ है।

किस कंपनी को हुआ कितना नुकसान - इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 25,217.2 करोड़ रुपये घटकर 5,72,687.97 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 21,062.08 करोड़ रुपये गिरकर 4,51,228.38 करोड़ रुपये, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 21,039.55 करोड़ रुपये घटकर 11,42,154.59 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 13,226.53 करोड़ रुपये घटकर 14,90,775.40 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 5,901.76 करोड़ रुपये घटकर 8,71,416.33 करोड़ रुपये रह गया।

किस कंपनी को हुआ कितना फायदा - आईसीआईसीआई बैंक 10,905.18 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन 5,94,888.25 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7,542.19 करोड़ रुपये बढ़कर 5,82,816.11 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 3,664.01 करोड़ रुपये बढ़कर 4,70,360.22 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का एमकैप 2,787.57 करोड़ रुपये बढ़कर 4,24,964.64 करोड़ रुपये और एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 384.89 करोड़ रुपये बढ़कर 4,69,845.34 करोड़ रुपये हो गया।

टैक्स सेविंग के लिए 1 हफ्ते से कम का समय: पीपीएफ और टाइम डिपॉजिट सहित पोस्ट ऑफिस की इन 5 स्कीम्स में कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 खत्म होने में अब 1 हफ्ते से भी कम का समय बचा है। ऐसे में अगर आपने अब तक टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट नहीं किया है तो 31 मार्च से पहले कर दें। पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट और सुकन्या स्कीम सहित पोस्ट ऑफिस की ऐसी 5 स्कीम्स हैं जिनमें निवेश करके आप टैक्स बचाने के साथ ही अच्छा रिटर्न भी पा सकेंगे। हम आपको इस स्कीम्स के बारे बता रहे हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम - योजना में सालाना 8प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है। 60 साल या उससे अधिक आयु के बाद अकाउंट खोला जा सकता है। वीआरएस लेने वाला व्यक्ति जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है। स्कीम के तहत 5 साल के लिए पैसा निवेश किया जा सकता है। मैच्योरिटी के बाद इस स्कीम को 3 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। योजना के तहत आप अधिकतम 15 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना - इसके तहत अकाउंट किसी बच्ची के जन्म लेने के बाद 10 साल की उम्र से पहले ही खोला जा सकता है। आप केवल 250 रुपए में ये खाता खुलवा सकते हैं। इसमें सालाना 7.6प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए जमा कराए जा सकते हैं। अकाउंट किसी पोस्ट ऑफिस या बैंक की अधिकृत शाखा में खोला जा सकता है।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड - पोस्ट ऑफिस पब्लिक प्रॉविडेंट फंड खातों में जमा राशि पर फिलहाल 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। जमा पर ब्याज कैलकुलेशन सालाना आधार पर किया जाता हैं, जिसका अर्थ है कि इसे हर साल मूलधन में जोड़ा जाता है। पीपीएफ छूट की ईईई कैटेगरी के अंतर्गत आता है। इसका मतलब यह है कि रिटर्न, मैच्योरिटी राशि और ब्याज से इनकम पर इनकम टैक्स छूट मिलती है। यह अकाउंट 15 साल के लिए खोल सकते हैं, जिसे आगे 5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। पीपीएफ में मिनिमम 500 रुपए से अकाउंट खुलवाया जा सकता है। इसमें एक फाइनेंशियल में कम से कम 500 रुपए निवेश करना जरूरी है। इस स्कीम के तहत आप एक साल में अकाउंट में अधिकतम 1.5 लाख रुपए निवेश कर सकते हैं।

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट - पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में निवेश पर 7प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें ब्याज की गणना सालाना आधार पर होती है, लेकिन ब्याज की राशि निवेश की अवधि होने पर ही दी जाती है।

ट्विटर एम्प्लॉइज को मिलेगा स्टॉक ग्रांट

मस्क इसे 20 बिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर देंगे, कंपनी में अभी करीब 2000 कर्मचारी

वॉशिंगटन।
ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने अपने एम्प्लॉइज को 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रुपए) के वैल्यूएशन पर स्टॉक ग्रांट देने का ऐलान किया है। मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण 44 बिलियन डॉलर (करीब 3.6 बिलियन डॉलर) में किया था। यानी मस्क जिस वैल्यूएशन पर अपने कर्मचारियों को स्टॉक ऑप्शन दे रहे हैं वो वैल्यूएशन अधिग्रहण के वैल्यूएशन से करीब आधा है।

इनफॉर्मेशन ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बताता है कि डील के बाद से ट्विटर की वैल्यू कितनी गिर गई है। वहीं मस्क ने ईमेल में कहा की वो सोशल-मीडिया कंपनी के भविष्य को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा, मुझे एक स्पष्ट, लेकिन कठिन, 250 बिलियन डॉलर से ज्यादा के वैल्यूएशन का रास्ता दिखाई देता है। यानी अभी दिया गया स्टॉक ग्रांट आने वाले समय में 10 गुना हो जाएगा।

2021 में 630 मिलियन डॉलर खर्च किए थे - ट्विटर ने 2021 में स्टॉक-ऑप्शन बेस्ड कंपनसेशन पर लगभग 630 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। इसमें 7,500 से अधिक कर्मचारी थे और अब, छंटनी के कई राउंड में हजारों कर्मचारियों को निकाले जाने के बाद कंपनी में लगभग 2,000 कर्मचारी रह गए हैं। मस्क के ट्विटर मॉनेटाइजेशन के प्रयासों के बावजूद, माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने दिसंबर 2022 के लिए रेवेन्यू और एडजस्टेड अर्निंग में 40प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की है।

क्या होता है स्टॉक ग्रांट - स्टॉक ग्रांट किसी भी कंपनी के कर्मचारियों को एक स्पेसिफिक सेट पीरियड के लिए दिया जाता हैं। स्टॉक ग्रांट रिसीव करने वाले कर्मचारी एक निश्चित अवधि तक अपने शेयर नहीं बेच सकते। इस पीरियड को वेस्टिंग पीरियड कहा जाता है। कर्मचारियों को एक स्पेसिफिक टाइम तक रोकने के लिए कंपनियां स्टॉक ग्रांट देती है। अगर कोई कर्मचारी स्टॉक ग्रांट के वेस्टिंग पीरियड तक कंपनी में नहीं रुकता तो उसे इसका फायदा नहीं मिलता।

ट्विटर को प्रॉफिट में लाने के लिए सब्सक्रिप्शन सर्विस - एलन मस्क ने ट्विटर को प्रॉफिट में लाने के लिए सब्सक्रिप्शन पर जाने का फैसला किया है। उन्होंने ट्विटर ब्लू को दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में लॉन्च कर दिया है। भारत में एंड्रॉयड और आईओएस मोबाइल यूजर्स को ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए 900 रुपए प्रति महीना चुकाना पड़ता है। वेब यूजर्स को ब्लू सब्सक्रिप्शन 650 रुपए में मिलता है।

शेयर बाजार में 1 अप्रैल से व्यापार करना होगा महंगा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में अब कारोबारियों के लिए फ्यूचर्स और ऑप्शन में व्यापार करना महंगा होने वाला है क्योंकि सरकार ने वित्तीय बिल 2023 में फ्यूचर्स और विकल्प की बिक्री पर लगने वाले सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ा दिया है। इसके बाद कारोबारियो के लिए शेयर बाजार में फ्यूचर्स और ऑप्शन बेचना महंगा हो जाएगा। वित्तीय बिल 2023 में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स 0.05 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.062 प्रतिशत कर दिया गया है। इस तरह एसटीटी में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यानी कि 100 रुपए पर 5 पैसे लगने वाला एसटीटी पर 6.2 पैसे लगेगा। उदाहरण के लिए अगर किसी ट्रेडर का फ्यूचर्स और ऑप्शन का टर्नओवर एक करोड़ रुपए है, तो उसे 5,000 रुपए की जगह 6,250 रुपए एसटीटी चुकानी होगी। वित्तीय बिल 2023 बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया था। इस बिल के तहत होने वाले बदलाव एक अप्रैल से लागू हो जाएगे। आने वाले महीने से कारोबारियों को 0.05 प्रतिशत की जगह 0.625 प्रतिशत एसटीटी चुकानी होगी।

सौंदर्य टिप्स

ये 5 टिप्स हमेशा के लिए खत्म कर देंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे काले घेरे आपका पूरा लुक खराब कर देते हैं. स्ट्रेस, कम नींद, धूप में बिना चश्मे के निकलना, एजिंग और जेनेटिक ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से डार्क सर्कल्स होते हैं. इन्हें ठीक करने के लिए आपने कई नुस्खे आज़माएं होंगे, लेकिन यहां आपको वो कारगर तरीके बता रहे हैं जिन्हें आज़मा कर आपकी आंखो के काले धब्बे हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे.

1. आई पैक

आलू को कद्दूकस कर इसका जूस निकालें और इसमें रूई को डिबोकर आंखों पर रखें. इसके अलावा आप ग्रीन टी बैग्स को आंखों पर रख सकते हैं. इसके लिए गरम पानी में ग्रीन टी बैग्स को एक बार डालें, फिर इन्हें फ्रिज़ में 20 मिनट के लिए रख दें. इन ठंडे टी बैग्स को रात को सोते समय आंखों पर रखें और रिलैक्स करें.

2. सनस्क्रीन लगाएं

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए सबसे ज़रूरी है कि धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाकर निकलें. आंखों पर डाइरेक्ट धूप लगने से मेलनिन प्रोडक्शन में बढ़ावा होता है, जो आंखों की आस-पास वाली स्किन को काली बनाती है. इसीलिए ज़रूरी है कि ज़िंक ऑक्साइड और टाइटैनियम डाइक्सॉइड से भरपूर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें.

3. आई मसाज

रोज़ाना रात को सोने से पहले दो बूंद बादाम का तेल लें और इससे हल्के हाथों से आंखों की मसाज करें. मसाज हमेशा हाथों की बीच की दो अंगुलियों से ही करें.

4. आंखों को धोएं

रोज़ाना घर पहुंचते ही हाथ-मुंह धोने के साथ-साथ आंखों को भी धोएं. सबसे पहले गुनगुने पानी से आंखों को क्लीन करें और फिर ठंडा पानी आंखों पर मारें. इससे आंखों की दिनभर की थकान कम होगी और ब्लड फ्लो बेहतर होगा.

5. ज़रूरी टिप्स

दिन भर में 8 से 10 लीटर पानी पिएं. 7 से 8 घंटे की नींद लें. आंखों को कभी भी टाइट ना रगड़ें. अगर आई साइट वीक है तो चश्मा लगाकर काम करें और आई मसल्स वीक हैं तो एंटी-ग्लेयर लगाकर काम करें. 1 घंटे से ज़्यादा टीवी ना देखें. स्मोकिंग से बचें और स्ट्रेस कम लें. क्योंकि चिंता सबसे पहले आंखों के नीचे काले घेरे लेकर आती है.

हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है गाय का दूध

गाय का दूध सेहत के लिहाज से बेहद स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। गाय का दूध प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत होता है।

इसके अलावा इसमें विटमिन बी 2 और विटमिन बी 12 भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। ये दोनों विटमिन शरीर को ऊर्जान्वित रखने में मदद करते हैं। शरीर में मसल्स और ऊतकों के निर्माण में भी यह बेहद लाभदायक होता है।

यह कैंसर, एचआईवी, दिल संबंधी बीमारियां, हाई ब्लडप्रेशर और माइग्रेन जैसी समस्याओं से बचाव करने में भी सक्षम है। शरीर को संपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करने वाले इस दूध के और भी बहुत सारे फायदे होते हैं। तो चलिए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता

गाय के दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ विटमिन ई, सेलेनियम, जिंक आदि भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा रोग में लाभकारी

गाय का दूध त्वचा के रोमछिद्रों को सिकोड़कर छोटा कर देता है। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या से निजात मिलती है। रूखी और बेजान त्वचा के लिए भी गाय का दूध काफी लाभदायक होता है।

वजन कम करने में उपयोगी

गाय का दूध पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन भी होता है जो वर्कआउट के लिए आपको पर्याप्त ऊर्जा मुहैया कराता है।

दिमाग-आंखों के लिए फायदेमंद

बच्चों के दिमाग का विकास करने के लिए उन्हें नियमित रूप से गाय का दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा इस दूध में पाया जाने वाला कैरोटिन आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।

जानिए संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में

सर्दियां आते ही बाज़ार में आ जाते हैं ताज़े संतरे. जिसे आप और हम कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं. कोई सुबह जूस की तरह पीता है तो कई इसे शाम के ब्रेक में खाना पसंद करता है. विटामिन सी, ए, अमिनो एसिड, बी कॉम्प्लेक्स, फ्लेवोनॉयड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम जैसे मिनरल्स से भरे इस फल को खाने के कई फायदे होते हैं. सिर्फ एक दिन में एक संतरा शरीर को कई बीमारियों से बचा कर रखता है. यहां आपको संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं.

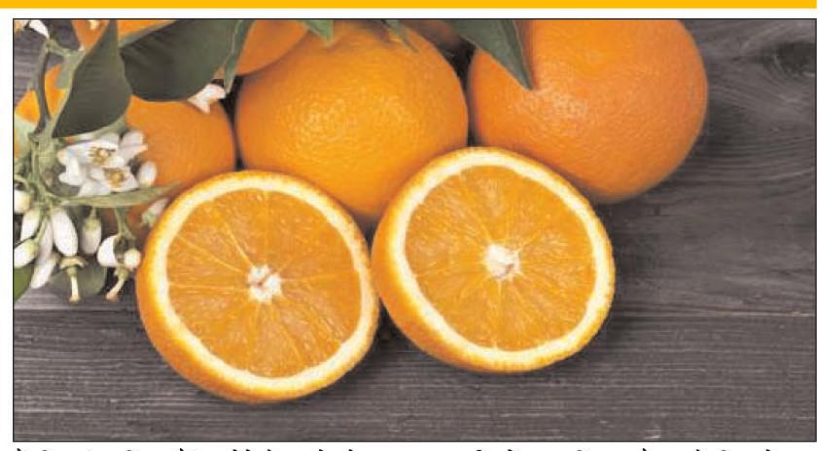

1. ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

ब्लड प्रेशर को लो होने से बचाने के लिए सबसे ज़रूरी है सोडियम की मात्रा को बैंलेस रखना. संतरा सोडियम की मात्रा को नॉर्मल रख ब्लड प्रेशर को सही रखता है. इसीलिए जिसे भी हाई या लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो वो अपनी डाइट में संतरा ज़रूर शामिल करें.

2. कैंसर से बचाए

विटामिन सी से भरपूर संतरा शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री-रैडिक्लस से सुरक्षित रखता है. साथ ही इसमें पाया जाने वाला लाइमोनिन कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है. मैंडरिन संतरे में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है. जापान में हुई एक स्टडी के मुताबिक मैंडरिन संतरा लिवर कैंसर होने के खतरे को कम करता है.

3. किडनी पथरी से रखे सेफ

रोज़ाना संतरे का सेवन किडनी में होने वाली पथरी के खतरे को कम करता है. इसीलिए आप संतरे को रोज़ाना अपनी डाइट में शामिल करें. पथरी के लिए संतरे को लिक्विड रूप में पीएं ज़्यादा फायदा होगा.

4. बवासीर में दिलाए आराम

संतरा पेट के अल्सर को खत्म करता है और बवासीर में राहत दिलाता है. इसके लिए रोज़ाना खाना खाने के बाद एक ग्लास संतरे का जूस पीएं. बवासीर के मरीज़ संतरे के छिलके के पाउडर को भी पानी में मिला कर पी सकते हैं.

5. सर्दी-जुकाम करे छुमंतर

संतरे में मौजूद विटामिन सी सर्दी-जुकाम में राहत दिलाता है. लोगों का ऐसा मानना है कि संतरे की तासीर ठंडी होती है इसीलिए इसे सर्दी-खांसी में नहीं खाना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होता है. बल्कि संतरा या विटामिन सी वाले सभी फल सर्दी में राहत दिलाते हैं.

घर संसार

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्स्पेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुठ चिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

1. सीप रखें

एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।

2. टायर पॉट

पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अल ही लुक देंगे।

3. वॉलपेपर

दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैंटर्न्स मिल जाएगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।

4. शंकु देंगे विन्टेज लुक

यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।

5. हैंगिंग पौधे

छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।

6. पुरानी चीजें, नया लुक

कुछ पुराने क्न्टेनर्स जैसे मग, वॉटर केन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।

7. गार्डन में पोन्ड

गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

ट्रेडमिल पर दौड़ते समय रखें इन बातों का ध्यान

बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए अकसर ट्रेडमिल पर चलने व दौ?ने की सलाह दी जाती है। ट्रेडमिल जिम में आसानी से मिलने वाली एक मशीन है, जो वजन कम करने के साथ ही शारीरिक तौर पर कई बदलाव लाती है। वजन कम करने के अलावा इस मशीन से दिल बेहतर काम करता है। शरीर में सकारात्मक बदलाव आते हैं, पर एक छोटी-सी लापरवाही समस्याओं को बढ़ा भी सकती है।

ट्रेडमिल के लाभ

▸▸ हृदय संबंधी गतिविधियों यानी कार्डियो वैस्कुलर एक्टिविटीज को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

▸▸ पर्वतारोही पहाड़ों पर चढ़ाई से पहले इस पर प्रैक्टिस कर अपनी रफ्तार और पैरों की पकड़ को मजबूत बनाते हैं। पिंडलियों की मांसपेशियां भी मजबूत बनती हैं।

कैलरी खपत में भी ये मशीन मदद करती है। तनाव कम करने में भी सहायक होती है।

सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो

अगर सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो इंस्ट्रक्टर को बताएं। उसी के निर्देशों का पालन करें। गोल्ड जिम के मैनेजर और इंस्ट्रक्टर विनीत कपूर बताते हैं, ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने से पहले उसकी स्पीड और दौड़ने के तरीके के बारे में जान लें।

▸▸ मधुमेह रोगियों को ट्रेडमिल पर दौड़ने या बहुत तेज चलने से बचना चाहिए। घुटने या पैरों में चोट या दर्द है तो दूर रहना बेहतर होगा।

▸▸ ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी ट्रेडमिल पर दौड़ने से बचने की सलाह दी जाती है। हृदय कमजोर है तो भी परहेज करें।

▸▸ माइग्रेन या सिर से जुड़ी समस्या होने पर विशेषज्ञों की राय ले लें। बहुत दुबले लोगों को कम स्पीड पर अभ्यास करना चाहिए। अगर इनमें से किसी तरह की दिक्कत नहीं है तो ट्रेडमिल पर अभ्यास करना सही रहेगा।

इन बातों पर करें गौर

▸▸ पानी की बोतल जरूर पास रखें। पसीना ज्यादा आने पर बीच-बीच में कुछ पानी पीते रहें, ताकि डीहाइड्रेशन न हो।

▸▸ शुरुआत में मशीन की रफ्तार कम रखें। धीरे-धीरे ब?ाएं।

▸▸ वजन कम करना है तो कम से कम 20 मिनट जरूर चलें।

▸▸ मशीन में दिए इमरजेंसी स्टॉपर क्लिप को कपड़े से लगाकर रखें। अगर गति नियंत्रण से बाहर होती है तो ये क्लिप उसको ऑटोमैटिक बंद कर सकता है।

▸▸ ट्रेडमिल पर नंगे पांव न दौड़ें। पैर फिसलने पर गंभीर चोटें आ सकती हैं।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते समय एक्स्ट्रा पैडिंग वाले जूते पहनें, पैर में मोच नहीं आती। चलते वक्त नीचे पांव की ओर न देखें। गति बेकाबू हो सकती है।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते वक्त हैंडरेल को न पकड़ें। इससे बांहों में दर्द हो सकता है।

▸▸ ट्रेडमिल की रफ्तार धड़कनों की गति ध्यान रखकर बढ़ाएं। बहुत अधिक रफ्तार बढ़ाना हृदय पर भारी पड़ सकता है।

▸▸ मशीन पूरी तरह से रुकने पर ही मशीन से नीचे उतरें।

▸▸ घुटनों में दर्द है तो पहले विशेषज्ञ से बात कर लें।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते समय सेफ्टी बार को पकड़कर ना रखें। पॉस्चर बिगड़ सकता है।

अंदरूनी चोट के दर्द को राई से करें दूर

आजकल हर किसी की लाइफस्टाइल बहुत व्यस्त हो गई है। हर कोई चाहता है कि उसका काम जल्दी से निपट जाए लेकिन कई बार हड़बड़ाहट में चोट भी लग जाती है। बाहर से दिखाई देने वाली चोट के जख्म तो जल्दी भर जाते हैं लेकिन कई बार शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट लग जाती है। जो दिखाई नहीं देती लेकिन दर्द बहुत करती हैं। कई बार तो इस चोट का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है लेकिन घरेलू इलाज से इस परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। राई खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए राई का इस्तेमाल बेहद लाभकारी है। राई को सरसों के नाम से भी जाना जाता है।

इस तरह करें राई का इस्तेमाल : राई में एंटीऑक्सिडेंट, सेलेनियम और मैग्निश्यम भरपूर मात्रा में होते हैं। चोट लगने पर राई को पानी में भिगोकर इसका पतला पेस्ट तैयार कर लें। इसे चोट वाली जगह पर लेप कर लें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा पानी में राई के दाने उबालकर इस पानी में कॉटन का कपड़ा भिगोकर चोट वाली जगह पर थपथपाएं। ऐसा करने से दर्द बहुत कम हो जाएगा। इसके साथ ही खाने में भी राई का इस्तेमाल करें। छौक लगाने,स्वाद,अचार आदि तरीको से राई खा सकते हैं।

घबराहट होने पर लाभकारी है राई : राई के छोटे-छोटे दाने सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। घबराहट होने पर हाथ की हथेलियों और पैरों के तलवों पर राई को रगड़ें। इससे बहुत आराम मिलता है।

रेसिपी

खट्टे बैंगन की सब्जी

5-6 लंबे बैंगन, दो कटे हुए प्याज, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, एक दालचीनी, एक बड़ा चम्मच जीरा, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चमच कश्मीरी लील मिर्च, एक छोटा चम्मच हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, एक बड़ा चमच सोंठ, एक बड़ा चम्मच सौंफ, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक बनाने की

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें दालचीनी, जीरा, इलायची पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा पानी डाल दें। जिससे कि मासला जले न। जब यह तेल छोड़ने लगें तो इसमें सोंठ डाल दें और कम से कम 2 मिनट पकाएं इसके बाद इसमें प्याज और बैंगन डालकर अच्छी करह से फ्राई करके कम से कम 20 मिनट के लिए ढक्कन बंद कर दें। 20 मिनट बाद इसमें टमाटर, सौंफ और थोड़ा सा पानी डालें। अब टमाटर पकने दें। जब टमाटर पक जाए और गाढ़ी सी ग्रेवी तैयार हो जाए। तब आंच बंद कर दें। आपकी कश्मीरी खट्टे बैंगन की सजी बनकर तैयार है। इसमें नींबू डालकर गर्मागर्म रोची के साथ सर्व करें।

वेज उपमा

सामग्री

पानी : 660 मिलीलीटर

गाजर- 75 ग्राम हरे मटर : 40 ग्राम

ग्रीन बीन्स : 35 ग्राम घी : 1 बड़ा चम्मच

सरसों के बीज : 1/2 चम्मच करी पत्ते : 7-8 : प्याज : 75 ग्राम सूजी : 100 ग्रामहरी मिर्च : 1 चम्मच नमक : 1 चम्मच

धनिया : 1 बड़ा चम्मच

विधि

डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें 660 मिलीलीटर पानी, 75 ग्राम गाजर, 40 ग्राम हरे मटर, 35 ग्राम ग्रीन बीन्स डालकर उबाल लें। अब एक डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें आधा चम्मच सरसों के बीज, 7-8 करी पत्ता डालें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर इसमें 75 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें, जब तक वह हल्के ब्राउन न हो जाए। अब इसमें 100 ग्राम सूजी डालें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। इसमें 1 हरी मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें उबली हुई सब्जियां, 1 चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच धनिया डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इसे 3-5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। कभी-कभी इसे हिलाते रहें। जब यह गाढ़ा हो जाए तो आंच से उतार लें और सर्व करें

तलाक पर शिखर धवन ने तोड़ी चुप्पी : कहा – पहली शादी की गलतियां दूसरी में नहीं दोहराऊंगा

मुंबई।
शिखर धवन ने अपने तलाक के बारे में कहा कि, मैं इसलिए फेल हुआ क्योंकि मैं दूसरों पर उंगली नहीं उठाता। मुझे शादी रिलेशनशिप्स को लेकर कोई अनुभव नहीं था। मैं क्रिकेट के बारे में जो बात करता हूं वह 20 साल पहले नहीं कर सकता था। इसी तरह शादी और रिलेशनशिप्स को लेकर मुझे अनुभव नहीं था। मैं कोशिश करूंगा कि अगर मैं अब शादी करता हूं तो पहले वाली गलतियां नहीं दोहराऊं। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और उनकी पति आयशा मुखर्जी को अलग हुए लगभग 2 साल हो चुके है। दोनों के अलग होने की अफवाहें शुरू होने के बाद से न तो क्रिकेटर और न ही उनकी पति ने खुलकर इस बारे में बात की।

सोशल मीडिया से हुई थी दोनों की पहचान – शिखर और आयशा की लव स्टोरी की बात करें तो ये सोशल मीडिया से शुरू हुई। सोशल मीडिया पर आयशा का फोटो देखकर शिखर पहली नजर में ही उन पर फिदा हो गए थे। आयशा तलाकशुदा थीं और उनकी दो लड़कियां थी। इसके बाद भी उन्होंने आयशा से शादी की। शिखर के पिता इस रिलेशन के खिलाफ थे। उनके पिता नहीं चाहते थे, कि शिखर दो बेटी वाली महिला से शादी करें। पर वह आयशा से इतना ज्यादा प्यार करते थे, कि वह पिता की बात मानने से इनकार कर दिया था। बाद में परिवार वाले सहमत हो गए थे।

पहला रिलेशनशिप था इसलिए ज्यादा कुछ समझ नहीं पाया – धवन – सलामी बल्लेबाज ने खुलासा किया कि उनका तलाक का मामला अभी तक नहीं सुलझा है। उन्होंने पुनर्विवाह के विषय से इंकार नहीं किया, लेकिन फिलहाल इसके बारे में नहीं सोच रहे हैं। धवन ने आगे कहा कि मेरा तलाक का केस चल रहा है। कल, अगर मैं फिर से शादी करना चाहूं, तो मुझे पता होगा कि मुझे कैसी लड़की से शादी करनी है। ऐसी लड़की जिसके साथ मैं अपनी जिंदगी बिता सकता हूं। जब मैं 26–27 साल का था और मैं लगातार खेल रहा था, मैं किसी रिश्ते में नहीं था। मैं मस्ती करता था, लेकिन कभी रिलेशनशिप में नहीं था। इस कारण जब में रिलेशनशिप में आया तो लड़की को ज्यादा समझ नहीं पाया। लेकिन , अगर मैं रिलेशनशिप में आया तो मैं अच्छे से समझ पाऊंगा की रिलेशनशिप को आगे कैसे बढ़ाना है और हम दोनों समझ पाएंगे। धवन ने कहा कि, युवाओं को रिलेशनशिप में जल्दी नहीं करनी चाहिए। कई बार युवा जल्दी में भावनात्मक निर्णय ले लेते है और शादी कर लेते है।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का आखिरी दिनः भारत की सामरा कौर ने जीता ब्रॉन्ज, 7 मेडल के साथ भारत पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर

भोपाल। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन वर्ल्ड कप के पांचवें दिन 50 मीटर रायफल 3 पोजीशन विमेन और 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल मेन के मुकाबले हुए। इवेंट में कुल 38 खिलाड़ी शामिल हुए। दोनों रांउड में दुनिया भर के 68 खिलाड़ियों सहित 9 भारतीयों ने निशाना लगाया। आखिरी दिन भारत के खाते में एक ब्रॉन्ज आया। भारत की सिफ्ट कौर सामरा ने यह मेडल जीता। उन्होंने रैंकिंग मैच में कुल 403.9 पॉइंट्स हासिल किए। सामरा ने नीलिंग में 102.2, प्रोन में 103.4 और स्टेंडिंग में 198.3 पॉइंट्स हासिल किए। इवेंट के फाइनल मैच में चीन की जहांग किओंगोयूए ने गोल्ड और चेक रिपब्लिक की ऐनेता बरबकोवा ने सिल्वर जीता। 25 मीटर पिस्टल वुमन फाइनल में मनु भाकेर ने भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की संख्या 7 हुई, जिसमें 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। भारत ओवरऑल मेडल टैली में चीन के बाद दूसरे पायदान पर रहा। 50 मीटर रायफल 3 पोजीशन वुमन और 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल मेन में भारत, श्रीलंका, मेक्सिको, कोरिया, कजाकिस्तान, बंगलादेश, जापान, हंगरी, स्विटजरलैंड, यूएसए, डेनमार्क, चेकिया, इजराइज, उज्बेकिस्तान, लिथोनिया, ब्राजील, फ्रांस के प्लेयर्स ने हिस्सा लिया।

आईपीएल शुरू होने से पहले पंजाब किंग्स को बड़ा झटकाः स्टार बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो चोटिल, ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट लेंगे जगह

नई दिल्ली । आईपीएल शुरू होने से पहले ही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लग गया है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के बैटर जॉनी बेयरस्टो घुटने की चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए है। उनकी जगह पंजाब टीम ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉट को बुलाया है। पंजाब किंग्स ने बीसीसीआई के माध्यम से इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से कई बार चोट पर अपडेट लेने की कोशिश की। अब ईसीबी है कि बेयरस्टो आईपीएल नहीं खेल पाएंगे। सितंबर 2022 में बेयरस्टो अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेलते–खेलते चोटिल हो गए थे। यह चोट उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले आई थी। गोल्फ कहले के दौरान वे फिसला गए थे। इस कारण उनके फाइबुला में कई फ्रैक्चर हो गए, जिसके लिए कुछ दिनों बाद सर्जरी के दौरान एक प्लेट डालने की जरूरत थी।

पॉवेल की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को हराया दिल्ली कैपिटल्स भी हुई खुश

सेंचुरियन । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रोवमन पॉवेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम को टी20 सीरीज के पहले मैच में जीत दिलाकर 1–0 की बढ़त हासिल कर ली है। बारिश से प्रभावित इस मैच को 11–11 ओवर का कर दिया गया जिसमें पॉवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी का ध्यान खींचा। पॉवेल ने 18 गेंद में 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 1 चौका और 5 छक्के लगाये। आईपीएल के 16 वें सत्र से पहले पॉवेल की इस आक्रामक पारी से दिल्ली कैपिटल्स भी उत्साहित है क्योंकि पॉवेल आईपीएमल में कैपिटल्स की ओर से खेल रहे हैं। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 11 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने तेजी से खेलते हुए 48 रन बनाए। इसके बाद 132 रनों के लक्ष्य को वेस्टइंडीज टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में कप्तानी करते हुए पॉवेल ने 238 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इस दौरान वह अंत तक आउट नहीं हुए। उनकी इस पारी से टीम को 3 विकेट से जीत मिली। पॉवेल अब जल्द ही कैपिटल्स के लिए खेलते नजर आयेंगे। सत्र से पहले ही पॉवेल का इस प्रकार लय में होना दिल्ली टीम के लिए अच्छा है।

विमेंस प्रीमियर लीग फाइनल

दिल्ली की ताकत बैटिंग, मुंबई में ऑलराउंडर्स की भरमार

मुंबई।
विमेंस प्रीमियर लीग के पहले सीजन का फाइनल मुकाबला मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। टेबल टॉपर्स दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मैच शुरू होगा। दोनों टीमें टूर्नामेंट में तीसरी बार आमने–सामने होंगी। इससे पहले लीग स्टेज में एक बार मुंबई और एक बार दिल्ली को जीत मिली।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही दिल्ली

मेग लेनिंग की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स 5 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 12 अंकों के साथ टॉप पर रही थी। इस कारण टीम सीधे फाइनल में पहुंची। टूर्नामेंट में गुजरात और मुंबई की टीमें ही दिल्ली को एक–एक बार हरा सकीं। बाकी सभी मुकाबले दिल्ली ने जीते।

टीम की कप्तान मेग लेनिंग टूर्नामेंट की टॉप रन स्कोरर हैं। मारियन कैप ने अपने ऑलराउंडर प्रदर्शन से दिल्ली को कई मैच जिताए। इनके अलावा एलिस कैप्सी, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, जेस जोनासेन, तारा नोरिस और शिखा पांडे भी टीम की टॉप प्लेयर्स हैं।

मुंबई ने यूपी को एलिमिनेटर हराया

मुंबई ने भी टूर्नामेंट के लीग स्टेज में 6 मैच जीते, लेकिन नेट रन रेट कम होने के कारण टीम दिल्ली के बाद दूसरे नंबर पर रही। उन्हें यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलना पड़ा। एलिमिनेटर में टीम ने एकतरफा खेल दिखाया और 72 रनों से मैच जीता।

लीग स्टेज में टीम को यूपी और दिल्ली के खिलाफ ही एक–एक मुकाबलों में हार झेलनी पड़ी। बाकी मुकाबले टीम ने जीते। नैटली सीवर ब्रंट और हेली मैथ्यूज टीम की 2 टॉप परफॉर्मर हैं। इनके अलावा बॉलिंग में साइका इशाक, इजाबेल वॉन्ग और अमीलिया केर ने भी बेहतरीन परफॉर्मेंस किया है। टूर्नामेंट की टॉप–5 बॉलर्स में से 4 मुंबई की ही हैं।

दोनों ने चेज करते हुए मुकाबले जीते

लीग स्टेज में मुंबई और दिल्ली के बीच 9 मार्च को पहला मुकाबला हुआ। डीवाई पाटिल स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली 105 पर ऑलआउट हो गई। मुंबई ने 15 ओवर में 8 विकेट से मैच जीत लिया। 20 मार्च को फिर डीवाई पाटिल स्टेडियम में ही दोनों के बीच मुकाबला हुआ। इस बार मुंबई 20 ओवर में 109 रन ही बना सकी। दिल्ली ने महज 9 ओवरों में एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दोनों टीमों ने इससे पहले नवी मुंबई में मैच खेले। वहीं फाइनल मुकाबला मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। जहां दोनों टीमों ने बाकी टीमों से मुकाबले तो खेले हैं, लेकिन आपस में पहली बार ही भिड़ेंगी।

पिच रिपोर्ट

ब्रेबोर्न स्टेडियम की पिच हाई स्कोरिंग मानी जाती है, यहां टूर्नामेंट की शुरुआत में खूब रन बने। लेकिन अब यहां का औसत स्कोर 157 रन हो गया है। स्पिनर्स को मदद मिलने के साथ पिच बैटिंग के लिए भी अनुकूल है। टॉस जीतकर दोनों टीमें चेज करना पसंद करेंगी।

वेदर कंडीशन

मुंबई में मौसम साफ रहेगा। बारिश नहीं होगी। रात का टेम्परेचर 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

पॉसिबल प्लेइंग-11

दिल्ली कैपिटल्सः मेग लेनिंग (कप्तान), शेफाली वर्मा, मारियन कैप, जेमिमा रोड्रिग्ज, एलिस कैप्सी, जेस जोनासेन, शिखा पांडे, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), राधा यादव, तारा नॉरिस और अरुंधति रेड्डी।

मुंबई इंडियंसः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), हेली मैथ्यूज, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नैटली सीवर ब्रंट, अमीलिया केर, पूजा वस्त्राकर, इजाबेल वॉन्ग, अमनजोत कौर, जिंतीमनी कलिता, हुमायरा काजी और साइका इशाक।

सात्विक-चिराग बने चैंपियन, फाइनल में चीनी जोड़ी को दी मात

नई दिल्ली ।
भारत के सात्विकसाईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्विस ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीत लिया है। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के टैंग क्रियान और रेन यू जियांग की जोड़ी को मात दी। सात्विक और चिराग ने जीनी जोड़ी को सीधे सेटों में 21–19 और 24–22 से मात दी। स्विस ओपन सुपर सीरीज 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही शानदार लय में थी। सात्विक–चिराग ने पहला गेम 21–19 के करीबी अंतर से अपने नाम किया, लेकिन दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने अंत में 24–22 के अंतर से गेम जीता और खिताब भी अपने नाम कर लिया। इस टूर्नामेंट में सात्विक और चिराग ने हर मैच में पूरी मेहनत के बाद जीत हासिल की है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने जेपे बे और लेसे मोल्हेडे की डेनमार्क की जोड़ी को 54 मिनट तक चले मुकाबले में 15–21, 21–11, 21–14 से हराया था। वहीं, क्वार्टर फाइनल में भी सात्विक–चिराग ने 84 मिनट तक कड़ा मुकाबला खेला था। इस टूर्नामेंट में भारत के बाकी खिलाड़ी पहले ही बाहर हो गए थे। महिला एकल में पीवी सिंधू और पुरुष एकल में एच एस प्रणय, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, मिथुन मंजूनाथ अपने–अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए थे। ऐसे में यह जोड़ी ही भारत की तरफ से एकमात्र चुनौती पेश कर रही थी और इन दोनों ने चैंपियन बनने के बाद ही राहत की सांस ली है। भारतीयय जोड़ी के लिए यह सत्र का पहला खिताब था। इस जीत के साथ ही सात्विक और चिराग ने पिछले हफ्ते ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में मिली हार को भुलाया, जहां वे दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। कुल मिलाकर, यह भारतीय जोड़ी के लिए करियर का पांचवां वर्ल्ड टूर खिताब था, जिसने पिछले साल इंडिया ओपन और फ्रेंच ओपन जीता था, इसके अलावा 2019 में थाईलैंड ओपन और 2018 में हैदराबाद ओपन में जीत हासिल की थी। सात्विक और चिराग ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल भी जीता था।

रैना, हरभजन और श्रीसंत ने ऋषभ से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया

नई दिल्ली ।
पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों सुरेश रैना, हरभजन सिंह और एस श्रीसंत ने कार हादसे से उबर रहे युवा विकेटीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से मुलाकात कर उनका हाल–चाल जाना हैं। इन तीनों ने ही ऋषभ के घर जाकर उनसे मुलाकात की और उनके शीघ्र ठीक होने की उम्मीद हुए उनका उत्साह भी बढ़ाया।

इस मुलाकात की एक तस्वीर भी रैना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा की है। इस तस्वीर में ऋषभ पहले से काफी ज्यादा बेहतर लग रहे हैं। रैना ने ऋषभ के साथ तस्वीर साझा करते हुए कहा, भाईचारा ही सब कुछ है। परिवार वहां है जहां हमारा दिल होता है। कामना करते हैं कि भाई ऋषभ जल्दी और अच्छे से ठीक हो जाएं। साथ ही कहा कि भरोसा रख भाई हम सब तेरे साथ हैं। तुम फीनिक्स (पक्षी) की तरह काफी उंचा उड़ोगे।

गुरु रंधावा भी मिले

वहीं हाल ही में पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के अलावा पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा ने भी ऋषभ से मुलाकात की। उन्होंने भी इस क्रिकेटर के शीघ्र ठीक होने की कामना की है। गुरु रंधावा ने सोशल मीडिया पर ऋषभ के साथ मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की है। इंस्टाग्राम पर पंत के साथ अपने आधिकारिक अकाउंट से तस्वीर शेयर करते हुए गुरु रंधावा ने कहा, अपने भाई से मिलकर अच्छा लगा, ऋषभ अधिक मजबूती के साथ जल्दी वापसी करेंगे। सोशल मीडिया पर पर दोनों की यह तस्वीर तेजी के साथ वायरल हो रही है। वहीं प्रशंसकों ने रंधावा और ऋषभ की यह तस्वीर काफी अधिक पसंद की है। ऋषभ इस तस्वीर में अब पहले से काफी अच्छी बेहतर लग रहे हैं। वह कुर्ते पजामे में नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि ऋषभ गत वर्ष 30 दिसंबर को एक कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। इसके बाद उनके घुटने की तीन सर्जरी भी हुई जिससे अब वह उबर रहे हैं। उन्हें पूरी तरह ठीक होने में छह माह का समय लगने की संभावना है।

कोच नेहरा ने खिलाड़ियों को अपने अंदाज में खेलने की आजादी दी : मावी

अहमदाबाद ।
गुजरात टाइटंस के युवा तेज गेंदबाज शिवम मावी ने टीम के मुख्य आशीष नेहरा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों का पूरी आजादी दी है। इससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। मावी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलेंगे। नेहरा गत वर्ष हुए आईपीएल से पहलेटाइटंस के मुख्य कोच बने थे और टीम उनके मार्गदर्शन में खिताब जीतने में सफल रही। गुजरात इस बार आर आईपीएल में अपना पहला मैच 31 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है।

मावी ने कहा, वह खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते हैं और कहते है कि यह आपके ऊपर है कि आपको जमीन पर आना होगा और समय का उपयोग करना होगा, वहीं अगर आप आराम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी बतायें। मैदान में होने वाली किसी भी परेशानी पर वे खुलकर बात करते हैं।

मावी ने कहा, कभी–कभी खिलाड़ियों को लगता है कि मैं मैदान पर अभ्यास करने के लिए बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूं, ऐसे समय पर वह खिलाड़ियों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं डालते। वह जानते हैं कि हर कोई पेशेवर है, इसलिए वह हमेशा एक स्वतंत्र वातावरण रखने की कोशिश करते है और खिलाड़ियों पर किसी भी चीज का कोई अनावश्यक बोझ नहीं डालते है जिससे वे बहुत आराम से खेल सकें।

मावी ने इससे पहले आईपीएल में पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए भी चार सत्र खेले हैं। उनका मानना है कि हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में खेलने से उन्हें काफी लाभ होगा। इस साल की शुरुआत में मावी ने पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला था। अब तक, मावी ने भारत के लिए छह टी20 मैचों में 8.78 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, मैंने हार्दिक की कप्तानी में एक बार भारतीय टीम की ओर से भी खेला था। अब मुझे यहां खेलने का मौका मिल रहा है, जो कि एक नई टीम है। मैं गुजरात टाइटन्स की ओर से खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। गुजरात टाइटंस के लिए खेलना मेरे लिए लाभप्रद रहेगा है। जब मैं पहली बार भारतीय टीम में उनके नेतृत्व में खेला, तो वह सहायक थे जो कप्तान के रूप में एक खिलाड़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, प्रबंधन के साथ–साथ टीम में एक अच्छा माहौल बनाने के लिए जिम्मेदार है।

मावी ने कहा, पिछले दो वर्षों में मैंने अपनी बल्लेबाजी पर बहुत मेहनत की है और इसमें बहुत सुधार हुआ है। मैं इस पक्ष पर बहुत मेहनत कर रहा हूं जिससे कि मैं टीम के लिए जितना संभव हो उतना उपयोगी बन सकूं, जो टीम के लिए बेहतर होगा।

2022 में हुए 13 क्रिकेट मैचों पर फिक्सिंग का शक

इनमें एक भी भारत में नहीं खेला गया, फुटबॉल के सबसे ज्यादा 775 मैच

नई दिल्ली ।
साल 2022 में पूरी दुनिया में खेले गए 13 क्रिकेट मैचों पर फिक्सिंग का संदेह जताया जा रहा। यह दावा हाल ही में जारी स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विसेज द्वारा प्रकाशित एक समीक्षा रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में 13 क्रिकेट मैच ऐसे थे, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आए हैं।

स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विस यूनिट एक्सपर्ट्स की एक अंतरराष्ट्रीय टीम है जो खेल में सट्टेबाजी, मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार के अन्य रूपों पर एनालिसिस करती है। मैचों के दौरान संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के लिए कंपनी यूनिवर्सल फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम एप्लिकेशन का इस्तेमाल करती है।

2022 में सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग – संस्था ने 32 पेज की एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक 2022 में सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में 92 देशों में आयोजित 12 खेल के 1212 मैच ऐसे रहे, जिनमें सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार या फिक्सिंग हुई। यह संस्था साल 2020 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के साथ भी काम कर चुकी है।

करप्शन, फिक्सिंग में क्रिकेट छठे स्थान पर – रिपोर्ट के अनुसार फुटबॉल का खेल करप्शन के मामले में सबसे आगे रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2022 के 1212 मैचों की लिस्ट में फुटबॉल (775 मैच) टॉप पर है, जिन पर संदेह है। 220 मैच के साथ बास्केटबॉल दूसरा और 75 मैच के साथ लॉन टेनिस तीसरे नंबर पर है। इस सूची में क्रिकेट छठे स्थान पर है। क्रिकेट के सिर्फ 13 मैचों पर फिक्सिंग का संदेह है।

रिपोर्ट के अनुसार, जो भी क्रिकेट के मैच संदेह के घेरे में हैं, उनमें से कोई भी भारत में नहीं खेला गया। क्रिकेट के 13 मैचों पर संदेह होना 'स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विसेज' के रिकॉर्ड में किसी एक साल में हुए सबसे ज्यादा मामले हैं। इससे पहले इतने मैच कभी भी दर्ज नहीं किए गए।

यूरोप में खेले गए सबसे ज्यादा संदिग्ध मैच – साल 2022 के फिक्सिंग के संदिग्ध मैच एरिया के हिसाब देखें तो सबसे ज्यादा मैच यूरोप में 630, एशिया में 240, साउथ अमेरिका में 225, अफ्रीका में 93 और नॉर्थ अमेरिका में 24 मैच थे। साल 2021 की तुलना में नॉर्थ अमेरिका और ओशिनिया को छोड़कर हर एरिया में संदिग्ध मैचों की संख्या बढ़ी है। प्रतिशत के लिहाज से सबसे ज्यादा वृद्धि अफ्रीका (+82प्रतिशत) में और उसके बाद साउथ अमेरिका (+72प्रतिशत) में हुई।

आईपीएल से 1200 करोड़ का बेटिंग टर्नओवर –रिपोर्ट अनुसार करीब 135 मिलियन यूरो यानी करीब 1200 करोड़ रुपए का बेटिंग टर्नओवर (सट्टेबाजी की कमाई) आईपीएल से आता है। जो कि दुनियाभर की सभी लीगों में चौथे नंबर पर है। इससे ज्यादा बेटिंग टर्नओवर यूएफा चैंपियंस लीग, इंग्लिश प्रीमियर लीग और नेशनल फुटबॉल लीग से आता है। तीनों ही फुटबॉल लीग हैं। ओवरऑल खेलों के हिसाब से क्रिकेट चौथे नंबर पर है, जिससे 67 मिलियन यूरो (करीब 594.90 करोड़ रुपए) सट्टेबाजी का टर्नओवर आता है।

सौंदर्य

चुटकियों में खूबसूरती निखारता है यह कॉकटेल पैकेज

पलूशन व नमी से अक्सर स्किन डैमेज हो जाती है। ऐसे में स्किन में ग्लो लाने के लिए नॉर्मल फेशियल से बात नहीं बनती। लीन स्किन पाने के लिए आप कॉकटेल पैकेज यूज कर सकती हैं। इन दिनों इसकी डिमांड जोरों पर है।

ऑर्गैनिक वैक्स

ऑर्गैनिक वैस आर्म्स, लैग्स और अंडरऑर्म्स की शेविंग में बेहद यूजफुल है। ऑर्गैनिक वैस अनवांटेड बॉडी हेयर्स को रिमूव कर देता है। यही नहीं, अंडरग्रोथ हेयर में भी यह वैस काम करती है। टैनिंग के इफेट को कम करने के साथ ही यह स्किन पर आए पैचेज को भी कम करता है।

आप कितना भी अच्छा और वॉटर प्रूफ मेकअप कर लें, पसीने की चंद बूंदे ही इसे बिगाड़ने के लिए काफी हैं। लेकिन अगर आपके चेहरे पर नैचरल ग्लो होगा, तो मेकअप धुलने के बाद भी इसकी चमक बरकरार रहती है।

डैमेज स्किन के लिए फायदेमंद

इन दिनों फेस का ग्लो बरकरार रखने के लिए कॉकटेल पैकेज का ट्रेंड है। कॉकटेल पैकेज के जरिए, स्किन का नैचरल मॉइश्चर और शाइनिंग वापस लाई जा सकती है। डैमेज स्किन के लिए भी यह ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें आती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाती हैं। इस सीजन में स्किन की डीप लीनिंग, पील ट्रीटमेंट और बालों को वॉल्यूम देना जरूरी है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें रखी गई हैं, जो स्किन को गहराई से रिपेयर करती हैं।

फ्रेंच वाइन फेशल

स्किन में ब्राइटनेस लाने के साथ उसे टाइटनेस देने के लिए फ्रेंच वाइन फेशल बेस्ट है। दरअसल, वाइन में ऐंटी ऑसिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो पीएच लेवल में बैलेंस रख हेल्दी और ग्लोइंग स्किन देती हैं। यह ट्रीटमेंट स्किन टाइटनिंग और पोर्स टाइटनिंग के साथ ही स्किन ग्लो और टैन रिमूवल में काफी मदद करता है। गर्म और नम सीजन में स्किन पोर्स ओपन हो जाते हैं। वाइन फेशल इन परेशानियों को दूर करता है।

नैचरल मिल्क ब्लीच

अब ऐसी भी लीचिंग आने लगी हैं, जिनमें नैचरल मिल्क प्रोटीन का यूज किया जाता है। जो डेड सेल्स को लीन कर स्किन हेयर को नैचरल कलर देती है। इसे फेस, फ्रंट और बैक नेक पर लगाएं। यह टैन रिमूवर का काम तो करती ही है, स्किन का कलर फेयर करने में भी मदद करती है।

बीयर स्पा

गर्मियों में बाल अपनी शाइनिंग खो देते हैं, ऐसे में बीयर स्पा ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। अचानक किसी अकेजन या फंशन में जाना हो, तो बीयर स्पा ट्रीटमेंट क्विक इफेट देता है। यह उन लोगों के लिए भी यूजफुल है, जिनके बाल बेहद पतले और हल्के होते हैं। यह कंडीशनर का भी काम करता है और बालों को शाइनिंग देने के साथ ही वॉल्यूम भी देता है।

ताकि कंप्यूटर बच्चों का दोस्त बने न कि दुश्मन

आजकल कंप्यूटर एक फैमिली मेंबर की तरह हो गया है। बच्चे स्कूल से लौटने के बाद कई घंटे इस पर बिताते हैं। डॉटर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। इन दिक्कतों के चलते बच्चे की सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए इन जरूरी बातों को याल रखें...

घेर लेती हैं ये परेशानियां

लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करने से अक्सर सिरदर्द, कमर या फिर गर्दन दर्द की परेशानी हो जाती है। फिर बच्चों का शरीर उतना मजबूत भी नहीं होता है। स्कूल में भी वह कई घंटे लासरूम में बैठे रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर लौटने पर वह फिजिकल ऐंटिविटीज में भाग लें। पार्क में खेलें। लास रूम में बोर्ड और घर में लगातार कंप्यूटर की स्क्रीन देखने के कारण या आपके बच्चों की आंखें लाल हो जाती हैं या पानी से भर जाती हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाएं! डॉटर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। इसके अलावा चमकती स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। आंखें लाल हो जाना, उनमें खुजली होना और धुंधला दिखाई देना तो कंप्यूटर से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याएं हैं, जिनके वक्त रहते निदान की जरूरत होती है।

जॉइंट्स को नुकसान

देर तक गलत पॉश्चर में काम करने से नर्व और हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं। जोड़ों के लिए मोशन लोशन का काम करता है। फिजिकल ऐक्टिविटीज से बॉडी में लिक्विड चीजों का प्रवाह बना रहता है और कार्टिलेज स्वस्थ रहते हैं जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं। गलत पॉश्चर में हर दिन 4 घंटे से अधिक बैठने से जोड़ धीरे-धीरे वीक होते चले जाते हैं। फिर बच्चों की तो अभी ग्रोथ हो रही है, अभी से अगर उन्हें सही चीजें नहीं सिखाई गईं तो भविष्य में उनके लिए ज्यादा दिक्कत हो सकती है। इसलिए जब भी बच्चा कंप्यूटर पर काम करे, उस पर नजर रखें।

ड्राई आई सिंड्रोम

आंखों में जलन, चुभन महसूस होना, आंखें सूखी लगना, खुजली होना और उनमें भारीपन, पास की चीजें देखने में समस्या होना, रंगों का साफ दिखाई न देना, एक चीज का दो दिखाई देना, ये सब गलत ढंग से कंप्यूटर पर काम करने से होने वाली बीमारी के लक्षण हैं।

इसके अलावा यदि इन लक्षणों के साथ किसी व्यक्ति में अत्यधिक थकान होना, गर्दन, कंधों एवं कमर में दर्द होना, ये सब भी पाए जाएं तो इस अवस्था को केप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। एकटक कंप्यूटर स्क्रीन को देखते रहने से आंखों के मॉइश्चराइजर पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे आंखों की नमी कम हो जाती है। आंखों की इस नमी बनाए रखने हेतु बार-बार पलक झपकाना जरूरी है। आपको चाहिए बच्चे के बैठने के तरीके पर ध्यान दें। साथ ही उसे हर एक घंटे पर अपनी आंखों को 5-10 मिनट तक मूंद कर रखने के लिए कहें, ताकि आंसू की परत फिर से तैयार हो जाए।

बेल का रस पीने के 6 फायदे

बेल एक फल है, जिसका रस सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें प्रोटीन,विटामिन सी,थाइमीन जैसे और भी बहुत से जरूरी तत्व पाएं जाते हैं। गर्मी के मौसम में इसका सेवन करने से कई तरह की समस्याएं दूर रहती हैं। बाजार में बेल के बने शर्बत आसानी से मिल जाते हैं लेकिन बेल के फल का गुद्दा दूध और पानी के साथ मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है।

1. पेट की समस्या : पेट में गैस,जलन या केज है तो इसके लिए रोजाना बेल का शर्बत पीने से राहत मिलती है। बेल से अपच की समस्या भी दूर हो जाती है।

2. दस्त और डायरिया : गर्मी के कारण दस्त और डायरिया होने का खतरा ज्यादा रहते है। इससे बचने के लिए बेल के शर्बत का सेवन करें।

3. दिल की बीमारियां : बेल के शर्बत का सेवन करने से शरीर में ठंडक रहती है और इससे दिल से जुडी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

4. खून करे साफ : बेल के शर्बत के रोजाना पीने से खून साफ रहता है। जिससे किसी भी संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

5. शरीर में ठंड़क : गर्मी के तपते मौसम में लू से बचने के लिए बेल का शर्बत पीएं। इससे शरीर में ठंड़क रहती हैं और लू नहीं लगती।

6. मुंह के छाले दूर : मुंह में बार-बार छाले हो रहे हैं तो इसके लिए बेल का शर्बत बैस्ट है। इसके सेवन से छाले ठीक हो जाते हैं।

सौंदर्य

खराब नेलपॉलिश को फेंके नहीं, यूं करें इस्तेमाल

नेलपॉलिश का इस्तेमाल नाखूनों को सजाने के लिए किया जाता है। महिलाओं के पास हर एक रंग की नेलपॉलिश होती है लेकिन थोड़े समय के बाद यह खराब हो जाती है और इसे फेंकना पड़ता है लेकिन इसका इस्तेमाल घर के दूसरे कामों के लिए किया जा सकता है। आइए जानिए किस तरह इस खराब नेल पॉलिश को दोबारा यूज कर सकते हैं।

- रसोई में साबुत मसालों के लिए एक जैसे डिबे लगे होते हैं लेकिन कई बार इन मसालों में फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अलग-अलग रंग की नेलपॉलिश से जार पर निशानी लगा सकते हैं।

- लड़कियों को आर्टिफिशयल ज्वैलरी पहनने का बहुत शौंक होता है लेकिन कई बार उनके पास कपड़ों के रंग से मैचिंग ज्वैलरी नहीं होती। ऐसे में ड्रैस के रंग से मिलती-जुलती नेलपॉलिश को ज्वैलरी पर पेंट कर सकते हैं।

- घर में सभी दरवाजों के लिए अलग-अलग चाबी होती है जिसे इकठ्ठा करके एक गुच्छे में रखा जाता है। अक्सर ताला लगाते समय चाबियों का नंबर याद नहीं रहता। इसके लिए नेलपॉलिश से चाबी पर निशान लगा सकते हैं।

- कई बार पतली जुराबों का एक धागा निकल जाने से वह खराब हो जाती हैं। इसके लिए उसी रंग की नेलपॉलिश को उस जगह लगाएं जिससे और धागे नहीं निकलेगें और वह पहनने लायक भी हो जाएंगी।

- ऑफिस या कहीं बाहर शर्ट या लाउज का बटन निकल जाए तो काफी शर्मिंदगी महसूस होती है। ऐसे में शर्ट पहनने से पहले बटन पर नेलपॉलिश का एक कोट लगा लें इससे वह दोबारा नहीं टूटेंगे। - लड़कियां सफेद जूतों के फीतों के लिए भी नेलपॉलिश का इस्तेमाल कर सकती हैं। फीतों पर रंग-बिरंगी नेलपॉलिश लगा सकते हैं। इस तरह सफेद जूतों में पिंक या नीले फीते बहुत बढ़िया दिखेंगे।

गुणों से भरपूर है चिरौंजी के बीज

चिरौंजी, इसे चारोली के नाम से भी जाना जाता है। इसके पेड़ की जड़, फल, पोंयां और गोंद का इस्तेमाल भारत में विभिन्न प्रकार की औषधीयों को बनाने में किया जाता हैं। इसके अलावा इसके बीज में विटामिन ए, बी1 बी2, फाइबर और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाएं रखने में काफी मददगार साबित होते हैं।

1. प्रोटीन की कमी पूरी करें : चिरौंजी में प्रोटीन ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती हैं।

2. सर्दी-जुकाम : सर्दी-जुकाम में भी इसका सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए आप घी में दो चेमच पिसी हुई चिरौंजी को छोंक लें। फिर इसे एक गिलास दूध में डालकर उबाल लें। और गुन गुना होने पर इसका सेवन करें। इसे पीने से आपको जल्दी आराम मिलेगा।

3. सुंदर त्वचा : गुलाब जल के साथ चिरौंजी को अच्छी तरह से पीस कर के एक लेप तैयार कर लें। अब इस लेप को चेहरे पर लगा लें। सूखने के बाद आप इस लेप को हल्के हाथों से रगड़ -रगड़ कर निकालें और फिर बाद में चेहरे को साफ पानी से धो लें।

4. कमजोरी दूर करें : कमजोरी दूर करने में चिरौंजी काफी फायदेमंद साबित होती है। रोजाना चिरौंजी के बीज को दूध में डालकर पीने से कमजोरी दूर हो जाती है।

5. मुंह के छाले ठीक करें : अगर आपके मुंह में छाले पड़ गए हैं तो ऐसे में चिरौंजी को दिन में दो बार बारीक चबा-चबा कर उसका सेवन करें। ऐसा करने से मुंह के छाले से राहत मिलेगी।

प्यार नहीं, रिश्तों में दिखने लगा है नफा-नुकसान!

रिश्तों में कैल्कुलेशन की बात सुनने में भले ही अजीब लगती हो, परंतु यह सच है कि आज रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव नाम मात्र को भी देखने में नहीं मिलता और हर रिश्ता नफा और नुक्सान को सोच कर ही बनाया जाता है या आगे चलता है। किसने आपको कितना दिया, आपने कहीं उससे हमेशा ज्यादा तो नहीं किया, सामने वाले के कांटैक्ट्स को आप कितना यूज कर सकते हैं या कौन आपके कितने काम आ सकता है, इस तरह की बातें अब हर इंसान सोचने लगा है। यदि सामने वाले से कोई फायदा नहीं तो वह रिश्ता बेमानी सा लगने लगता है। पुरानी पीढ़ी जहां इस तरह की सोच को स्वार्थ का नाम देती थी, वहीं आज की जैनेरेशन इसे प्रैक्टीकल का नाम देती है।

रिश्तों का गुणा हिसाब

यदि आपने किसी को शादी-याह में शगुन डाला है, तो उमेीद की जाती है कि आपके यहां जब कोई ऐसा समारोह हो तो सामने वाला उससे ज्यादा ही डाले, यदि ऐसा नहीं हो पाता, तो दिलों का प्यार और रिश्तों का अपनापन जैसे खत्म ही हो जाता है।

खत्म हो जाते हैं रिश्ते

आज के दौर में रिश्ते निभाने का किसी के पास भी वक्त ही नहीं बचा, सो अपने गांव का या अपने शहर का होने पर जो रिश्ता कभी बनता लोगों के दिलों में उसके लिए तो बिल्कुल ही जगह नहीं बची है, इतना ही नहीं रिश्तदारी में भी दूर के मामा एवं चाचा के यहां रिश्तेदारी निभाने का किसी के पास वक्त नहीं है। यही कारण है कि अब उंगलियों पर गिने जा सकने वाले रिश्ते ही रह गए हैं और उनमें भी वक्त की कमी के कारण दूरियां आने लगी हैं।

पैसा, प्रोफेशन और कामयाबी जिम्मेवार

आज के दौर में अधिकांश लोग कामयाबी को छू रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि पैसा भी ज्यादा आता है, ऐसे में वे रिश्तेदार या दोस्त कहीं पिछड़ जाते हैं, जो कि जीवन में कोई मुकाम हासिल नहीं कर पाए हैं। शायद यही कारण है कि प्रोफेशनल रिश्तों को ज्यादा अहमियत दी जाती है, जिनसे बिजनेस में लाभ हो रहा हो या वे आपको प्रमोशन दिला सकते हों।

कैल्कुलेटिव होने के कारण

- समय की कमी भी इसका एक कारण है कि जिनसे हमें फायदा होता है, उन्हीं से हमारी बात भी होती है।

- आज के युवा ज्यादा प्रैटिकल हैं और वे अपना फायदा सबसे पहले देखते हैं।

- आज वीकेंड में अपने रिश्तेदारों के पास जाने का किसी के पास समय नहीं है, सो पार्टी, गैट-टूगैदर या पिकनिक अपने कलीग्स या फ्रैंडस के साथ करने से भी लोगों की सोच में हर दिन बदलाव आने लगा है।

थोड़ा सा बदलना जरूरी

आज एक बार फिर से यह सोचने और समझने की जरूरत है कि आप हर रिश्ते को नफा और नुक्सान से जोड़ कर नहीं देख सकते, कुछ रिश्ते आपको भावनात्मक भी बनाने पड़ेंगे, क्योंकि यही रिश्ते आड़े वक्त पर सही मायने में आपके काम आते हैं।

» रिश्ते बनाते समय जरूरत वाली सोच को अलग रखें।

» रिश्तों में प्यार एवं अपनेपन को जगह दें तथा उसकी भावनाओं का सम्मान करें।

» कई बार सामने वाले के लुक्स भले ही ना हों, परंतु मुसीबत के समय वह आपको भावनात्मक सहारा दे सकता है, जिससे कि आपको उन परिस्थितियों से बाहर आने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार उसी जरूरत के समय आप भी उसके साथ हमेशा खड़े रहें।

» पैसा, शोहरत और रुतबा पाने के बावजूद भी कई बार हम स्वयं को बेहद अकेला महसूस करते हैं, ऐसे में जो दोस्त हमारे साथ दिल से जुड़े होते हैं, उस अकेलेपन को बांटने बिना किसी स्वार्थ के आपके पास पहुंच जाते हैं।

» यदि आप किसी से मतलब का रिश्ता बना रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि दूसरे ने भी मतलब को देख कर ही आपसे दोस्ती की होगी अर्थात जहां मतलब खत्म वहां दोस्ती खत्म होने में एक पल भी नहीं लगेगा।

» इसलिए अपने दोस्तों एवं करीबी लोगों को समय दें तथा उनसे एक प्यारा सा रिश्ता हमेशा बना कर रखें।

» रिश्तों का अर्थ केवल लेन-देन ही नहीं होता और ना ही यह सोचे कि आपने महंगा उपहार दिया और सामने वाले ने सस्ता दिया, इस तरह की सोच रिश्तों में अंतर ही लाएगी।

» रिश्ते को रिश्ता ही रहने दें, उसमें व्यापार की भावना को घर ना बनाने दें।

» आप जिस समय रिश्तों में अपनी कैल्कुलेशन वाली सोच बदल देंगे, तो रिश्तों को निभाने का वक्त भी मिलने लगेगा और मन में यह खुशी भी होगी कि आपके पास कुछ ऐसे रिश्ते हैं, जो कि ताउम्र आपका साथ देंगे, भले ही जीवन में परिस्थितियां कैसी भी आ जाएं।

रेसिपी

स्पाईसी बाजरा पराठा

सामग्री

1 कप बाजरा का आटा, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, नमक स्वादअनुसार, बाजरा का आटा , बेलने के लिए, 3 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए, मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए ,3/4 कप चूरा किया हुआ लो फैट पनीर, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 3/4 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए : लो-फैट दही

विधि

भरवां मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। बाजरे का आटा, गेहूं का आटा और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें और जरुरत मात्रा में गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। थोड़े सूखे बाजरे आटा का प्रयोग कर, आटे के एक भाग को 125 मिमी (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। रोटी के आधे भाग में, भरवां मिश्रण के एक भाग को रखकर, चंद्राकार में मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, और 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे के दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। दोहराकर 5 और पराठे बना लें। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसें।

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड स्लाईस , टुकड़ो में कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 3 - 4 कड़ी पत्ता, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ट प्याज, 2 टेबल-स्पून तेल, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक बाउल में 2 दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डाले। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ी पत्ता और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ के स्लाईस डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक या उनके हल्के सुनहरे होने तक भून लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर धीमी आंच पर 1 से 2 मनट या ब्रेड के सुनहरा होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)